ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Untold Raksha Bandhan Stories

In Hindu mythology, it's believed that the first rakhi was tied to a husband and not a brother. Indra's wife, Sachi, consulted Lord Krishna during a war between the gods and demons

Teach Kids How To Swallow Pills

A Journey of Love, Longing, and Beauty

कांग्रेस के महासचिवों, पदाधिकारियों आदि की सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक होगी

बैठक में मंथन का मुद्दा होगा, कैसे राहुल गांधी का चुनाव आयोग पर ''वोट चोरी'' का आरोप सप्रमाण घर-घर पहुंचाया जाये

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 8 अगस्त। सोमवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की एक उच्च स्तरीय मीटिंग बुलाई गई है। मीटिंग में इस बात पर विचार होगा कि भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग के खिलाफ वोट चोरी करने के राहुल गांधी द्वारा लगाये गये आरोपों को पूरे देश में किस तरह पहुंचाया जाये।

इस बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी करेंगे। इसमें ए आई सी सी के महासचिव, पदाधिकारी, फ्रंटल संगठनों के प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता के अनुसार, वोट चोरी से संबंधित राहुल गांधी का संदेश देश के हर घर तक पहुंचाना जरूरी है, क्योंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार को जनता की नजरों में बेनकाब किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट से भी कोई उम्मीद नहीं बची है कि वह इस पर अपेक्षित प्रतिक्रिया देते हुए, कोई

- **कांग्रेस का मानना है, यह ही रास्ता है, प्र.मंत्री को कठघरे में खड़े करने का, क्योंकि यह आशा कम है कि, सुप्रीम कोर्ट इस मुद्दे पर कुछ प्रतिक्रिया देगा, और कोई एक्शन लेगा।**
- **केन्द्रीय सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, चुनाव आयोग अब इस मुद्दे पर काफी घिर गया है, तथा सीना जोरी की मुद्रा अख्तियार करके, किसी तरह इस संकट से गुजर जाना चाहता है।**
- **दूसरी ओर राहुल गांधी ने शुक्रवार को कर्नाटक में रैली आयोजित की, जिसमें मुख्य मुद्दा चुनाव आयोग द्वारा की गयी ''वोट चोरी'' ही था।**
- **साथ ही राहुल गांधी, चुनाव की तैयारी में गर्माये बिहार में, तेजस्वी यादव को साथ में लेकर, 17 अगस्त से बिहार की यात्रा करेंगे, जिसमें भी मुख्य मुद्दा चुनाव आयोग की ''वोट चोरी'' ही होगा।**

अपेक्षित कदम उठाये।

एक वरिष्ठ नौकरशाह ने कहा है, कि चुनाव आयोग के भीतर घबराहट का माहौल है, क्योंकि वह अब बेनकाब हो गया है तथा सार्वजनिक रूप से कटघरे में है। इसके बावजूद, वह स्वयं को बचाने के लिए अक्खड़पन से काम ले रहा है।

राहुल गांधी ने आज कर्नाटक में एक रैली को संबोधित करते हुए भी वोट-चोरी का ही मुद्दा उठाया। उन्होंने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए कि वह अपने गलत कामों के सबूतों को मिटा रहा है, और सीसीटीवी फुटेज तक हटाए जा रहे हैं, ताकि भाजपा के कथित गड़बड़ी के निशान मिटाए जा सकें।

इसी क्रम में राहुल गांधी अब, बिहार, जहां जल्दी ही चुनाव होने हैं, का दौरा करने जा रहे हैं, जहां एक अलग तरह की वोट चोरी को अंजाम दिया जा रहा है। आरोप है कि भाजपा और एनडीए के लिए ''असुविधाजनक मतदाताओं'' को मतदाता सूची से हटाया जा रहा है, ताकि एनडीए को विधानसभा चुनावों में जीत दिलाई जा सके।

राहुल गांधी इस यात्रा में राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ होंगे। दोनों नेता मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए और चुनाव आयोग को निशाना बनाते हुए ऐसा माहौल बनाने की कोशिश करेंगे, जिससे इन की साख पर सवाल उठें। कांग्रेस सूत्रों का मानना है कि बिहार से उठी आवाज़ देशभर में गूंजेगी और यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गोगामेड़ी के हत्यारे को पनाह देने वाली महिला को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 8 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के चर्चित सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के आरोपित को पनाह देने के आरोप में जेल में बंद महिला पूजा सैनी को राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने आरोपी की ओर से दायर जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल कर खंडपीठ ने ये आदेश पूजा सैनी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा

- **एनआईए की ओर से कहा गया कि हत्यारा कई दिन याचिकाकर्ता के घर रुका था और याचिकाकर्ता ने उसे हथियार उपलब्ध कराये थे।**

कि मामले में विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत याचिकाकर्ता के खिलाफ प्रसंज्ञान लिया जा चुका है।

जमानत याचिका में कहा गया कि उसके पति महेन्द्र कुमार पर आरोप है कि उसने शूटर नितिन फौजी को घटना से पहले अपने घर में पनाह दी थी और इसकी जानकारी याचिकाकर्ता को भी थी। याचिकाकर्ता करीब डेढ़ साल से जेल में बंद है और विशेष न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई पूरी होने में समय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत व अमेरिका के टैरिफ के बारे में मतभेद, अब सामरिक मुद्दे में तब्दील हो गये हैं'

अमेरिका की सरकार के वाणिज्य सलाहकार पीटर नवारो के अनुसार इस तब्दीली की वजह है, भारत द्वारा रूस से ऑयल व हथियारों की खरीद बेखटक जारी रखना

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली/वाशिंगटन, 8 अगस्त। भारत और अमेरिका के बीच शुरू हुआ व्यापारिक विवाद अब तेजी से एक पूर्ण कूटनीतिक और सुरक्षा संकट में तब्दील हो चुका है। दोनों पक्ष अब अपने-अपने रुख पर अड़े हुए हैं और किसी भी तरह की रियायत देने को तैयार नहीं दिख रहे हैं, और यह टकराव अब शीर्ष नेतृत्व के बयानों में भी साफ झलक रहा है।

भारत के प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से दोहराया है कि देश अपने किसानों, डेयरी उद्योग और मछुआरों के हितों की कीमत पर कोई समझौता नहीं करेगा।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने यह घोषणा की है कि भारत के साथ चल रही व्यापार वार्ताएं अब रद्द की जा रही हैं, और भविष्य में होने वाली सभी दौर की बैठकें स्थगित कर दी गई हैं।

इस कड़े रुख के बीच, वाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा है कि व्यापारिक मतभेद अब

- **वाणिज्य सलाहकार ने स्पष्ट तौर पर कहा भारत की इस खरीद के कारण, रूस को जो आमदनी हो रही, उसी से रूस यूक्रेन युद्ध लड़ने की ताकत पा रहा है।**
- **इन घटनाओं से रूस काफी प्रसन्न है, तथा भारत को खूब भाव दे रहा है। अभी यूरोप के देशों के विदेश मंत्री व राष्ट्राध्यक्ष राष्ट्रपति पुतिन से सीधे बात नहीं कर पा रहे, पर पुतिन भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से आराम से मिल लिए, और भारत की यात्रा का कार्यक्रम भी तय सा कर लिया है।**
- **पर, भारत सावधानी बरतते हुए, यह छवि नहीं बनने देना चाहता कि, रूस से प्रगाढ़ होते संबंधों के कारण वह अमेरिका से दूरी बना रहा है। भारत ने अमेरिका से ऑयल, हवाई जहाज आदि खरीदने के अनुबंधन तोड़े नहीं हैं, जारी रक्खे हुए हैं, तथा भारत के उच्चाधिकारी मंत्री, जैसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व निश्चित अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं।**

सुरक्षा चिंता का रूप ले चुके हैं। उनका तर्क है कि भारत द्वारा रूसी तेल और हथियारों की खरीद यूक्रेन युद्ध के लिए वित्तीय समर्थन मुहैया करा रही है।

इस विरोधाभास को और स्पष्ट करते हुए, प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता की है और दोनों देशों के बीच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल की प्रस्तावित बिहार यात्रा से भाजपा-जेडीयू कैम्प में खलबली

राहुल की यह यात्रा 17 अगस्त से शुरु होगी, तथा संसद के 21 अगस्त तक चलने वाले सत्र के दौरान भी स्थगित नहीं होगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आगामी बिहार यात्रा ने सत्तारूढ़ भाजपा-जेडीयू खेमे में हलचल मचा दी है। 17 अगस्त से शुरू होने वाला उनका यह दौरा राजनैतिक रुप से ऐसे संवेदनशील समय पर हो रहा है, जब 21 अगस्त तक जारी रहने वाला संसद का मानसून सत्र चल रहा होगा। सूत्रों का कहना है कि सत्र के बावजूद, गांधी अपने राजनीतिक जनसंपर्क कार्यक्रम से कोई विराम नहीं लेंगे, जो उनके अभियान की गंभीरता और आवश्यकता को दर्शाता है।

बिहार दौरे के दौरान, राहुल गांधी के साथ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के भी शामिल होने की संभावना है। दोनों नेता कई जनसभाएं सम्बोधित करेंगे, जिनमें उन मुद्दों पर जोर दिया जाएगा, जिन्हें विपक्षी इंडिया गठबंधन के अनुसार, सत्तारूढ़ दल द्वारा

- **कांग्रेस का मानना है, इस यात्रा के दौरान उठाए गए मुद्दे, विशेषकर ''वोट चोरी'' का मुद्दा केवल बिहार का मुद्दा ही नहीं है, बल्कि पूरे देश की राजनीति को प्रभावित करता है।**
- **अतः इस यात्रा में रैलियों, आम सभाओं व जनसभा के माध्यम से कांग्रेस इस मुद्दे को राष्ट्रीय मुद्दा बनाने का प्रयास करेगी।**

नजरअंदाज कर दिया गया है।

गांधी के भाषणों का मुख्य विषय विवादास्पद स्पेशल इंटेंसिव रिवीज़न (एसआईआर) प्रक्रिया हो सकती है, जिसके तहत मतदाता सूचियों की समीक्षा की जा रही है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया में धांधली कर भाजपा को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई है। बिहार में यह मुद्दा एक बड़ा विवाद बन गया है, जहां इंडिया गठबंधन के नेताओं का कहना है कि इस प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर की गई अनियमितताओं ने मतदाता सूची की निष्पक्षता को नुकसान पहुंचाया है।

यह बिहार यात्रा केवल राज्यस्तरीय राजनीति के रुप में नहीं देखी जा रही, बल्कि एक व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य देशव्यापी आंदोलन के लिए माहौल बनाना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों और पार्टी महासचिवों की एक बैठक बुलाई है, ताकि एक एक्शन प्लान तैयार किया जा सके। इस मीटिंग के एजेंडे में सहयोगी दलों के साथ समन्वय, जमीनी कार्यकर्ताओं की लामबंदी और देशभर में जनआंदोलन और संपर्क अभियान की योजना शामिल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर शुभकामनायें दी

जयपुर, 8 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन (9 अगस्त) के पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

शर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट स्नेह का प्रतीक होने के साथ ही, हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचायक भी है। यह त्योहार हमें हमारी बहनों के सम्मान एवं सुरक्षा के लिए वचनबद्ध करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने महिला सशक्तीकरण की

- **उन्होंने कहा कि यह त्योहार हमें बहनों के सम्मान व सुरक्षा के लिये वचनबद्ध करता है।**

प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, राखी के उपहार स्वरूप प्रदेश की 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनों को 501-501 रुपए की राशि हस्तांतरित की है। वहीं, इस बार रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की महिलाओं को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में दो दिन (09 व 10 अगस्त) राज्य की सीमा के अन्दर निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट की ''डबल बैंच'' ने अपना ऑर्डर वापस लिया

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई ने ''डबल बैंच'' से एक पत्र लिख कर आग्रह किया था, कि, ''डबल बैंच'' अपने आदेश पर पुनर्विचार करे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अगस्त। एक असामान्य घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (8 अगस्त) को अपना वह अभूतपूर्व आदेश वापस ले लिया, जो 4 अगस्त को पारित किया गया था। उस आदेश में कहा गया था कि ''इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को उनके सेवानिवृत्त होने तक आपराधिक मामलों की सुनवाई से हटाया जाए'' और उन्हें किसी वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ बैठाया जाए।

जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने यह आदेश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार द्वारा पारित एक आदेश पर आपत्ति जताते हुए दिया था, जिसमें उन्होंने एक आपराधिक शिकायत को यह कहते हुए खारिज करने से इंकार कर दिया था कि धन वसूली के लिए नागरिक उपाय प्रभावी नहीं है।

हालांकि, इस आदेश को आलोचना

- **डबल बैंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार के एक आदेश को ''ठीक नहीं'' मानते हुए, आदेश दिए थे कि न्यायाधीश प्रशांत कुमार के समक्ष अब फौजदारी मामले की कोई फाइल न प्रस्तुत की जाये।**
- **न्यायाधीश प्रशांत कुमार ने अपने फैसले में, एक फौजदारी मामले की शिकायत को रद्द नहीं किया था, यह टिप्पणी करते हुए कि, सिविल मुकदमे द्वारा पैसों की रिकवरी की प्रक्रिया प्रभावी नहीं है, अतः क्रिमिनल केस चलते रहने देना चाहिए।**

का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई ने जस्टिस पारदीवाला की पीठ को पत्र लिखकर इस मामले में पुनर्विचार का अनुरोध किया। इसके साथ ही, इलाहाबाद हाईकोर्ट के तेरह न्यायाधीशों ने भी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लागू न करने की अपील की।

जस्टिस पारदीवाला ने स्पष्ट किया: ''हमें माननीय मुख्य न्यायाधीश का एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें अनुरोध किया गया है कि 4 अगस्त के आदेश के कुछ अनुच्छेदों पर पुनर्विचार किया जाए। इसलिए हमने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि इस मामले को पुनः सूचीबद्ध किया जाए।''

नया आदेश सुनाते हुए जस्टिस पारदीवाला ने कहा: ''हमारा उद्देश्य किसी भी न्यायाधीश को शर्मिंदा करना नहीं था। हमारा एकमात्र मकसद स्पष्ट रूप से एक गलत आदेश को सुधारना था।''

उन्होंने आगे कहा: ''जब कोई मामला सीमा को पार कर जाता है और संस्थान की गरिमा खतरे में पड़ती है, तो इस न्यायालय की संवैधानिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वह हस्तक्षेप करे, चाहे वह अनुच्छेद 136 के तहत अपीलीय क्षेत्राधिकार में ही क्यों न हो।''

पीठ ने कहा कि उन्होंने वह निर्देश सिर्फ इसलिए दिया था, क्योंकि संबंधित आदेश में गंभीर त्रुटियां थीं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जब हाईकोर्ट न्यायपूर्ण आदेश पारित करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट हमेशा उनकी सराहना करता है।

अंततः पीठ ने यह निर्णय लिया: ''मुख्य न्यायाधीश के लिखित अनुरोध के मद्देनजर और उनके प्रति सम्मान रखते हुए, हम 4 अगस्त 2025 के आदेश के अनुच्छेद 25 और 26 को हटाते हैं। आदेश में आवश्यक संशोधन किया जाए। अब हम यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चेतक और चीता हैलीकॉप्टर की विदाई होगी

नई दिल्ली, 08 अगस्त। डिफेंस सेक्टर में भारत पहले से और ज्यादा ताकतवर होने वाला है। दरअसल रक्षा मंत्रालय अपने पुराने चेतक और चीता हेलीकॉप्टरों को बदलने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए लगभग 200 नए हल्के हेलीकॉप्टर खरीदे जाएंगे। ये टोही और निगरानी हेलीकॉप्टर हैं और खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और

- **सेना और वायुसेना के लिए 200 नए हैलीकॉप्टर खरीदे जाएंगे।**

वास्तविक समय में स्थिति की जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और वायुसेना दोनों के लिए होंगे। सेना को 120 और वायुसेना को 80 हेलीकॉप्टरों की जरूरत है।

मंत्रालय ने इसके लिए सूचना का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'तात्कालिक लाभ व दीर्घकालीन संबंधों के बीच की दूरी, भारत-अमेरिका के मतभेदों के मूल कारण हैं'

ट्रम्प तुरंत ''डील'' करके लाभ उठाने की सोच के प्रवर्तक हैं, जबकि, पहले अमेरिका भारत से दीर्घकालीन संबंध बनाने में विश्वास रखता था

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 8 अगस्त। भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता, जिसे द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग में मील का पत्थर माना जा रहा था, अब अधरझूल में दिखाई देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों के बाद यह स्थिति और स्पष्ट हो गई है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक भारत के साथ टैरिफ को लेकर चल रहा विवाद नहीं सुलझता, तब तक कोई व्यापार वार्ता नहीं होगी। यह घोषणा उस समय आई है जब अमेरिकी प्रशासन ने कुछ भारतीय उत्पादों पर टैरिफ को दोगुना कर दिया है - जो दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच व्यापारिक संबंधों में गंभीर गिरावट का संकेत है।

व्यापार वार्ताओं का यह निलंबन इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में दोनों देशों के रणनीतिक गठबंधन को भी कमजोर करता है। चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के प्रयासों में अमेरिका और भारत के लिए आर्थिक सहयोग एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। ऐसे में व्यापारिक दरार से रणनीतिक विश्वास और समन्वय प्रभावित हो सकता है, जिससे व्यापक भू-राजनीतिक सहयोग की संभावना कमज़ोर पड़ सकती है।

इस टकराव की जड़ में ट्रंप प्रशासन की यह धारणा है कि एकता भारत में टैरिफ बाधाएं बहुत ऊंची हैं और दूसरे अमेरिका द्वारा पहले लगाए गए टैरिफ

- **इसीलिए ट्रम्प की नवीनतम घोषणा, कि, अब अमेरिका; भारत से नये व्यापारिक मुद्दों पर आगे बात नहीं करेगा, जब तक, अमेरिका व भारत के बीच चल रहे टैरिफ विवाद सुलझ नहीं जाते, अमेरिका के सख्त होते रुख को दर्शाती है।**

का भारत ने कड़ा जवाब दिया है। सन् 2019 में भारत ने अमेरिका के 28 उत्पादों पर टैरिफ लगाया था, जब अमेरिका ने भारत को जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज के तहत मिलने वाले लाभ को समाप्त कर दिया था जिससे भारतीय वस्तुओं को हर साल 5 अरब डॉलर से अधिक के शुल्कमुक्त निर्यात लाभ मिलता था। इसके बाद से मिनी-ट्रेड डील को अंतिम रूप देने के प्रयास कई बार विफल हुए हैं।

ट्रंप का ताज़ा बयान अमेरिका की स्थिति के सख्त रुख को दर्शाता है। भारतीय सामानों पर टैरिफ को दोगुना करने का निर्णय - जिसमें स्टील और एल्युमिनियम जैसे उत्पाद शामिल हैं - न केवल दंडात्मक है, बल्कि रणनीतिक भी है। यह एक संदेश है कि अमेरिका व्यापारिक लाभ के लिए टैरिफ को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने से नहीं हिचकिचाएगा।

भारत की प्रतिक्रिया संतुलित लेकिन दृढ़ रही है। नई दिल्ली के अधिकारियों ने संकेत दिया है कि भारत संवाद के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने को तैयार है, लेकिन दबाव में आकर किसी समझौते को स्वीकार नहीं करेगा। भारत का लंबे समय से मानना है कि उसके टैरिफ डब्ल्यू टी ओ के मानकों के अनुरूप हैं और ये घरेलू हितों खासकर कृषि और लघु उद्योग क्षेत्रों की रक्षा के लिए जरूरी हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप की यह नीति लेन-देन आधारित कूटनीति का हिस्सा है, जिसमें तत्काल अमेरिकी लाभ को दीर्घकालिक साझेदारी पर तरजीह दी जाती है। हालांकि ट्रंप ने सार्वजनिक मंचों जैसे हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की थी, लेकिन ये राजनीतिक शो भारत या अमेरिका की नीतियों में किसी ठोस बदलाव में तब्दील नहीं हो पाए।

इस टैरिफ वृद्धि और व्यापार वार्ताओं के निलंबन का असर गहरा हो सकता है। वर्ष 2024 में अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार 140 अरब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शुक्रवार को भी ठप्प रही लोकसभा

नयी दिल्ली, 08 अगस्त। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने शुक्रवार को भी बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर भारी हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

- **लोकसभा के मानसून सत्र का यह पूरा सप्ताह ही विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया है।**

दो बार के स्थगन के बाद पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने तीन बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु की, विपक्षी सदस्य नारे लगाते हुए और हाथों पर तख्तियां लेकर सदन के बीचों बीच आ गये। पीठासीन अधिकारी ने सदन चलाने का प्रयास किया, लेकिन सदस्यों का हंगामा चलता रहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

संसार में छल, प्रवंचना और हत्याओं को देखकर कभी-कभी मान लेना पड़ता है कि यह जगत ही नरक है। –जयशंकर प्रसाद

अपराधियों के हौसले बढ़ाती डिजिटल तकनीक

राजस्थान के जोधपुर जिले के मीडिया इन्फ्लुएंसर को अपराधियों ने अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए 20 लाख रु. की मांग पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर दो कथित अपराधियों को पकडा है। मीडिया इन्फ्लुएंसर और उसकी कामेडियन पत्नी को उनके अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई। खैर यह तो इन्होंने हिम्मत दिखाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी अन्यथा देश-दुनिया में इस तरह की धमकियां देकर डरा-धमकाकर वसूली करने के अपराधों की बाढ़ से आ गई है। दरअसल डिजिटल तकनीक का अपराधियों द्वारा अपराध में उपयोग आम होता जा रहा है। डिजिटल तकनीक के कारण अपराधियों के बढ़ते हौसले की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अजय भनोट ने एक महिला की निजी तस्वीरों को वाट्सएप पर सार्वजनिक करने के मामलें में जमानत देने से इंकार करते हुए सख्त टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति भनोट ने 2023 में भी सोशल मीडिया में अश्लील वीडियो अपलोड के प्रकरण में गंभीर टिप्पणी की थी। दरअसल डिजिटल क्रांति ने अपराध की दुनिया में भी बड़ी सेंध लगा ली है। अपराधी विभिन्न माध्यमों से डिजिटल तकनीक का उपयोग कर गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। कम्प्यूटर, कम्प्यूटर नेटवर्क, डेटाबेस, डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट आदि के माध्यम से नित नए अपराध की तरीके अपना रहे हैं। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का खासतौर से इस्तेमाल करते हुए लोगों की निजी जिंदगी को प्रभावित करने के साथ ही डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी जैसे गंभीर अपराध बेखौफ कर रहे रहे हैं। मजे की बात यह है कि डिजिटल अरेस्ट या बैंक अकाउंट ठगी के शिकार होने वाले अधिकतर लोग अच्छे पढ़े-लिखे, समाज में अच्छे पदों से सेवानिवृत या यों कहे कि समझदार लोग ही अधिक शिकार हो रहे है। अभी कुछ दिनों पहले ही एक माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि वे साइबर ठगी के शिकार होते-होते बचे हैं। डिजिटल तकनीक से अपराध करने वालों के हौसलों को देखिये कि कुछ घंटों नहीं अपितु कई दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रख कर हजारों नही बल्कि लाखों रुपए अपने खातों में डलवा रहे हैं। यह सब तो तब है जब कि सरकार मोबाइल टोन के समय ही ओपनिंग मैसेज के माध्यम से आगाह कर रहे हैं पर इस सबके बाजवूद इस तरह की घटनाओं में साल दर साल मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है।

1970 से 1990 के दो दशकों में केविन मिटनिक और उनके साथियों ने मोटोरोला, नोकिया आदि के नेटवर्क में सेंध मारना शुरु कर दिया था। बॉब थामस ने क्रीपर वायरस के माध्यम से कम्प्यूटर सिस्टम को बड़ा नुकसान पहुंचाया। इसके बाद तो समय-समय पर वायरसों द्वारा कम्प्यूटर सिस्टम को हैंक या प्रभावित करने का सिलसिला ही चल निकला। कम्प्यूटर आधारित अपराधों का केवल अमेरिका का 2015 का आंकड़ा ही चौकाने वाला है जिसमें एफबीआई के अनुसार 2 लाख 88 हजार से भी अधिक शिकायतों के साथ ही केवल एक वर्ष में 445 अरब डॉलर के नुकसान का दावा किया गया। साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान पर तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर है। चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों के सारी दुनिया में हौसले बुलंद है।

सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का खासतौर से इस्तेमाल करते हुए लोगों की निजी जिंदगी को प्रभावित करने के साथ ही डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी जैसे गंभीर अपराध बेखौफ कर रहे रहे हैं। मजे की बात यह है कि डिजिटल अरेस्ट या बैंक अकाउंट ठगी के शिकार होने वाले अधिकतर लोग अच्छे पढ़े-लिखे, समाज में अच्छे पदों से सेवानिवृत या यों कहे कि समझदार लोग ही अधिक शिकार हो रहे है। अभी कुछ दिनों पहले ही एक माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि वे साइबर ठगी के शिकार होते-होते बचे हैं।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन साल में ही ठगी के नए अवतार से ठगी की राशि 20 गुणा बढ़ गई है। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलों में 210 करोड़ 21 लाख रु. से अधिक की ठगी हो चुकी है। साल 2022 में साइबर ठगी, डिजीटल अरेस्ट या इस तरह की ब्लेक मेलिंग, ऑनलाइन ठगी आदि के 39925 मामलों में 91 करोड़ 14 लाख की ठगी हुई थी जो एक साल बाद ही 2023 में बढ़कर 60676 हो गई और इसमें 339 करोड़ रु. की राशि की ठगी हो गई। लाख प्रयासों के बावजूद 2024 में एक लाख 23 हजार 672 मामलों में 1935 करोड़ 51 लाख रु. की ठगी हो गई। यह तो वे मामलें हैं जो पुलिस में दर्ज हुए हैं जबकि हजारों मामलें ऐसे भी होंगे जिनमें मामलें दर्ज कराए ही नहीं गए होंगे। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

हैंकिंग, रेनसमवेयर, साइबर बुलिंग, ऑनलाईन धोखाधड़ी, ब्लेक मेलिंग अपराधियों के प्रमुख हथियार है। व्यक्ति को इस तरह से सम्मोहित व भयग्रस्त कर देते हैं कि समझदार और पढ़े लिखे होने के बावजूद पैसा गंवा बैठते हैं। ठगी, जबरन वसूली, पोर्नोग्राफी, बाल पोर्नोग्राफी, धनशोधन, औद्योगिक जानकारी चुराने, ड्रग, ब्लेक मेलिंग, ड़राने-धमकाने सहित विभिन्न तरह के अपराध को अंजाम देने में इन्होंने विशेषज्ञता हासिल कर ली है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े-लिखे और होशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा कि यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि डिजिटल तकनीक ने बहुत कुछ बदल कर रख दिया हैं। तकनीक ने समझ और संवाद को आसान बनाया है। जानकारी का पिटारा खोला है। पर इसके साइड इफेक्ट के रुप में अपराधियों का जाल भी तेजी से फैल रहा है। ऐसे में तकनीक का सकारात्मक उपयोग हो इसके लिए अभी भी बहुत कुछ करना शेष है। साइबर कानून और साइबर थाने बना देने मात्र से समस्या का समाधान होने वाला नहीं हैं। अवेयरनेस प्रोग्राम के बावजूद जिस तरह से हजारों लोग प्रतिदिन साइबर अपराधियों के आसानी से शिकार बन रहे हैं। देखा जाए तो डिजिटल ठगी करने वाले पूरी तकनीक और सिस्टम पर भारी पड़ रहे हैं। ऐसे में डिजिटल अपराध और अपराधियों से लोगों को बचाने की कोई ना कोई फूलप्रुफ तकनीक व व्यवस्था बनानी ही होगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 9 अगस्त, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, शनिवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र दिन 2:24 तक, सौभाग्य योग रात्रि 2:15 तक, बव करण दिन 1:25 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 2:11 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 2:24 तक है। बुध उदय पूर्व में रात्रि 11:22 पर होगा। आज श्रावणी पूर्णिमा, सत्यव्रत, बलभद्र पूजा, हयग्रीव जयन्ती, अश्वत्थ मारूती पूजन है। पंचक रात्रि 2:11 से आरम्भ होंगे। आज रक्षा बंधन है, राखी बांधने का समय दिन 1:51 से सायं 4:28 तक, प्रदोष काल समय सायं 7:05 से रात्रि 9:16 तक सर्वश्रेष्ठ रहेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:37 से 9:16 तक, चर 12:32 से 2:11 तक, लाभ-अमृत 2:11 से 5:27 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 7:05

मेष

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

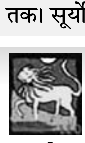

सिंह

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

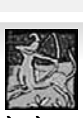

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ बनी रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर

आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

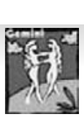

मिथुन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

तुला

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

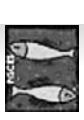

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

पारस्परिक प्रेम, सौहार्द व स्नेह का अटूट बंधन राखी का पर्व

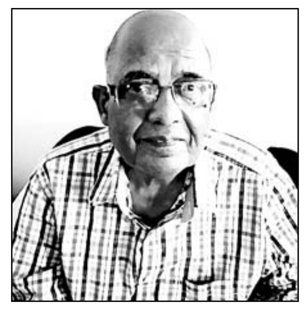

डॉ. जे. के. गर्ग

रक्षाबंधन का अर्थ है– किसी को अपनी रक्षा के लिए बांध लेना। इसीलिए इस पर्व पर राखी बांधते समय बहन कहती है हे भैया ! मैं तुम्हारी शरण में हूँ, मेरी सब प्रकार से रक्षा करना। फलस्वरूप भाई भी अपनी बहन को जीवन पर्यन्त रक्षा करने का वचन देते हैं।

भारतीय परम्परा में विश्वास का बन्धन ही प्रमुख है और रक्षाबंधन इसी विश्वास का बन्धन है। इस पर्व पर बहिन के राखी बांधने पर मात्र रक्षा का वचन ही नहीं देता वरन् प्रेम, समर्पण, निष्ठा व संकल्प के जरिए हृदयों को बाँधने का भी वचन देता है। पहले रक्षाबंधन बहन-भाई तक ही सीमित नहीं था, अपितु आपत्ति आने पर अपनी रक्षा के लिए अथवा किसी की आयु और आरोग्य की वृद्धि के लिये किसी को भी रक्षा-सूत्र बांधा या भेजा जाता था। भगवान कृष्ण ने भी गीता में कहा है कि- 'मयि सर्वमिदं प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव'- अर्थात 'सूत्र' अविच्छिन्नता का प्रतीक है, क्योंकि रक्षा के बिखरे हुए मोतियों को अपने में पिरोकर एक माला के रूप में एकाकार बनाता है। माला के मणियों की तरह रक्षा-सूत्र भी लोगों को जोड़ता है।

गीता में भी लिखा गया है कि जब संसार में नैतिक मूल्यों में कमी आने लगती है, तब ज्योतिर्लिंग भगवान शिव प्रजापति ब्रह्मा द्वारा धरती पर पवित्र धागे भेजते हैं, जिन्हें बहनें मंगलकामना करते हुए भाइयों की कलाई पर बाँधती हैं और भगवान शिव उन्हें नकारात्मक विचारों से दूर रखते हुए दु:ख और पीड़ा से निजात दिलाते हैं। जन्मों का ये बंधन है, स्नेह और विश्वास का..और भी गहरा हो जाता है ये रिश्ता..जब बंधता है धागा रक्लोग पिछली कडवाहटों को भूलकर आपसी प्रेम को महत्त्व देने लगते हैं।

एक बार देवताओं और असुरों में भयंकर युद्ध छिड़ा हुआ था। लगातार 12 साल तक युद्ध चलता रहा और अंततः असुरों ने देवताओं पर विजय प्राप्त कर ली। इतना ही नहीं देवराज इंद्र के सिंहासन सहित तीनों लोकों को भी जीत लिया। इसके बाद इंद्र देवताओं के गुरु, ग्रह बृहस्पति के पास के गये और सलाह मांगी। बृहस्पति ने इन्हें मंत्रोच्चारण के साथ रक्षा विधान करने को कहा। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन गुरू बृहस्पति ने रक्षा विधान संस्कार आरंभ किया। इस रक्षा विधान के दौरान मंत्रोच्चारण से रक्षा पोटली को मजबूत किया गया। पूजा के बाद इस पोटली को देवराज इंद्र की पत्नी शचि जिन्हें इंद्राणी भी कहा जाता है ने इस रक्षा पोटली के देवराज इंद्र के दाहिने हाथ पर बांधा। इसकी ताकत से ही देवराज इंद्र असुरों को हराने और अपना खोया राज्य वापस पाने में कामयाब हुए।

रक्षा बंधन को जन चेतना सामाजिक सद्भाव और सामाजिक क्रांति के माध्यम के रूप में मनाये।

भौतिकवाद टीवी मोबाइल सोशियल मीडिया के अत्याधिक उपयोग या दुरुपयोग के माहोल के अंदर समूचे देश के अंदर बलात्कार, अपहरण, योनाचार एवं स्त्री सुरक्षा-अस्मिता को बनाये रखकने के लिये कठोर कानून भी बनाये गये और उनमें मृत्यु दंड तक की सजा भी रखी गयी। इन सब कोशिशों के बावजूद बलात्कार, अपहरण जैसी नारकीय घटनाओं में कोई कमी नहीं आई वरन ऐसी घटनायें दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही रही। सच्चाई यही है कि ऐसी अमानवीय घटनाओं को कानून, पुलिस या सरकार के माध्यम से हल नहीं किया जा सकता है। हमारे देश के लिये कलंक बन चुकी इन विभत्स घटनाओं को रोकने का एकमात्र रास्ता जन जागृति, जन अभियान, जन चेतना और सामाजिक चेतना ही है। समाज के युवाओं को रोजगार देने के साथ साथ उनमें उनमें नैतिकता के संस्कार में वृद्धि करने की जरूरत है।

समाज में व्याप्त नारी की असहजता एवं असुरक्षा को देखते हुए क्या यह तर्क संगत नहीं होगा कि राखी के पावन उत्सव पर बहन जब अपने भाई की कलाई पर राखी बांधे तो वह अपने भाई से यह शपथ और वचन लेकर राखी बांधे कि भैया, जैसे आप मुझे पवित्र और स्नेहपूर्ण दृष्टि से देखते हैं एवं मेरी रक्षा का संकल्प लेते हैं वैसे ही आप इस राखी को मुझ से बंधवाते समय अपने सच्चे मन में यह प्रतिज्ञा करो कि आप केवल मेरी ही नहीं किन्तु भारत की प्रत्येक नारी एवं युवती को बहन की तरह निर्मल, पवित्र और स्नेह पूर्ण दृष्टि से ही देखोगे। अगर आप मुझसे यह वादा करते हो तब ही में आपकी कलाई पर राखी बांधूगी। मुझे यह वचन दें कि आप नारी की अस्मिता के रक्षा करेंगे रक्षा बंधन को जन चेतना सामाजिक सद्भाव और सामाजिक क्रांति का माध्यम के रूप में मनाये जाने पर भारतियों के मन के अंदर धीमें ही सही एक न एक दिन नारियों के लिये सम्मान की भावना पनपेगी। रक्षा बंधन को बहन-बेटियों के सुरक्षा दिवस के रूप में मनाये जाने पर उनके अंदर की अमानुषिक भावनाये भी धीमें-धीमें खत्म हो जायेगी इससे देश के अंदर सामाजिक जन क्रांति जरुर आयेगी।

कुछ समय बाद हम देखेगें कि भारत के पुरुष समाज में बहन-बेटी, महिला में अपनी सगी बहन की छवी को देखेगा तब उसके मन में उपजी कलुषित विचार और सोच नष्ट हो जायेगी। जब हर बहन अपने भाई से ऐसी ही प्रतिज्ञा करवायेगी तो अवश्य ही वो समय धीमें-धीमें ही सही निसंदेह आयेगा यह सोच कानून से ज्यादा प्रभावी होगी।

एक समय अवश्य आयेगा जब आदमी के दिल में दानवी कलुषित अमानुषिक विचारों की जगह राम राज्य स्थापित होगा जिसके फलस्वरूप देश की हर माता-बहनें एवं बेटियां सुरक्षित रहेगीं एवं देश को बलात्कार अपहरण योनाचार जैसी अमानवीय घटनाओं से छुटकारा मिल जायेया। वो दिन बहुत दूर नहीं होगा जब भविष्य में अपहरण, यौनाचार एवं युवतियों से अमानवीय व्यवाहर की हृदय विदारक दुखद घटनायें घटित ही नहीं होगीं। देश के अंदर राखी को सामाजिक क्रांति का माध्यम बनाने के लिये हम सभी का पुनीत कर्तव्य है कि इन भावनाओं को अपने स्तर पर फेसबुक, ट्विटर, सोशल मिडीया, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम, लोकल चेनल्स, स्वयं सेवी संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक आयोजनों, सामाजिक आयोजनों पर प्रचारित और प्रसारित करें। धार्मिक नेताओं साधू-संतों से भी अनुरोध करें कि वे भी इसका प्रसार करें। इस संदेश का ऑडियो बनाये, वीडियो बनाकर यूटूयुब पर अपलोड करें, पारस्परिक वार्तालाप करें। स्थानीय प्रशासन से सहयोग लें। राज्य सरकारों और केन्सेद्रीय सरकार से भी अनुरोध करें कि वे सभी शिक्षण संस्थाओं में परिपत्र भेज कर इस वर्ष 9 अगस्त 2025 को मनाये जाने वाले रक्षा बंधन पर्व पर-बहन बेटियों के सुरक्षा दिवस के रूप में मनायें।

रक्षाबंधन को मनाएं बुजर्गो के सुरखा कवच के रूप में -गुरु शिष्य को रक्षासूत्र बाँधता है तो शिष्य गुरु को। भारत में प्राचीन काल में जब स्नातक अपनी शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात गुरुकुल से विदा लेता था तो वह आचार्य का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उसे रक्षासूत्र बाँधता था जबकि आचार्य अपने विद्यार्थी को इस कामना के साथ रक्षासूत्र बाँधता था कि उसने जो ज्ञान प्राप्त किया है वह अपने भावी जीवन में उसका समुचित ढंग से प्रयोग करे ताकि वह अपने ज्ञान के साथ-साथ आचार्य की गरिमा की रक्षा करने में भी सफल हो। राखी को मनाये बुजुर्गों के सम्मान एवं के सुरक्षा दिवस के रूप में पिछले कई सालों मे हमारे देश, में जब हम समर्द्ध परिवार बुजुर्ग माताओं-पिताओं को अपना शेष जीवन जीने के लिये वृद्ध आश्रम जाते हुए देखते हैं तो उस समय हम सभी के दिल में दु:ख और विषाद उत्पन्न होता है एवं हृदय कराह उठता है। इस समस्या का समाधान करने और माता-पिता के बुढ़ापे को सुखद बनाने हेतु हम रक्षा बंधन के पर्व का बेहतरीन तरीके से उपयोग कर सकते हैं।

रक्षा बंधन के दिन प्रत्येक पुत्र-पुत्री, परिवार के सभी अनुज परिजन अपने-अपने माता-पिता, नाना-नानी, दादा-दादी, अंकल-आंटी और समस्त गुरुजनों, आचार्यों और अग्रजों की कलाई पर राखी बांध कर यह शपथ लें कि वें अपने माता-पिता और परिवार के सभी बड़े-बूढ़े यथा माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी आदि की सभी तरह से देखभाल करेगें, उनकी समस्त सुख-सुविधाओं का ख्याल रखेंगे एवं उनके प्रति हर प्रकार के दायित्वों का निर्वाह निष्ठापूर्वक करते हुए उनकी सेवा सुश्रुषा करेंगें, जिससे उनका शेष जीवन निर्विघ्न एवं सुखद बनें। यही शपथ एवं प्रण परिवार के बुजुर्गों का सुरक्षा कवच बनेगा। राखी पर उनको भरोसा दें कि उनके बुढ़ापे में वे उनकी पूरी तरह से देखभाल और सेवा करेगें एवँ कभी भी उनको अकेला नहीं छोढ़ेगें। अत: आइये इस रक्षाबन्धन के पर्व पर बुजर्गों को सुरक्षा कवच प्रदान करेंगे। आईये हम सभी एक-दूसरे को रक्षा सूत्र में बांधे एवं राष्ट्र निर्माण तथा राष्ट्र कल्याण हेतु कार्य करने का संकल्प भी करें। यदि आप इन विचारों से सहमति रखते हैं तो अपने आस-पास के सभी लोगों तक इस मेसेज को पहुचाये- रक्षा बंधन को सामाजी जन कान्ति के रूप में मनाने की शपथ लें।

–डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा।

एक पौधा लगाकर धरती मां और अपनी मां की तरह उसका समर्पण भाव से पोषण करें

वेदप्रकाश आशिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम अभियान को राजस्थान में नई ऊर्जा और गति देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरियालो राजस्थान के माध्यम से इसे स्वतंत्र भारत के सफलतम अभियानों में से एक बना दिया है जिसमें सरकार की प्रेरणा और आमजन की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून को नई दिल्ली के बुद्ध जयन्ती पार्क में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीपल का पौधा लगाकर देश के प्रत्येक व्यक्ति से अपनी मां के नाम पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने की अपील की। इस अपील से अभिभूत होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अभियान को राज्य में पूर्ण सफल बनाने के लिए हरियाली तीज, 7 अगस्त, को हरियालो राजस्थान का शुभारम्भ किया।

इस अभियान की सफलता के कारण जानना है तो जालौर जिले के सांथू गांव का दौरा करना एक बढ़िया अनुभव साबित होगा।

इस गांव के दलपत सिंह राजपुरोहित, शांतिलाल राजपुरोहित, रामलाल राजपुरोहित, चंदन सिंह राजपुरोहित और भरत राजपुरोहित ने प्रधानमंत्री जी की अपील को विस्तृत फलक देते हुए अपनी ही नहीं, सभी ग्रामवासियों की माताओं को कुछ विशेष समर्पण करने का संकल्प लिया। इस पवित्र संकल्प में जिला प्रशासन ने पूरा सहयोग दिया।

जालौर पंचायत समिति के इस गांव की गोचर भूमि पर गत वर्ष पारस पीपल, नीम, शीशम, गुन्दा, पलाश, चीकू, लीची, अमरूद, आम और कटहल के 5 से 10 फीट के परिपक्व 1100 पौधे लगाए गए, जिन्हें ये पांचों भामाशाह चंडीगढ़ से खरीद कर लाए थे। इन 1100 पौधों की देखभाल ये पांचों पर्यावरण मित्र और माता भक्त श्रवण नियमित रूप से कर रहे हैं। यहां ड्रिप पद्धित से पौधों को पानी दिया जाता है जिससे पानी की एक भी बूंद बेकार नहीं जाती।

वाटिका को आबाद करने में जिला प्रशासन की भी अहम भूमिका रही है। जिला परिषद् की ओर से यहां जीएलआर बनवाया गया है। ड्रिप सिंचाई, सोलर प्लेट और ट्यूबवेल की व्यवस्था भी की गई है। प्रशासन के संसाधन और 5 भामाशाहों के श्रम, धन और संकल्प ने यहां सुप्रशासन और ग्राम स्वराज की सफल कहानी रच दी है। देश के प्रत्येक गांव में इस कहानी को उसकी अपनी भाषा में लिखा जाए, सुनाया जाए, अनुकरण किया जाए तो ग्लोबल वार्मिंग समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकता है। हमने धरती मां और इस पर निर्भर प्रत्येक जाग्रत और अजाग्रत प्राणी, वनस्पति, यहां तक कि नदी, पहाड़, तालाब और जड़ पदार्थ को भी अपना हिस्सा, अपना साझेदार माना है।

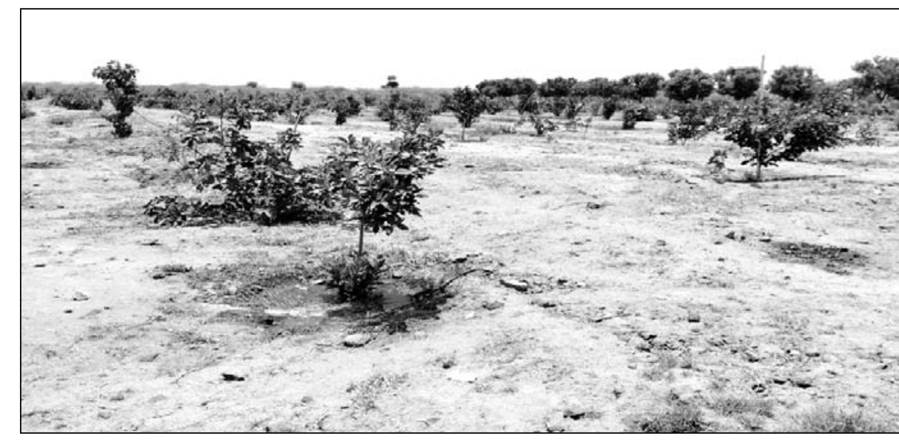

- **जालौर जिले के सांथू गांव की गोचर भूमि पर गत वर्ष पारस पीपल, नीम, शीशम, गुन्दा, पलाश, चीकू, लीची, अमरूद, आम और कटहल के 1100 पौधे लगाए**
- **गांव के दलपत सिंह, शांतिलाल, रामलाल, चंदन सिंह और भरत राजपुरोहित इन पौधों को चंडीगढ़ से खरीद कर लाए थे**

आज समय है, हम सब मिलकर इस धरती मां की देखभाल करें ताकि यह हम सब को जीवन देती रहे। आइये, हम सब मिलकर इस अभियान को सफल बना कर पृथ्वी मां और अपनी जैविक मां, धात्री मां सहित सभी की माताओं के प्रति कृतज्ञता अर्पित करें।

वेद प्रकाश आशिया,
जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी, जालोर

पौधारोपण व रक्षा सूत्र बांधकर बच्चों को पुत्री और प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया

बूंदी, (निसं)। उमंग संस्थान द्वारा रक्षाबंधन त्योहार के साथ प्रकृति संरक्षण और बालिका सशक्तिकरण के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु अभिनव मुहीम शुरू की गई है। इसी क्रम में शुक्रवार को बरूंधन, झापड़ी गांव व शहर के पुलिस लाइन रोड पर नई पीढ़ी के बालक-बालिकाओं के साथ वृक्षाबंधन तथा बालिकाओं के सम्मान हेतु जागरूक किया गया।

संस्थान सचिव डॉ. सर्वेश तिवारी ने बताया कि आज प्रकृति और पुत्री का संरक्षण विश्व के लिए चुनौती बनता जा रहा है। आमजन बालिकाओं के मान, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के संकल्प के साथ प्रकृति के संरक्षण के भाव को आत्मसात कर इसमें सहभागी बनें, इस हेतु शुक्रवार को विभिन्न माध्यम से रक्षाबंधन पर पौधारोपण, पौधा वितरण, वृक्षों को रक्षासूत्र बंधवाकर व बालिका सम्मान का पाठ पढ़ाया गया। जहां संस्थान अध्यक्ष डॉ. सविता लोरी, उपाध्यक्ष लोकेश जैन व विनोद कुमार गौतम ने हाइब्रिड माध्यम से अभियान का सोशल मीडिया पर शुभारंभ किया।

स्कूल के बच्चों को पौधों वितरित कर रक्षाबंधन पर्व मनाया।

वहीं बरूंधन में पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शोभा कंवर के नेतृत्व में प्रधानाचार्य कुंदनमल चौधरी, संगीत अध्यापक जुगराज गुर्जर, कम्प्यूटर अनुदेशक रितेश मंत्री के सानिध्य में हीना मेघवाल, जाह्नवी कुमावत, राधिका गुर्जर, दीपक भील, सूरज सुमन, अंकुश बैरवा, विजय गुर्जर, कविता गुर्जर, राधिका सुमन, राहुल भील, लक्ष्मी बैरवा, हीना कुमावत, तमन्ना मेहरा, शालू बैरवा व अन्य बच्चों ने पौधों की सार संभाल की तथा उनको राखी बांधी। बच्चों को जागरूक किया गया। वहीं दूसरी ओर झापड़ी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में अनुराधा जैन के नेतृत्व में मैना बाहेती, ब्रिज कंवर, देवलाल सैनी व प्रधानाध्यापक जगन प्रसाद शर्मा के साथ बंशी सैनी, शिवम सैनी, ललीत, शीला, आनन्दी, मानसी ने पौधारोपण, पौधा वितरण व रक्षा सूत्र बांधकर बालिकाओं के सम्मान करने की शपथ ली।

समन्वयक कृष्णकांत राठौर ने बताया कि इसी क्रम में एलीट शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में प्रभारी राकेश माहेश्वरी व संस्था प्रधान मोनिका माहेश्वरी ने आयोजित जन चेतना कार्यक्रम में बच्चों को प्रकृति संरक्षण की आवश्यकता एवं बालिकाओं के सम्मान के प्रति जागरूक किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने समीपस्थ पेड़ पौधों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया व उनकी रक्षा व पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आतिश वर्मा, भाविका खत्री, हर्षिता शर्मा, अंजली सुमन, दीपा गांधी, लक्ष्मी सैनी, ममता सैनी सहित स्टाफ सदस्य व अभिभावक भी मौजूद रहे।

- **उमंग संस्थान ने प्रकृति संरक्षण और बालिका सशक्तिकरण के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिये अभिनव मुहीम शुरू की**

महेश जोशी की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

ई.डी. की ओर से अदालत को बताया गया कि महेश जोशी के पुत्र की फर्म शुमंगलम् एल.एल.पी. में कान्ट्रेक्टरों ने किन्ही व्यवसायियों के माध्यम से रिश्वत का पैसा डाल रहे थे

-यादवेन्द्र शर्मा-

- ई.डी. के वकील अक्षय भारद्वाज ने कहा कि यदि आरोपी को जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है, इसलिए उसकी जमानत याचिका को खारिज किया जाए
- ई.डी. के वकिल अक्षय भारद्वाज ने अदालत को कहा कि पूर्व मंत्री महेश जोशी ने फर्जी सर्टिफिकेट को स्वीकृति देने के आदेश दिये थे और इसी के लिए ही एक मामले में 2.1 करोड़ की रिश्वत भी ली थी।
- ई.डी. के वकील की ओर से कहा गया कि रोहित जोशी, की फर्म शुमंगलम् एल.एल.पी., में 50 लाख रुपये डाले गये थे, वे जिन व्यक्तियों के माध्यम से डाले गये वो न तो रोहित जोशी को जानते ही नहीं थे। उन्होंने अदालत को कहा कि यह 50 लाख रुपये कुछ और नहीं बल्कि रिश्वत का पैसा है।

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में जल जीवन मिशन घोटाले से जुडे ई.डी. प्रकरण में आरोपी पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर दोनों पक्षों की बहस सुनकर दिए।

जमानत याचिका में अधिवक्ता स्नेहदीप ने अदालत को बताया कि प्रकरण में उसे फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर ए.सी.बी. में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया और उसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले उसे गिरफ्तार कर लिया गया। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि ई.डी. याचिकाकर्ता पर 2.01 करोड़ रुपए का आरोप लगा रही है, जबकि इसे लेकर ईडी के पास कोई साक्ष्य नहीं है और परिवादी यह राशि कहां से लाया, उसका भी उल्लेख नहीं है। इसके अलावा ईडी ने अपनी रिपोर्ट में बेटे की फर्म में 50 लाख रुपए का लेनदेन बता रही है। उन्होंने कहा कि यह राशि महेश जोशी के बेटे, रोहित जोशी, की फर्म, शुमंगलम् एल.एल.पी., ने लोन के तौर पर ली थी और उसे लौटाया भी जा चुका है। उन्होंने आगे कहा कि इस लोन की राशि को लेकर सिविल केस भी लंबित चल रही है। उन्होंने अदालत से समक्ष जिरह करते हुए कहा कि तथ्यों को देखते हुए याचिकाकर्ता को जमानत का लाभ दिया जाए।

जिसका विरोध करते हुए ई.डी. की ओर से अधिवक्ता अक्षय भारद्वाज ने कहा कि प्रकरण में ए.सी.बी. की ओर से दर्ज अन्य एफ.आई.आर. में याचिकाकर्ता की भूमिका को बताया गया है। अक्षय भारद्वाज ने अदालत को बताया कि पूर्व मंत्री महेश जोशी पर केवल इस मामले में, आरोपी दलाल संजय बड़ाला, के साथ सहयोग करने का ही नहीं है, बल्कि कई कान्ट्रेक्टरों को टेण्डर दिलाने की एवज में स्वयं भारी रिश्वत लेने का है। उन्होंने कहा कि इस केवल एक ही टेण्डर के मामले में ई.डी. ने आरोप लगाया है कि पूर्व मंत्री ने 2.1 करोड़ रूपये ऐंठे थे।

अक्षय भारद्वाज ने अदालत को यह भी कहा कि पूर्व मंत्री ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत जारी टेण्डरों में भाग ले रही कई कान्ट्रेक्टरों के द्वारा दिये गये 'इरकोन' (इण्डियन रेलवे कंस्ट्रक्शन इंटरनेशनल लिमिटेड) के फर्जी सर्टिफिकेट को स्वीकृति देने के आदेश दिये थे। पाठकों को बता दें कि 'इरकोन इंटरनेशनल', एक सरकारी कम्पनी है, जो सरकारी टेण्डरों में भाग ले रही कम्पनीयों के कार्यों की गुणवत्ता और मापदण्ड को जांचती है और सर्टिफिकेट देती है। नीति के अनुसार, जिन कम्पनीयों के पास 'इरकोन' द्वारा दिये गये सर्टिफिकेट थे, केवल वहीं कम्पनी 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत जारी टेण्डरों में भाग ले सकते थे।

अक्षय भारद्वाज ने अदालत में कहा कि महेश जोशी का नाम इस प्रकरण में जारी मूल एफ.आई.आर. में नहीं हो परन्तु ए.सी.बी.की एफ.आई.आर. नम्बर 245/2024 में दर्ज है, जिससे स्पष्ट होता है कि महेश जोशी का इस घोटाले में भूमिका अन्य बाकी आरोपियों से कई अधिक है।

अदालत के समक्ष जिरह के दौरान यह भी सामने आया कि महेश जोशी के पुत्र, रोहित जोशी, की फर्म शुमंगलम् एल.एल.पी. में जो 50 लाख रुपये डाले गये थे, वे जिन व्यक्तियों के माध्यम से डाले गये वो न तो रोहित जोशी को जानते ही नहीं थे। उन्होंने यह राशि संजय बड़ाला के कहने पर कम्पनी को दिये गये थे। अक्षय भारद्वाज का कहना था कि ऐसा कैसे हो सकता है कि कोई व्यक्ति किसी को न जानते हुए भी उसे लोन दे? उन्होंने अदालत को कहा कि यह 50 लाख रुपये कुछ और नहीं बल्कि रिश्वत का पैसा है, जिसे संजय बड़ाला के कहने पर कान्ट्रेक्टरों ने किसी व्यवसायी के माध्यम से रोहित जोशी के फर्म में जमा करवाया।

ई.डी. के वकील अक्षय भारद्वाज का कहना था कि यह केवल जांच के लिए गये बयानों से ही नहीं बल्कि कॉल रिकॉर्डिंग और कई अन्य तथ्यों से भी साबित होता है कि पूर्व मंत्री ने एक मुख्य भूमिका निभाई थी इस पूरे घोटाले में।

उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से इस राशि को लौटाना भी बताया जा रहा है तो राशि लौटाने से अपराध की गंभीरता कम नहीं होती है। अक्षय भारद्वाज ने अदालत को कहा कि यदि आरोपी को जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है, इसलिए उसकी जमानत याचिका को खारिज किया जाए।

उन्होंने अदालत को यह भी कहा कि इस मामले में जमानत पा चुके आरोपी पीयूष जैन, संजय बड़ाया, पदमचन्द जैन और मुकेश मित्तल केवल दलाल का काम कर रहे थे, उनकी भूमिका महेश जोशी के मुकाबले कम है।

ऑटो चालक पर चाकू से हमला कर लूटपाट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो चालक के साथ रिंग रोड पर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि

- आरोपित सवारी बनकर ऑटो चालक को सुनसान जगह ले जाकर चाकू से हमला कर लूट की वारदात करते है

आरोपित सवारी बनकर ऑटो चालक को सुनसान जगह ले जाकर चाकू से हमला कर लूट की वारदात करते है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि सांगानेर सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो चालक के साथ रिंग रोड पर लूटपाट करने वाले करण निवासी सांगानेर जयपुर और उदय निवासी तुंगा हाल प्रताप नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच पड़ताल में सामने आया कि आरोपित सवारी बनकर ऑटो चालक को सुनसान जगह ले जाकर चाकू से हमला कर लूट की वारदात करते है।पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस ने लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

खड़े ई-रिक्शा से बैटरी और चार्जर चोरी

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में खड़े ई-रिक्शा से बैटरी और चार्जर चोरी का मामला सामने आया है। सिक्योरिटी गार्ड की ड्यूटी के दौरान मालिक ने ई रिक्शा एक मकान के बाहर खड़ा किया था। जहां आए दो बदमाश खड़े ई-रिक्शा से बैटरी और चार्जर खोलकर चोरी कर ले गए। पीड़ित ने थाने में ई रिक्शा की बैटरी-चार्जर चोरी का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि बनीपार्क के पावर हाउस रोड निवासी श्याम लाल तिवारी ने मामला दर्ज करवाया है कि वह दिन में ई-रिक्शा चलाने के साथ ही रात में खातीपुरा के किसान नगर में सिक्योरिटी गार्ड का काम करता है। रात को ड्यूटी के दौरान एक मकान के पास अपना ई-रिक्शा खड़ा कर दिया। देर रात बदमाशों ने ई-रिक्शा को चोरी की नीयत से ई-रिक्शा की बैटरी व चार्जर खोलकर चोरी कर ले गए। सुबह नौकरी पूरी कर ई-रिक्शा संभालने पर चोरी का पता चला।

कृष्ण कुमार को भाजपा सदस्यता से निष्कासित किया

जयपुर। राजस्थान भाजपा में अनुशासन भंग के मामले ने बड़ा रूप ले लिया है। पार्टी ने अपने प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण कुमार जानू को कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत 6 साल के लिए प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई भाजपा की प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने शुक्रवार को आदेश जारी कर की। प्रदेश अनुशासन समिति ने बताया कि 20 जून को कृष्ण कुमार जानू को पार्टी अनुशासन भंग करने के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में उनसे स्पष्ट और संतोषजनक जवाब मांगा गया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर जानू ने कोई उत्तर नहीं दिया। भारतीय जनता पार्टी के संविधान में वर्णित प्रावधानों के तहत जब कोई सदस्य अनुशासन भंग करता है और नोटिस का जवाब नहीं देता, तो आरोप स्वतः प्रमाणित हो जाता है। इसी आधार पर सक्षम स्तर की स्वीकृति के बाद उन्हें 6 साल के लिए प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करने का निर्णय लिया।

निजी स्कूल पर एक लाख का हर्जाना

सीबीएसई सभी विषयों के अंकों के साथ नए सिरे से जारी करे अंकतालिका-हाईकोर्ट

- हाईकोर्ट ने 12वीं कक्षा के छात्र के कप्लीमेंट्री परीक्षा फॉर्म में एक विषय के बजाए सभी विषय भरने और बाद में उसे अनुपस्थिति के आधार पर फेल दिखाने के मामले में सीकर की एसएम नीमावत पब्लिक स्कूल पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 12वीं कक्षा के छात्र के कप्लीमेंट्री परीक्षा फॉर्म में एक विषय के बजाए सभी विषय भरने और बाद में उसे अनुपस्थिति के आधार पर फेल दिखाने के मामले में सीकर की एसएम नीमावत पब्लिक स्कूल पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही अदालत ने सीबीएसई को निर्देश दिए हैं कि वह एक माह में याचिकाकर्ता को मुख्य परीक्षा में चार विषयों के प्राप्त अंकों को शामिल करते हुए नए सिरे से अंकतालिका जारी करे। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश मनीष सैनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि परीक्षा फॉर्म को देखने से पता चलता है कि उसमें याचिकाकर्ता ने हस्ताक्षर ही किए थे और उसमें विषयों को स्कूल प्रशासन ने ही भरा था। प्रवेश पत्र में जब सभी विषयों को देखा तो याचिकाकर्ता ने इसकी शिकायत की और स्कूल प्रशासन के उचित कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर ही कप्लीमेंट्री आए एक विषय की परीक्षा में शामिल हुआ।

याचिका में अधिवक्ता अमित गुप्ता ने कहा कि याचिकाकर्ता ने सीकर की स्कूल से 12वीं कक्षा में प्रवेश लिया था। परीक्षा में वह रसायन विज्ञान में सप्लीमेंट्री आया और बाद में उसकी परीक्षा में भी फेल हो गया। इस पर उसने कप्लीमेंट्री परीक्षा के लिए आवेदन किया, लेकिन स्कूल प्रशासन ने लापरवाही बरतते हुए उसे आवेदन में पूर्व में पास चार विषयों को भी भर उसे सीबीएसई को भेज दिया। याचिकाकर्ता को प्रवेश पत्र के जरिए इसकी जानकारी मिली तो उसने स्कूल प्रशासन को शिकायत दी। इस पर स्कूल प्रशासन ने उसे उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस पर वह सिर्फ रसायन विज्ञान की परीक्षा में शामिल हुआ। परीक्षा में पास होने के बाद स्कूल ने उसे उत्तीर्ण दिखाते हुए टीसी जारी कर दी। इसके आधार पर उसने बीटेक कर लिया। जब उसने एमटेक में प्रवेश लिया तो उससे 12वीं की अंक तालिका मांगी गई। स्कूल से संपर्क करने पर याचिकाकर्ता को चार विषयों की परीक्षा में अनुपस्थित बताकर फेल की अंकतालिका दी गई।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने रक्षाबंधन पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी

- बाहरी घुसपैठियों, विशेषकर रोहिंग्याओं को हिन्दुस्तान में सरकार बनाने का अधिकार नहीं, नाम हटाने पर आपत्ति क्यों ?: मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष की भूमिका, मतदाता सूची, राष्ट्रीय सुरक्षा, न्याय प्रक्रिया और सामाजिक समरसता पर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी। राठौड़ ने रक्षाबंधन पर्व की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और कर्तव्यबोध का प्रतीक है। भाजपा घर-घर तिरंगा अभियान चला रही है, जिससे हर नागरिक में देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव जागृत हो। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल सत्ता पक्ष तक सीमित नहीं होनी चाहिए, विपक्ष में भी यही भावना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त स्वतंत्रता का उत्सव है जिसे पूरे उल्लास से मनाया जाता है। इसके एक दिन पहले विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाकर हम यह संदेश देना चाहते हैं कि देश को दोबारा वैसी त्रासदी का सामना न करना पड़े। जनता को संगठित रहकर राष्ट्र की अखंडता बनाए रखनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि हम एकजुट नहीं हुए, तो बंगाल जैसे हालात देश के अन्य हिस्सों में भी पैदा हो सकते हैं। राठौड़ ने जनता से अपील की कि वह राष्ट्रभक्ति, एकता और विकास के पथ पर संगठित होकर आगे बढ़े और भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विधानसभा सत्र में विपक्ष ने बार-बार हंगामा कर सदन का कीमती समय बर्बाद किया और कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा से दूर रहे। विशेष रूप से एसआईआर को लेकर विपक्ष का रवैया निराशाजनक रहा। राठौड़ ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण एक नियमित प्रक्रिया है, जिसमें नए मतदाता जोड़े जाते हैं और कुछ नाम हटाए जाते हैं। इस पर आपत्ति जताना केवल जनभावनाओं को भटकाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत में कौन शासन करेगा, यह भारत का नागरिक तय करेगा। बाहरी घुसपैठियों, विशेषकर रोहिंग्याओं के मतदाता सूची में नाम जोड़ने की घटनाएं पूर्वोत्तर और असम में चिंता का विषय हैं। इस पर राहुल गांधी को संजीदगी से विचार करना चाहिए, न कि संसद में हंगामा करना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी ऐसे विषयों पर जिम्मेदारीपूर्ण बयान देने चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने उदयपुर फाइल्स को लेकर स्पष्ट किया कि भाजपा न्याय प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करती। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस सवाल उठा रही है, तो उन्हें यह भी जवाब देना चाहिए कि आतंकी कसाब को सजा दिलाने में देरी क्यों हुई और किसने उसे बचाने की कोशिश की थी। सचिन पायलट पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि गहलोत "नकारा, निकम्मा" जैसे शब्दों से मन की ठीस पहुंचती है, यह शब्द दिमाग में भी सदैव जीवित रहते है। विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन भाषा की मर्यादा और शब्दों का चयन हमेशा संतुलित होना चाहिए।

11 अगस्त को फसल बीमा क्लेम वितरण कार्यक्रम

- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान होंगे मुख्य अतिथि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित होगा कार्यक्रम

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान 11 अगस्त को झुंझुनू में आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को डीबीटी के माध्यम से फसल बीमा क्लेम वितरित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में जयपुर, झुंझुनू, कोटपुतली एवं सीकर जिलों के जिला कलेक्टर और संबंधित विभागीय अधिकारियों से समारोह की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

उद्यानिकी राजन विशाल (बीच में) ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से समारोह की तैयारियों को लेकर चर्चा की।

राजन विशाल ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की प्रगति की समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी तैयारियाँ समयबद्ध व व्यवस्थित तरीके से पूर्ण की जाएं, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो। शासन सचिव ने समारोह के सफल आयोजन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को दिए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में समन्वय बनाते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने आयोजन की व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय से काम करते हुए सभी व्यवस्थाएं बेहतर रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर किसानों के पहुंचने, बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्थाएं की जाए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग की बेहतर सुविधा सुनिश्चित करने के साथ ही चिकित्सा सुविधा के अनुकूल बंदोबस्त करने के निर्देश दिए।

बैठक में कृषि आयुक्त सुचिन्मयी गोपाल, झुंझुनू जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग रविंद्र कुमार शर्मा, मुख्य लेखा अधिकारी कौशल्या सांकृत्य, अतिरिक्त निदेशक उद्यान हिरेंद्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सुरेंद्र सिंह शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट सहित कृषि एवं उद्यान विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

लोकसभा अध्यक्ष बिरला को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

जयपुर। लायन्स क्लब जयपुर हवामहल ने सेवा, नेतृत्व और राष्ट्रगौरव की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए दो दिवसीय राष्ट्रपति भवन एवं संसद भवन भ्रमण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। क्लब अध्यक्ष अंकित खंडेलवाल और एडमिनिस्ट्रेटर कैलाश खंडेलवाल ने बताया कि यह आयोजन क्लब की राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त बनाने वाला सिद्ध हुआ और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में उठाया गया एक क़दम है कार्यक्रम संयोजक अनूप खंडेलवाल और धर्मेश सक्सेना ने बताया कि लॉयन सदस्यों के लिए यह कार्यक्रम लोकतांत्रिक संस्थाओं को नजदीक से समझने और अनुभव करने का अनमोल अवसर बना। एस एन गुप्ता और सुरेंद्र गुप्ता ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लायन्स क्लब जयपुर हवामहल द्वारा प्रेस्टीजियस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। और इस ऐतिहासिक क्षण में उन्हें आगामी कार्यक्रम हेतु सपरिवार जयपुर आमंत्रित किया गया, जिसे उन्होंने ससम्मान स्वीकार किया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष को लॉयन्स क्लब जयपुर हवामहल के अध्यक्ष अंकित खंडेलवाल ने क्लब द्वारा किये जा रहे 1008 कार्यों की जानकारी की प्रति भेंट की जिसकी लोकसभा अध्यक्ष ने जमकर सराहना की और सभी मेंबर्स को बधाई दी

डॉ. विजयलक्ष्मी शर्मा राजस्थान उच्च न्यायालय मीडिएशन सेंटर में मनोनीत

जयपुर। मणिपाल विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. विजयलक्ष्मी शर्मा को माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय मीडिएशन सेन्टर में, मध्यस्थता के रूप में मनोनीत व सूचीबद्ध किया गया है। जहां वो मध्यस्थता संबंधित मामलों में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी। डॉ शर्मा राज्य में एक मात्र महिला विधि प्रोफेसर हैं जिन्हें मध्यस्थता के रूप मनोनीत किया गया है। डॉ शर्मा ने बताया कि मध्यस्थता न्याय प्राप्त करने का एक सस्ता व सुगन विकल्प है जिसको अपनाने से महंगी और लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से बचा जा सकता है। डॉ शर्मा ने अपने इस मनोनयन पर अपने माता - पिता, गुरुजनों व परिवार को श्रेय दिया है।

रक्षासूत्र बांध सड़क पार लगाए पौधे

जयपुर। निवारू रोड स्थित रिकॉल किड्स प्ले स्कूल की ओर से स्कूली बच्चों ने पौधों को रक्षा सूत्र बांध कर पौधरोपण किया। स्कूल संस्थापक नीरजा श्रीवास्तव ने बताया कि इस दौरान 251 पौधे लगाए गए। साथ ही बच्चों के द्वारा पौधों को राखी बांधकर उनकी रक्षा की शपथ भी दिलाई। साथ ही प्रकृति की रक्षा के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्कूल अध्यापिका और स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर देह शोषण के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

जयपुर। सदर थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर देह शोषण के मामले में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को धर-दबोचा है। जो पिछले तीन माह से फरार चल रहे थे।पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि सदर थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर देह शोषण के मामले में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए मनीष सिंह सागर निवासी आगरा यूपी हाल हसनपुरा जयपुर और मोहम्मद शोयेब निवासी अमरोहा यूपी हाल हसनपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है।

100 स्वच्छता योद्धाओं ने वेस्ट मैटेरियल से राखियां बनाकर महापौर को बांधी

-कार्यालय संवाददाता-

- महापौर ने स्वच्छता योद्धाओं को राखी बांध कर स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में टॉप 3 रैंक लाने का लिया वचन
- कार्यक्रम में महापौर ने वृक्ष को भी राखी बांधी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

जयपुर। ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने निगम मुख्यालय पर सैकड़ों स्वच्छता योद्धाओं को राखी बांधी और उनसे सर्वेक्षण 2025 में टॉप 3 रैंक लाने का वचन लिया। महापौर ने सभी को पौधे वितरित किए और "एक पौधा मां के नाम" लगाने का आव्हान किया। इस दौरान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के निर्देशन में 100 से ज्यादा स्वच्छता योद्धाओं ने आर.आर.आर. सेंटर पर वेस्ट मैटेरियल से 5000 से अधिक राखियां बनाई। इन राखियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भेजकर पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर (बीच में) के निर्देशन में 100 से ज्यादा स्वच्छता योद्धाओं ने आर.आर.आर. सेंटर पर वेस्ट मैटेरियल से 5000 से अधिक राखियां बनाई।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा की "वेस्ट से बेस्ट" की पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक कदम है बल्कि स्वच्छता कर्मियों की सृजनशीलता और मेहनत का सम्मान भी है। कार्यक्रम में महापौर ने वृक्ष को भी राखी बांधी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

महापौर ने रक्षाबंधन पर्व पर सभी को शुभकामना देते हुए पार्षदो, चैयरमैन, निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों को राखी बांधी। 100 से अधिक महिला स्वच्छता योद्धाओं ने नगर निगम ग्रेटर सेन्टर पर वेस्ट मैटेरियल से राखियां बनाई। ये राखियां प्लास्टिक के ढकनों, पुराने कपड़ो, धागो, ऊन, बचे हुए सजावटी सामान डिब्बीयों जैसे वेस्ट मैटेरियल से तैयार की जा रही है। महापौर डॉं सौम्या गुर्जर की पहल पर यह नवाचार किया गया।

भू-संरक्षण विभाग के अधिकारियों ने किया पौधारोपण

श्रीरामपुरा के चारागाह क्षेत्र में वृक्षारोपण किया।

जयपुर। मुहम्मद जुनैद, निदेशक, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग ने बताया कि राज्य में मिशन हरियालो राजस्थान मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान (एक पेड़ मां के नाम) के तहत आज शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों के माध्यम से जयपुर जिले की श्रीरामपुरा ग्राम पंचायत फाल्यावास के चारागाह क्षेत्र में वृक्षारोपण/बीजरोपण का कार्य सम्पादित किया गया, जिसके तहत सहजना के 700 पौधे तथा स्थानीय प्रजाति के बीजों का रोपण किया गया।

निदेशक ने बताया कि राज्य में मिशन हरियालो राजस्थान मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान (एक पेड़ मां के नाम) संचालित किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 के दौरान जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विकास हेतु पंचायती राज विभाग मंत्री मदन दिलावर द्वारा एक करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य आवंटित किया है। इस अवसर पर जुनैद ने बताया कहा कि एक करोड़ पौधे लगाने के निर्देशों के कम में विभाग द्वारा सभी जिलों को लक्ष्य आवंटित किए हैं। इनमें प्रत्येक कार्मिक के माध्यम से 450 पौधारोपण का लक्ष्य भी सम्मिलित है। इसलिए आज प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत जयपुर जिले के बस्सी ब्लॉक में स्वीकृत जलग्रहण परियोजना डब्ल्यूडीसी-6/2022-23 के गांव श्रीरामपुरा ग्राम पंचायत फाल्यावास के चारागाह क्षेत्र में पौधारोपण किया गया।

सुनील उर्फ टुल्ली हत्याकांड में फरार 50 हजार का इनामी मुख्य आरोपी गिरफ्तार

आरोपी को एक देशी पिस्टल मय मैग्जीन व दो देशी कट्टे एवं पांच जिंदा कारतूस के साथ दबोचा

पावटा, (निसं)। पुलिस थाना भाबरु व जिला सायबर सेल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बानसूर के सुनील उर्फ टुल्ली हत्याकांड प्रकरण में फरार 50 हजार रुपए के इनामी अपराधी को एक देशी पिस्टल मय मैग्जीन व दो देशी कट्टे एवं पांच जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

- **इतनी मात्रा में अवैध हथियार कहां से लाने व किस प्रयोजन से खरीदे गए थे, इस संबंध में पुलिस आरोपी से जांच कर रही है**

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि बानसूर के सुनील उर्फ टुल्ली हत्याकांड में फरार 50 हजार का इनामी मुख्य अभियुक्त कृष्ण पहलवान की तलाश के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं नीमराना थाना प्रभारी राजेश मीणा, भाबरु थाना प्रभारी अंकित सामरिया, जिला साइबर सेल प्रभारी हेड कांस्टेबल संदीप कुमार मय टीम व गठित विशेष टीमों द्वारा तलाश करते हुए जिला साइबर सेल प्रभारी हेड कांस्टेबल संदीप कुमार को सूचना प्राप्त हुई। सूचना के अनुसार बानसूर के सुनील उर्फ टुल्ली हत्याकांड प्रकरण में फरार मुख्य अभियुक्त कृष्ण पहलवान खातोलाई मोड पुलिया दिल्ली जयपुर एन एच 48 की तरफ है, जिसके पास भारी मात्रा में हथियार हो सकते हैं। प्राप्त सूचना के आधार पर भाबरु थाना प्रभारी अंकित सामरिया, जिला साइबर सेल प्रभारी हेड कांस्टेबल संदीप कुमार प्राइवेट वाहन से खातोलाई मोड पुलिया दिल्ली जयपुर एनएच 48 पहुंचे, जहां बैग लटकाए खड़ा एक लड़का थानाधिकारी को वर्दी में देखकर भागने लगा। जिसे भाबरु थाना प्रभारी अंकित सामरिया, जिला साइबर सेल प्रभारी हेड कांस्टेबल संदीप कुमार ने पीछा कर पकड़ा पकड़ा।

वहीं भाबरु पुलिस थाने से अतिरिक्त जाप्ता मंगाकर कृष्ण यादव उर्फ कृष्ण पहलवान को चेक किया गया तो कृष्ण पहलवान के कब्जे से बिना वैध लाइसेंस के एक देशी पिस्टल मय मैग्जीन व दो देशी कट्टे एवं पांच जिंदा कारतूस मिले, जिन्हें पुलिस द्वारा जप्त किया जाकर अभियुक्त कृष्ण यादव उर्फ कृष्ण पहलवान (32) पुत्र सुबेसिंह निवासी बालावास को गिरफ्तार किया और आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपी के पास इतनी मात्रा में अवैध हथियार कहां से आए व किस प्रयोजन से खरीदे गए थे, इस संबंध में अनुसंधान जारी है।

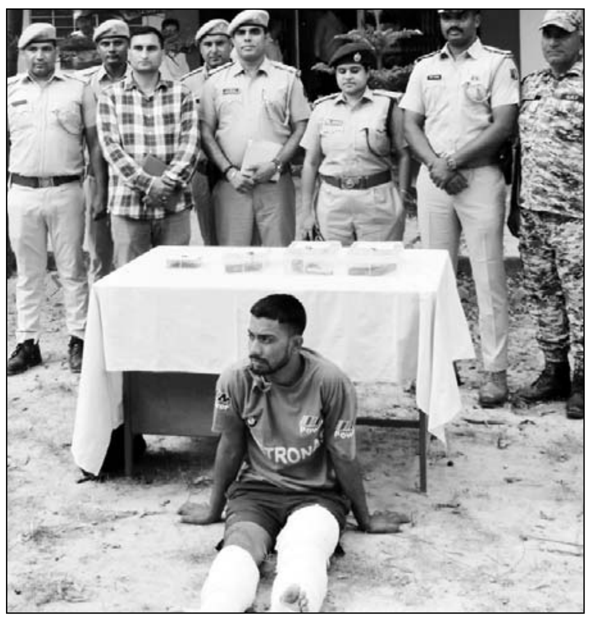

पुलिस ने इनामी अपराधी कृष्ण पहलवान को गिरफ्तार किया।

धोखे से नकदी हड़पी :- उदयपुर में नौकरी लगाने के नाम पर पीड़िता से नकदी हड़पने वाले फर्जी आर्मी अधिकारी के खिलाफ प्रतापनगर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। टीना पुत्री सुखबीरसिंह सीबीएफ कॉलोनी हिदुस्तान जिंक देबारी ने सुरेश शर्मा निवासी हरियाणा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 16 नवंबर 2024 को रेवाडी से उदयपुर आ रही थी। इस दौरान ट्रेन में आरोपी से मुलाकात हुई तो उसने स्वयं को बीएसएफ मे अधिकारी होकर बाडमेर में तैनात होना बताया। इस पर मोबाइल नंबर लेने के बाद संपर्क होने से नजदीकियां बढ़ गई। इस दौरान नौकरी दिलाने की बात होने पर आरोपी ने आश्वासन दिया तथा इसके लिए करीब 10 लाख रूपये खर्च करने की बात कही। इस पर सहमति बनने पर 5 अप्रेल 2025 को आरोपी मेवाड़ी मक्खन ढाबा देबारी आया, जहां उसे 9 लाख रूपये का भुगतान किया तथा घर चलने को कहने पर जल्द जाने का हवाला देकर आरोपी निकल गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रदेश में 44 नए सरकारी प्राइमरी स्कूल खुलेंगे, मंजूरी मिली

- **28 जिलों में ये स्कूल खुलेंगे, इनमें सबसे ज्यादा चार स्कूल जयपुर शहर में खुलेंगे**
- **इन नए स्कूलों के लिए फिलहाल कोई भवन की व्यवस्था नहीं है, सुरक्षित परिसर में इसी सत्र में इन स्कूलों को शुरू किया जाएगा**

बीकानेर, (निसं)। राज्य में 44 नए सरकारी प्राइमरी स्कूल खुलेंगे। इसकी मंजूरी मिल चुकी है। इन स्कूलों को लेकर आदेश जारी हो गए। 28 जिलों में ये स्कूल खुलेंगे। इनमें सबसे ज्यादा चार स्कूल जयपुर शहर में खुलेंगे। वहीं 7 नए जिलों में भी 10 स्कूलों को मंजूरी मिली है। खास बात यह है कि ये स्कूल इसी सेशन से शुरू हो जाएंगे।

इन सभी स्कूल में दो-दो टीचर नियुक्त किए जाएंगे। इन नए स्कूलों के लिए फिलहाल कोई भवन की व्यवस्था नहीं है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने आदेश जारी किया है। इसके अनुसार, भवन की व्यवस्था होने तक किसी सुरक्षित परिसर में इसी सत्र में इन स्कूलों को शुरू किया जाएगा। ये सुरक्षित परिसर कोई सरकारी स्कूल या फिर कोई सरकारी परिसर हो सकता है। स्कूल भवन बनाने के लिए जन सहयोग की पहल की जाएगी। यदि जन सहयोग नहीं मिलता है तो समग्र शिक्षा अभियान, नाबार्ड या फिर एमपी-एमएलए के कोटे से भवन का निर्माण होगा। नए स्कूलों में टीचर की व्यवस्था मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को करनी होगी। इसके लिए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्र के उन स्कूलों से टीचर्स लगाएंगे, जहां नामांकन कम और टीचर ज्यादा हैं। ऐसे टीचर्स को प्राथमिकता से नए स्कूल में भेजा जाएगा। राजस्थान में वर्तमान में 19 हजार 600 सीनियर सेकेंडरी स्कूल हैं। वहीं 48 हजार स्कूल प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्तर के हैं। नए जिले डीग, कोटपूतली-बहरोड़ और सलूंबर में 2-2 स्कूल खोले जाएंगे। वहीं बालोतरा, डीडवाना - कुचामन, खैरथल-तिजारा और फलोदी में एक-एक स्कूल खुलेगा।

दुकानदार की हत्या, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। सायरा थाना पुलिस ने मीट बेचने वाले दुकानदार की हत्या करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित विनोद कुमार पुत्र नानूराम खटीक निवासी रावों का सायरा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरे पिता विसमा गांव में नोनवेज की दुकान चलाते हैं। बीते बुधवार छह अगस्त रात में पिताजी दुकान पर थे। इस दौरान विसमा गांव निवासी शिवाराम व 3 साथी दुकान पर आए जहां नोनवेज के लिए पूछा तथा पैसों को लेकर विवाद होने पर मारपीट कर मेरे पिता की हत्या कर दी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में सायरा थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत मय टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए चार आरोपियों को डिटेन किया, जिनसे की गई पूछताछ के आधार पर आरोपी शिवाराम पुत्र लच्छाराम गरासिया निवासी विसमा सायरा तथा कुसाराम पुत्र तौलाराम गरासिया निवासी विसमा को गिरफ्तार किया, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उदयपुर (राजस्थान)

पता मकान नं. 16, ब्लॉक सी हिरणमगरी सवीना सेक्टर-9 क्रिस्टल प्लाजा के पास उदयपुर

(email-eemhudaipur@gmail.com, ee-mh-udaipur.gov.in)

क्रमांक- चि.एवं.स्वा./उदयपुर/2025-26/641 दिनांक-30.07.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 07/2025-26 MHS2526A2101

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के उदयपुर सलुम्बर एवं सिरोही जिले में निर्माण कार्य मय पांच साल की दोष निवारण अवधि (जहाँ लागु हो) के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इतयादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए,ए,बी, सी, एवं डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा को दिनांक 12.08.2025 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व SPPP.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. 1. MHS2526WSOB03140, 2. MHS2526WSOB03141, 3. MHS2526WSOB03142, 4. MHS2526WSOB03143

हितेश गुप्ता
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य उदयपुर

DIPR/C/11096/2025

दिलीपनाथ का साथी इनामी हिस्ट्रीशिटर गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। हिस्ट्रीशिटर दिलीपनाथ के साथी दस हजार के इनामी हिस्ट्रीशिटर को महिला के वेश में पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

एसपी योगेश गोयल ने बताया कि 10 हजार रूपये के इनामी हिस्ट्रीशिटर व अपराधी नारायणदास वैष्णव पुत्र धनदास वैष्णव निवासी पियाद्रा अम्बेरी सुखेर को गिरफ्तार किया। नारायण पहचान छिपाने की नियत से महिला की वेषभूषा पहन कर घूम रहा था। नारायण को पीड़ित को डरा-धमकाकर उसकी जमीन का एग्रीमेंट करा अवैध रूप से 35 लाख 50 हजार रूपये वसूली के मामले में गिरफ्तार किया है। उक्त मामले में हार्डकोर अपराधी दिलीपनाथ, नरेश वैष्णव, नरेश पालीवाल व विष्णु पालीवाल गिरफ्तार हो चुके हैं। नारायणदास हार्डकोर अपराधी दिलीपनाथ के द्वारा कूटरचित दस्तावेज के आधार पर पासपोर्ट कार्यालय पटना बिहार से बनाये पासपोर्ट मामले में कोतवाली पटना में वांछित चल रहा है।

अति. पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा ने बताया कि नाई थाने के हिस्ट्रीशिटर व हार्डकोर दिलीपनाथ व उसके साथियों द्वारा सुनियोजित षडयंत्र रच कर पीड़ित को जबरन घर से उठा ले जाने व मारने की धमकी देकर जमीन का एग्रीमेंट करा पीड़ित को तथा उसकी बच्ची को जान से मारने की धमकी दी एवं 35 लाख 50 हजार रूपये वसूल लिए। इस मामले में सुखेर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज हुआ था। जिसकी जांच पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह ने की थी। इस मामले में निलंबित पुलिस कांस्टेबल वीरेन्द्र सिंह के अलावा गजेन्द्र पुत्र लक्ष्मीलाल चौधरी निवासी अम्बामाता मंदिर के पिछे, देवेन्द्र गायरी उर्फ डेविड निवासी कालारोही, शंकरसिंह पुत्र हीरालाल राजपूत, पींटू कलाल निवासी मेहरों का गुडा, कमल दया पुत्र मांगीलाल, हेमराज डांगी, लाखन खटीक व अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने गजेन्द्र पुत्र लक्ष्मीलाल चौधरी, देवेन्द्र गायरी उर्फ डेविड, हेमराज डांगी, कमल दया की गिरफ्तारी पर 2-2 हजार रूपये व लाखन तथा पिन्टू कलाल की गिरफ्तारी पर 5-5 हजार रूपये इनाम घोषित किया है।

जमीन विवाद में मारपीट का आरोप

भीलवाड़ा, (निसं)। मोखमपुरा गांव में गूगड़ के परिवार के सदस्य विवादित जमीन पर लकड़ियां लेने गए तो एएसपी अदिति चौधरी के परिवार के सदस्यों ने उनके साथ गाली गलौच और मारपीट की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि उक्त जमीन के विवाद पर कोर्ट उनके पक्ष में फैसला कर चुकी है, उसके बावजूद शंकरलाल जाट, डालचंद जाट, राजेंद्र जाट, राहुल जाट, रंजीत जाट, प्रेम देवी के साथ ही एएसपी अदिति चौधरी मौके पर पहुंची। विवादित भूखंड अपना बताते हुए झगड़ा शुरू कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि इस दौरान उनकी बहू एएसपी अदिति चौधरी मौके पर पहुंची और न केवल प्लॉट पर कब्जा कर लेने की धमकी दी बल्कि एनकाउंटर कराने तक की धमकी दे डाली। पीड़ित पक्ष ने इस संबंध में एसपी को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। इस घटना के संबंध में एएसपी अदिति चौधरी से संपर्क साधने की कोशिश की लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

रक्षाबंधन पर बहनों से बिछड़ा भाई, नदी में डूबने से मौत

- **पुलिसकर्मियों व गोताखोरों ने रेस्क्यू कर डूबे युवक को बाहर निकाला**

छबड़ा, (निसं)। रक्षाबंधन पर्व पर एक भाई अपनी बहनों से हमेशा के लिए दूर हो गया। नदी दरवाजे स्थित रेणुका नदी के पुल के पास शुक्रवार सुबह एक युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस कर्मियों व गोताखोरों ने ग्रामीणों के सहयोग से रेस्क्यू कर डूबे युवक को बाहर निकाला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

जानकारी के अनुसार क़स्बे की रेणुका नदी के पुल के पास शुक्रवार सुबह कस्बा निवासी बंटी सुमन (30) पुत्र हीरालाल डूब गया। घटना की सूचना पर पहुंचे पुलिस कांस्टेबल रणवीर सिंह व हीर सिंह व गोताखोर मंजूर मेव, नीरज कुशवाहा, भवानी कुशवाहा व छोटू कुशवाहा ने कड़ी मशक्कत व रेस्क्यू कर युवक को नदी से बाहर निकाला और त्वरित उसे छबड़ा चिकित्सालय में पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। उल्लेखनीय है कि गोताखोर अगर तत्परता नहीं दिखाते तो मृतक की तलाश असंभव हो जाती है, क्योंकि सुबह बारीश आने से नदी का जल स्तर भी बढ़ गया था। पूर्व में कई शव कई दिनों बाद की कड़ी मशक्कत के बाद मिले हैं।

बहनों से हमेशा के लिए दूर हुआ बंटी :- मृतक बंटी अविवाहित था, इसके बड़े भाई महेंद्र व बहन ऊषा, सीमा की शादी हो चुकी थीं। पिता हीरालाल की विगत तीन वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी थी। शुक्रवार को जैसे ही बंटी की मृत्यु की खबर उसके परिवारजनों को लगी तो एकाएक रूप से शोक की लहर दौड़ गई और रक्षाबंधन पर्व की खुशियां मातम में बदलने के साथ बहन उषा व सीमा से बंटी हमेशा के लिए दूर हो गया। मृतक बंटी छोटे दादाजी रामकल्याण के फूल चुनने के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आया था कि उसकी भी नदी में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक एक ढ ाबे पर कार्य करता था। पूर्व पार्षद रितेश शर्मा ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन. स्वा. अभि. विभाग, नगर खण्ड, तृतीय

(उत्तर), ब्रह्मपुरी थाने के पीछे आमेर रोड, जयपुर

E-mail: eecity3jai.phed@rajasthan.gov.in दूरभाष सं.-0141-2670465

क्रमांक-अ अ/न ख III(3)/2025-26/1387-1401 दिनांक-01.08.2025

निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पंजीकृत संवेदकों जो राजस्थान सरकार के नियमानुसार अधिकृत हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संवेदक ई-निविदा में भाग लेने हतु अपने डिजिटल हस्ताक्षर (डीएससी) पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। निविदा संबंधित विवरण निम्नलिखित वैबसाईट पर देख सकते है।

1. http://www.eproc.rajasthan.gov.in (Online) (2) http://sppp.rajasthan.gov.in

S.No.	NIT Number	NIT Cost (In Lacs)	Last Date of Bid Submission	UBN Code
1	19/2025-26	43.58	12.08.2025	PHE2526WSOB05101
2	20/2025-26	100.00	12.08.2025	PHE2526WSOB05102

अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग
नगर खण्ड तृतीय (उत्तर), जयपुर

DIPR/C/11256/2025

नदी में डूबने से दो बालकों की मौत

- **चम्बल नदी में कोटा बैराज की डाउन स्ट्रीम में हादसा हुआ**

कोटा, (निसं)। चम्बल नदी में कोटा बैराज की डाउन स्ट्रीम में शुक्रवार को दो बालक नदी में डूब गये। दो बालकों के चम्बल नदी में डूबने की सूचना पाकर नगर निगम की गोताखोर टीम मौके पर पहुंची। नगर निगम के गोतखोर विष्णु श्रंगी ने बताया कि दो बालकों के चम्बल नदी के डाउन स्ट्रीम में डूबने की सूचना पाकर टीम मौके पर पहुंची और रेसक्यू टीम ने बहाव क्षेत्र में 35 फीट अंडर वॉटर स्कूबा डाईविंग करके घटना के मात्र 45 मिनट में दोनों बालकों के शवों को चम्बल नदी से बाहर निकालकर पुलिस एवं मौके पर पहुंचे परिजनों को सौंप दिया। दोनों मृतको की उम्र 15 से 16 वर्ष के बीच बताई जा रही है। नगर निगम के गोताखोर चंगेज खान ने बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिली की चम्बल नदी के बैराज डाउन स्ट्रीम में नहाते समय दो बालक चम्बल नदी में डूब गये हैं। सूचना पाकर गोताखोर टीम मौके पर पहुंची। गोताखोर चंगेज खान ने बताया कि मौके पर पहुंची टीम के सदस्यों ने 35 फीट अन्दर वॉटर स्कूबा डाईविंग का रेसक्यू अभियान चलाकर दोनों बालकों के शवों को चम्बल नदी से बाहर निकाल कर पुलिस व परिजनों को सौंप दिया। दोनों मृतक बालकों के शवों की पहचान पाटनपोल के निवासी अली (15) पुत्र बाबू भाई व अली (16) पुत्र रउफ के रूप में हुई है।

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 1201 Date :- 07/08/2025

NOTICE INVITING BID

NIB No. : 20, 21, 22/2025-26

Bids for various works of Project MJSA 2.0 of estimated value INR (61.61+57.06+20.74) 139.41 lacs, 141.11 lacs & (5.32+6.77+3.42) 15.51 lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 18-08-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB NO	NIB CODE	UBN NO.
20	WSC2526A0609	WSC2526WSRC01035, WSC2526WSRC01036, WSC2526WSRC01037
21	WSC2526A0610	WSC2526WSRC01038
22	WSC2526A0611	WSC2526WSRC01040, WSC2526WSRC01041, WSC2526WSRC01042

Superintending Engineer and Project Manager
WCDC Zila Parishad Karauli

Raj.Samwad/C/25/7839

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013

E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/4926 दिनांक :- 07/08/2025

ई - बिड सूचना संख्या 28-II/2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से Bidder should be reputed firm/company/Govt. owned entity में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत फर्म से Consultancy कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है।

UBN No. :- ITB2526SLOB00156

राज.संवाद/सी/25/7796 अधिशाषी अभियन्ता

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा) नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इंडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर-342003

ई-निविदा सूचना

निगम की कार्यशाला में खराब डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफार्मर की मरम्मत के लिए रेट कांट्रैक्ट के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के सामान की खरीद हेतु TN-2068 (UBN JVV2526GLOB00343) हेतु ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं।

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं।

अधीक्षण अभियंता
(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबंध)

राज.संवाद/सी/25/7820

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय नगर निगम जोधपुर दक्षिण

(नगर निगम भवन, पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर)

(ceo_nnj@rediffmail.com Tel: 0291-2651464)

क्रमांकः- 11472 दिनांकः- 07.08.2025

-:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना ::-

U. B. No. DLB2526SLOB14040

नगर निगम जोधपुर दक्षिण में नगर निगम के कार्यो हेतु जीप/बोलेरो, कार, इनोवा कार, 24 सीटर बस संविदा पर दो वर्षो के लिए उपलब्ध करवाने के कार्य हेतु अनुभवी, योग्य एवं प्रतिष्ठित वाहन स्वामियों/ट्रेवल एजेन्सियों/प्रतिष्ठित फर्मो से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in, www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjs एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/7835

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/3633-35 दिनांक : 07.08.2025

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 37/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्यो की लागत 24.94 लाख रूपये से 42.77 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-

1. DLB2526WSOB13985, 2. DLB2526WSOB13986, 3. DLB2526WSOB13987

राज.संवाद/सी/25/7808 आयुक्त, नगर परिषद बारां

राजस्थान सरकार

कार्यालय उप वन संरक्षक, बूंदी

क्रमांक-एफ( )विकास/उवसं/2025-26/6901 दिनांक-30.07.2025

Notice Inviting Bid

Bid for "Construction of Boundry wall and forest gaurd chauki Work" are invited from interested bidders upto 12.08.2025 (Time 06.00PM) Participants of the bid may visit on procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.

NIB CODE: FOR2526A0903

UBN is-1. FOR2526WSOB01161, 2. FOR2526WSOB01162, 3. FOR2526WSOB01163

(देवेन्द्र सिंह भाटी)
उप वन संरक्षक, बूंदी

DIPR/C/11076/2025

फर्जी वेबसाइट के जरिये करोड़ों के अवैध कारोबार का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

ऑनलाइन गैमिंग पैनल से सट्टा खिलाते थे सटोरिये, करोड़ों का अवैध कारोबार चलाया जा रहा था

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर एक बड़े ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट का पर्दाफाश करते हुए फर्जी वेबसाइट के जरिये करोड़ों का अवैध कारोबार चलाने वाले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- **पुलिस ने मौके से दो लेपटॉप, 33 मोबाइल फोन, 34 अलग-अलग बैंकों के डेबिट कार्ड, तीन चैक बुक, एक बैंक पास बुक आदि बरामद किये**

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि अन्नतपुरा इलाके के फ्लेट नम्बर 903-ए ब्लॉक दीपश्री में कुछ लोग ऑनलाइन गेमिंग व अन्य गेमो पर ऑनलाइन सट्टा चला रहे हैं। शहर एसपी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में अनंतपुरा थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने छापामार कार्यवाही करते हुए हर्षित प्रजापति (24), निखिल सुवालका (23), आकाश मेवाड़ा (27), हितेश प्रजापति (19), ओमप्रकाश (20) व सुरेश देवसी (28) को पकड़ा। पुलिस टीम ने मौके से 2 लेपटॉप मय चार्जर, 33 मोबाईल फोन, 34 अलग-अलग बैंको के डेबिट कार्ड, तीन चैक बुक, एक बैंक पास बुक, सात मोबाईल चार्जर, व अलग-अलग कंपनी की दस सिम कार्ड बरामद किये है। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी फर्जी वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन सट्टा व लूडो गेम खिलाते थे और लोगों को आसान कमाई का लालच देकर उनके पैसे जमा करवाते थे। शहर एसपी ने बताया कि आरोपियों ने पूर्व में महादेव एप जो बन्द हो चूका है उसी के तरह नए एप बनाकर जिसमें प्रमुखतः चिंकु बुक नाम की वेबसाइट तथा अन्य वेबसाइट बनाई जिनके माध्यम से क्रिकेट, फुटबॉल व अन्य प्रकार के गेम्स पर सट्टे की खाईवाली करते हैं तथा लोगों को वाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से लोगों को प्रवंचित कर ऑनलाइन गेम खेलने तथा रूपये जीतने का लालाच देकर साइट पर जोड़ते हैं और वाट्सऐप पर ऑनलाइन गेम खेलने का मैसेज प्राप्त होने पर लेपटॉप से ग्राहक की आईडी बना देते हैं। ऑनलाइन गेम खेलने वाले ग्राहक द्वारा रूपये भेजने पर ऑनलाइन गेम खेलने वाले को कोईन डाल देते हैं। यह चेन सिस्टम की तरह काम करता था और ठगी का पैसा यूपीआई के जरिये बैंक खातों में डलवाते हैं। जब कोई बड़ी राशि जीतता तो उसे पैसे नहीं देते थे। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

ऑनलाइन पैनल पर सट्टा खिलाते छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक :- एफ ( )/निविदा/2025-26/1474, 1475, 1476 दिनांक :- 05/08/2025

NOTCE INVITING BID

NIT No. 21 - 23/ 2025-26

Bids for Production Works Under PMKSY 2.0 project area in block SANCHORE, CHITALWANA AND JASWANTPURA of estimated Value INR 666.01 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 26-08-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB No.	UBN No.
NIT 21/2025-26 SACNHORE	Tanka and Farm Pond	WSC2526A0594	WSC2526WSRC1013
NIT 22/2025-26 CHITALWANA	Tanka with Agor, Rooftop Tanka and Farm Pond	WSC2526A0595	WSC2526WSRC1014
NIT 23/2025-26 JASWANTPURA	Anicut/Pakka checkdam, Farm Pond, Khadin, Amrit Sarovar, Mini Percolation Tank, Percolation Tank, ECD, Sunken Pond and Recharge Shaft	WSC2526A0596	WSC2526WSRC1015

SE & PMWCDC,
ZILA PARISHAD
JALORE

Raj.Samwad/C/25/7847

कार्यालय, अधीक्षक, सामूहिक चिकित्सालय संघ, अजमेर

क्रमांक-1153/लेखा-8/जलानेचि/2025 दिनांक-29.07.2025

ई-बिड सूचना

UBN-MCA2526GLOB00086

ज.ला.नै.चिकित्सालय, अजमेर केन्द्रीय भण्डार के औषधियों की मांग पूर्ति हेतु सर्जिकल आइटम्स का क्रय (अनुमानित लागत 01.00 करोड) योजाफाईड विनिर्मीता/प्राधिकृत डीलर/विपणन एजेण्ट/थोक विक्रेता आदि से ई-बिड आमंत्रित की जाती है। विस्तृत बोली की शर्ते एवं बोली दस्तावेज को वैबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जाकर बिड प्रपत्र डाउनलोड किया जा सकता है।

S.No.	Schedule	Detail
01	Estimated cost	Rs. 100.00 Lacks
02	Tender Fees	Rs. 1000/-
03	RISL Processing Fees through e-Gras Challan	Rs. 2000/-
04	Earnest Money Deposit	Rs. 2,00,000/- (Two Lacks)
05	Bid Publishing Date & Time	30.07.2025 at 2.00 PM
06	Document Download Date and Time	30.07.2025 at 2.00 NOON
07	Pre-Bid Meeting	02.08.2025 at 1.00 PM
08	Document Upload Date and Time	05.08.2025 at 10.00 Am
09	Bid Submission Date & Time	14.08.2025 at 1.00 PM
10	Physical Tender Fees, Processing Fees Challan Copy Submission Date, Time & Venue	On or Before 14.08.2025 Till 04.00 PM Office of The Superintendent,Associated Group of Hospitals, Ajmer
11	Technical Bid Opening Date	18.08.2025 at 04.00 PM

अधीक्षक
सामूहिक चिकित्सालय संघ
अजमेर

DIPR/C/11002/2025

सवारियों से भरी प्राइवेट कंपनी की बस पलटी

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में शुक्रवार की सुबह टोल प्लाजा के पास सवारियों से भरी प्राइवेट कंपनी की बस पलटी खा गई। बस दिल्ली से उदयपुर जा रही थी। ब्रेक फेल होने से आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस में सवार दस यात्री घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक इलाज के लिए कांवटिया हॉस्पिटल भिजवाया गया।

थानाधिकारी नंदलाल ने बताया कि दिल्ली से प्राइवेट कंपनी की बस में करीब तीस से ज्यादा सवारी थी। उदयपुर आते हुए शुक्रवार तडके सवा तीन बजे दौलतपुरा टोल प्लाजा से बस निकलकर चौमूं की ओर आ रही थी। जहां टोल प्लाजा से कुछ दूरी पर ही पुलिया चढ़ते समय अचानक बस का ब्रेक फेल हो गया। बेकाबू होकर बस आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। ट्रक से टकराने के बाद बस पुलिया की ढलान से रिवर्स उतरने लगी। ड्राइवर ने बस को कंट्रोल करने का प्रयास किया। लेकिन रिवर्स चल रही बस पुलिया से दीवार से टकराते हुए पलटी खा गई। इस हादसे के बाद बस में सवार लोगों की चीख-पुकार मचना शुरू हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने राहगीरों की मदद से बस में सवार लोगों को बाहर निकाला। हादसे में चोटिल हुए करीब दस लोगों को घायल हालत में एम्बुलेंस की मदद से कांवटिया अस्पताल भिजवाया गया।

सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर ने किया बठिंडा सैन्य स्टेशनों का दौरा

जयपुर। लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड ने बठिंडा एवं लालगढ़ जट्टान सैन्य स्टेशन का दौरा किया, जहाँ उन्होंने फॉर्मेशन्स की ऑपरेशनल प्रिपेयर्डनेस, प्रशिक्षण गतिविधियों तथा ऑपरेशनल लॉजिस्टिक पहलुओं की समीक्षा की।

■ आर्मी कमांडर ने इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी अब्सॉर्प्शन प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया

आर्मी कमांडर ने ड्रोन एवं काउंटर ड्रोन प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं, अत्याधुनिक प्रशिक्षण अवसंरचना का निरीक्षण किया तथा ड्रोन्स के नवाचारी उपयोग के प्रदर्शन देखे। उन्होंने टास्क-ओरिएंटेड, रीयलिस्टिक ट्रेनिंग पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण उभरती हुई अत्याधुनिक तकनीकों पर आधारित होना चाहिए।

उन्होंने एआई, ड्रोन और साइबर क्षमताओं सहित विशिष्ट प्रणाली को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न लॉजिस्टिक सपोर्ट यूनिटों का दौरा किया, जिनमें ऑटोमेटेड वेयरहाउस एवं विस्फोटक सामान भंडार शामिल थे। आर्मी कमांडर ने इनोवेशन एवं टेक्नोलॉजी अब्सॉर्प्शन प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जिसमें रचनात्मक एवं नवीन विचार प्रदर्शित किए गए थे। उन्होंने इन तकनीकी पहलों की सराहना की और भारतीय सेना के तकनीक-संचालित परिवर्तन में तेजी लाने के लिए और अधिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया। इस अवसर पर उन्होंने सभी रैंकों के साथ बातचीत की और उन्हें आ ान किया कि सभी रैंकों को तकनीकी प्रगति, उभरते साइबर खतरों के नवीनतम रुझानों से खुद को अवगत रखना चाहिए और भौतिक या साइबर डोमेन में किसी भी खतरे के लिए प्रथम रेस्पॉन्डर्स के रूप में कार्य करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने सभी रैंकों के कार्य की सराहना की तथा राष्ट्र के प्रति उनके अडिग संकल्प और अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की।

लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह(बांये से दूसरे) आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड ने बठिंडा एवं लालगढ़ जट्टान सैन्य स्टेशन का दौरा किया।

नर्सिंग स्टूडेंट ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके में एक नर्सिंग स्टूडेंट ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्राइंडर से कमरे का गेट काट शव को फंदे से नीचे उतारा। पुलिस ने महात्मा गांधी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। इधर मृतक के पिता की ओर से अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। थानाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि भीलवाड़ा के शाहपुरा हाल आरके पुरम सीतापुरा निवासी प्रियांशु चावला (22) ने फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या की है। जो यहां किराए से रहकर प्राइवेट कॉलेज से नर्सिंग की पढ़ाई कर रहा था। नर्सिंग स्टूडेंट प्रियांशु ने अपने कमरे में देर रात चद्दर का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली, सुबह परिजनों के फोन करने पर प्रियांशु से बात नहीं हो पाई। जिस पर मकान मालिक को फोन कर प्रियांशु से बात करवाने की कहा गया। मकान मालिक के काफी खटखटाने व आवाज देने के बाद भी प्रियांशु ने गेट नहीं खोला। इस पर पुलिस को सूचना दी गई। अनहोनी के अंदेशे के चलते सूचना पर पहुंची पुलिस ने धक्का देकर गेट खोलने की कोशिश की।

सार-समाचार

विश्व मांगल्य सभा का आयोजन

जयपुर । विश्व मांगल्य सभा, जयपुर के धर्म संस्कृति विभाग द्वारा श्रावण मास के उपलक्ष्य में राम कृष्ण मंदिर, मरुधर नगर, जेडीए पार्क, अजमेर रोड में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना था। इस भजन संध्या कार्यक्रम में उर्मिला राजोरिया रिटायर्ड आई. ए. एस तथा अर्चना शर्मा दद्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। भजन संध्या में विश्व मांगल्य सभा की महिला सदस्यों सहित अनेक महिलाओं में श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया उर्मिला राजोरिया तथा अर्चना शर्मा ने शिव भजनो से सभी उपस्थितजर्जा को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम पूर्ण रूप से सफल और भावविभोर करने वाला रहा। कार्यक्रम में संगठन की अध्यक्ष सुनीता राजोरिया, उपाध्यक्ष नीता बूचरा, सदस्यगण पूजा शर्मा, मंजू शेखावत, वंदना शर्मा, दीपमाला दत्ता, दर्शना बघेल, मोनिका जैन सहित अनेक गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहीं। विश्व मांगल्य सभा के धर्म संस्कृति विभाग का उद्देश्य सफल मातृत्व का निर्माण करना व महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है, और यह कार्यक्रम उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

10 श्रमिकों तक के नियोजन पर संस्थानों को पंजीयन से मिलेगी छूट

जयपुर। प्रदेश में ईज ऑफ डूईंग बिजनस को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम-1958 की धारा-4 के अंतर्गत शिथिलता प्रदान की है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के इस निर्णय से 0 से 10 की संख्या तक श्रमिकों का नियोजन करने वाले संस्थानों को उक्त अधिनियम के अंतर्गत पंजीयन के प्रावधानों से छूट मिलेगी। इससे छोटी दुकानों एवं वाणिज्यिक संस्थानों को व्यापार करने में इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम-1958 को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधित करने के क्रम में प्रस्तावित राजस्थान शॉप्स एण्ड इस्टेबलिशमेंट (रेगुलेशन ऑफ इम्प्लॉयमेंट एण्ड कंडीशन ऑफ सर्विस) एक्ट, 2025 के प्रारूप को प्रशासनिक मंजूरी भी दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत

जयपुर। बिंदायका थाना शुक्रवार दोपहर को ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत हो गई। जानकारी में सामने आया कि अपनी सात साल की बेटी को लेकर मां स्कूल से घर लौट रही थी। इस दौरान रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन से टकराने से उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और आरपीएफ मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जांच अधिकारी पुलिस हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार ने बताया कि इस हादसे में सोडाला के सिविल लाइन निवासी सुशीला सैनी (38) व उसकी बेटी टीपू (7) की मौत हो गई। जो बिंदायका रेलवे स्टेशन के पीछे सरकारी स्कूल में सुशीला सैनी टीचर के पद पर कार्यरत थी। सुशीला सैनी शुक्रवार सुबह बेटी टीपू की तबीयत खराब होने के कारण उसे अपने साथ स्कूल ले आई थी। शुक्रवार दोपहर बाद स्कूल की छुट्टी होने के बाद वह बेटी को लेकर घर जाने के लिए निकली थी। जहां बिंदायका रेलवे स्टेशन के पास बेटी को लेकर मां रेलवे ट्रैक पार कर रही थी। इस दौरान अजमेर की ओर से आई ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटी दोनों की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए दोनों शव को हॉस्पिटल की मोर्चरी में भिजवाया। वहीं ट्रैक पर शव पड़े होने के चलते एक्सप्रेस ट्रेन और वंदे भारत कुछ देर के लिए ट्रैक पर खड़ी रही। इसके अलावा इससे कई ट्रेनें प्रभावित भी रही।

नौकरी के बहाने मिलने बुलाकर महिला दुष्कर्म

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके में परिचित युवक ने नौकरी के बहाने मिलने बुलाकर एक महिला दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर पीडिता को अश्लील फोटो को वायरल करने की धमकी भी दी। इस संबंध में थाने में पीड़ित महिला ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।पुलिस ने बताया कि बूंदी की रहने वाली महिला ने मामला दर्ज करवाया है कि परिचित होने के कारण आरोपित से उसकी बातचीत थी। आरोप है कि बातचीत के दौरान आरोपित ने नौकरी के बहाने उसे मिलने बुलाया और फिर मिलने जाने पर काम के बहाने वाटिका ले गया। वहां ले जाकर आरोपित ने उसके साथ जबरदस्ती की।विरोध करने पर धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म कर उसके अश्लील फोटो मोबाइल में खींच लिए। इस बारे में किसी को बताने पर अश्लील फोटोज को वायरल करने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित महिला के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

'बिना किताबों के टेस्ट देने को मजबूर सरकारी स्कूलों के छात्र'

जयपुर। राजस्थान के सरकारी स्कूलों में पहली से छठी कक्षा तक के छात्रों को डेढ़ महीने बाद भी पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध न होने पर जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने गहरी चिंता व्यक्त की है। शिक्षा विभाग की लापरवाही और देरी के कारण लाखों छात्र बिना किताबों के पढ़ाई करने को मजबूर हैं, जिसका सीधा असर उनकी शैक्षिक प्रगति पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, "शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मूलभूत अधिकार है, और यह बेहद चिंताजनक है कि सरकारी स्कूलों में डेढ़ महीने बाद भी किताबें उपलब्ध नहीं हैं। जिन स्कूलों में किताबें पहुंची हैं, वहां भी केवल 50 बच्चों को ही अधूरी पाठ्यपुस्तकें मिली हैं। शिक्षा विभाग की इस लापरवाही का खामियाजा हमारे बच्चों को भुगतना पड़ रहा है, जो 18 से 20 अगस्त तक होने वाले पहले टेस्ट के लिए बिना किताबों के तैयारी करने को मजबूर हैं। कई स्कूलों में बच्चों को ऑनलाइन लिंक से अध्याय डाउनलोड करने की सलाह दी गई है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और संसाधनों की कमी के कारण अव्यवहारिक है। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, राजस्थान सरकार से तत्काल मांग करता है कि: सभी सरकारी स्कूलों में तुरंत पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएँ। किताबों की कमी को दूर करने के लिए आपातकालीन उपाय किए जाएँ और भविष्य में ऐसी लापरवाही से बचने के लिए समयबद्ध योजना बनाई जाए।

'राजस्थान के व्यापार और आमजन पर गहराते संकट की आहट'

जयपुर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने का फैसला-जो अब कुल मिलाकर 50 हो चुका है-न केवल राष्ट्रीय व्यापार को झटका देगा बल्कि राजस्थान जैसे निर्यातक राज्यों के व्यापारियों और उपभोक्ताओं पर भी गंभीर असर डालेगा। ऑल राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन(आरितया)के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि इससे राजस्थान के व्यापारियों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा उनके औद्योगिक उत्पादों की मांग में गिरावट व प्रदेश के मार्बल, हैंडीक्राफ्ट,टेक्सटाइल, मसालों, जेम्स-ज्वेलरी और इंजीनियरिंग गुड्स का बड़ा हिस्सा अमेरिका में निर्यात होता है। अब अतिरिक्त टैरिफ के कारण ये वस्तुएं अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा से बाहर हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि छोटे और मध्यम व्यापारियों की कमर टूटेगी क्षेत्र पहले ही कच्चे माल और ट्रांसपोर्ट की लागत से जूझ रहा है। अब टैरिफ के दबाव से अमेरिकी ऑर्डर रद्द होने या स्थगित होने की पूरी आशंका है, जिससे हज़ारों व्यापारिक इकाइयाँ संकट में आ सकती हैं। खंडेलवाल ने कहा कि इससे प्रभावित व्यापारियों को नए बाजार खोजना चुनौतीपूर्ण होगा अमेरिका के स्थान पर नया बाजार ढूंढना आसान नहीं है। ट्रेड रिलेशन, भुगतान की सुरक्षा और लॉजिस्टिक लागत बड़ी रुकावट हैं।

'रक्षासूत्र में होता है बहनों का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री निवास पर शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आई बहनों ने राखी बांधी। इस दौरान शर्मा की धर्मपत्नी गीता शर्मा भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में भाई-बहन का रिश्ता बहुत स्नेहपूर्ण होता है।

बहन अपने भाई की दीर्घायु और उन्नित के लिए ईश्वर से सदैव प्रार्थना करती है। उन्होंने कहा कि बहनें सावन माह के अंत में मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की कई दिनों पूर्व से ही पूर्ण उत्साह और उमंग के साथ तैयारियां करती हैं।

शर्मा ने कहा कि बहनों द्वारा बांधी गई राखी मेरा मजबूत सुरक्षा कवच है। इस रक्षासूत्र में बहनों का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद है, जिससे मुझे और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करने की ताकत मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश की सभी बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन की

■ रक्षाबंधन पर बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन की यात्रा निःशुल्क : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी है।

शर्मा ने कहा कि हमारी बहनें विभिन्न भूमिकाओं में देश और प्रदेश की उन्नित में अपना योगदान दे रही हैं। उन्होंने आ ान किया कि सभी बहनें पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने के साथ ही सामाजिक सरोकारों से भी जुड़े।

मुख्यमंत्री को राखी बांधने के दौरान बहनों के चेहरों पर खुशी और उत्साह नजर आया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर आकर ऐसा महसूस हो रहा है कि हम अपने भाई को राखी बांधने मायके आई हैं। उन्होंने प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और विभिन्न योजनाओं के संचालन के लिए मुख्यमंत्री शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर रक्षाबंधन पर्व के पारंपरिक लोकगीत भी गाए गए।

मुख्यमंत्री ने संस्कृत दिवस पर दी शुभकामनाएं

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संस्कृत दिवस (श्रावण पूर्णिमा) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि संस्कृत विश्व की सबसे

■ संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति और संस्कारों की अभिव्यक्ति

प्राचीन भाषा होने के साथ ही अनेक भाषाओं की जननी भी है।

वेदों की ऋचाओं से लेकर पतंजलि योग-सूत्र तक समस्त प्राचीन ज्ञान संस्कृत की ही देन है। संस्कृत भारतीय संस्कृति और संस्कारों की अभिव्यक्ति है। इसीलिए कहा गया है 'भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा'।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को संस्कृत सम्भाषण के लिए प्रेरित करते हुए उनसे इस महान धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेने का आव्हान किया।

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर ने 'राना दिवस' घोषित कर बढ़ाया राजस्थानियों का मान

जयपुर। राजस्थानी-अमेरिकी समुदाय द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदानों को मान्यता देते हुए, न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने आधिकारिक रूप से बीती छह अगस्त को राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (राना) दिवस घोषित किया। यह ऐतिहासिक घोषणा न्यूयॉर्क सिटी हॉल में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान की गई।यह आयोजन राना की सिल्वर जुबली (25वीं वर्षगांठ) के उपलक्ष्य में हुआ, जिसमें समुदाय की सांस्कृतिक सेवा, परोपकारी कार्यों और नेतृत्व को रेखांकित किया गया। इस समारोह में अमेरिका भर से निर्वाचित अधिकारी, राजनयिक, सामुदायिक नेता और विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इसमें मेयर एरिक एडम्स ने राना को व्यक्तिगत रूप से किया सम्मानितअपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद, मेयर एरिक एडम्स स्वयं समारोह में उपस्थित हुए। राना अध्यक्ष प्रेम भंडारी ने इसे दुनिया भर के 20 लाख से अधिक राजस्थानी मूल के लोगों और भारत के लगभग 10 करोड़ राजस्थानवासियों के प्रति गहरी श्रद्धा का प्रतीक बताया।मेयर एडम्स ने

■ यह आयोजन राना की सिल्वर जुबली (25वीं वर्षगांठ) के उपलक्ष्य में हुआ

राजस्थानी-अमेरिकी समुदाय द्वारा न्यूयॉर्क की बहुसांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने के प्रयासों की सराहना की और को 25 वर्षों की सेवा एवं सांस्कृतिक नेतृत्व के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्ति और शहर के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं घोषणा समारोह में मेयर कार्यालय के शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे। उप आयुक्त दिलीप चौहान, मेयर का अंतर्राष्ट्रीय मामलों का कार्याल यपादरी गिलफोर्ड मोनरोस, आस्था सलाहकार एवं कार्यकारी निदेशक, मेयर कार्यालय आयुक्त ऐसाटा कैमारा ने मेयर एडम्स की ओर से राना अध्यक्ष प्रेम भंडारी और डॉ. रेखा भंडारी को आधिकारिक उद्घोषणा सौंपी।घोषणा की व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले उप आयुक्त दिलीप चौहान ने कहा कि मेयर एरिक एडम्स और न्यूयॉर्क सिटी की ओर से मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि 6 अगस्त को आधिकारिक रूप से 'राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका डे' घोषित किया गया है। यह सिर्फ राजस्थानी समुदाय का ही नहीं, बल्कि पूरे न्यूयॉर्क शहर के 85 लाख लोगों का उत्सव है। पिछले 25 वर्षों से राना ने संस्कृति, सेवा और समुदाय को बढ़ावा दिया है। न्यूयॉर्क और वैश्विक राजस्थानी प्रवासी समुदाय के बीच सेतु बनाते हुए कई महत्त्वपूर्ण आयोजन एवं कार्य किए हैं।इस समारोह में राना के संस्थापक, पूर्व अध्यक्ष, बोर्ड सदस्य और समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

वर्ष 2003 में के .के. मेहता के नेतृत्व में पहले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के बाद राना एक वैश्विक सांस्कृतिक मंच बन गया। इसके बाद न्यूयॉर्क में 2006, 2010 और 2014 में तीन और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन हुआ, जिनमें हजारों की संख्या में प्रवासी राजस्थानी शामिल हुए। इस संगठन की यात्रा की शुरुआत बीआईटीएस पिलानी के साथ मिलकर वर्षा जल संचयन परियोजना से हुई।

संस्कृत साहित्य ने दी थी स्वतंत्रता संग्राम को वैचारिक चेतना : प्रो. त्रिपाठी

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में पहली बार संस्कृत दिवस का भव्य आयोजन शुक्रवार को समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। समारोह में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में संस्कृतज्ञों की भूमिका पर व्याख्यान हुआ। संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. ज्योत्स्ना वशिष्ठ ने बताया कि मुख्य वक्ता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी रहे। उन्होंने कहा कि कालिदास के अभिज्ञान शाकुंतल और गीता जैसे संस्कृत ग्रंथों के यूरोपीय भाषाओं में अनुवाद ने भारतीय समाज में सांस्कृतिक चेतना का संचार किया, जिसने स्वतंत्रता संग्राम को वैचारिक आधार दिया। उन्होंने दामोदर सातवलेकर, अरविंद, क्षमा राव और राहुल सांकृत्यायन जैसे संस्कृतज्ञों के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और नेताजी सुभाषचंद्र बोस पर संस्कृत विद्वानों ने विशाल साहित्य लिखा। समारोह के मुख्य अतिथि जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने संस्कृत में नवाचार, शोध और रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इसे आधुनिक युग में भी अत्यंत प्रासंगिक भाषा बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि संस्कृत भारतीय भाषाओं की जननी है और यह कभी विलुप्त नहीं हो सकती क्योंकि यह सभी भारतीय भाषाओं में अंतर्निहित है।

विश्वविद्यालय में संस्कृत दिवस का भव्य आयोजन शुक्रवार को समारोह पूर्वक संपन्न हुआ।

'ग्लोबल वैकल्पिक बाजार तलाशने की करनी होगी पहल'

जयपुर। भाजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश संयोजक, ज्वैलर्स एसोसिएशन उपाध्यक्ष, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष उद्योगपति राजू मंगोड़ीवाला के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का भारत के उद्योग जगत के साथ आगामी समय में अमेरिकी बाजारों व अर्थव्यवस्था पर भी असर देखने को मिलेगा। टैरिफ के बाद जब अमेरिका में महंगाई चरम पर होगी, तब अमेरिकी लोग ट्रंप सरकार का विरोध करेंगे। ट्रंप को दबाव में टैरिफ को कम करना पड़ेगा, क्योंकि ट्रेड वॉर अभी भी किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं होता है। भारतीय बाजार व कारोबारी जमीन ज्वैलरी इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं और ज्वैलरी पर 50 फीसदी टैरिफ बढ़ाना, उद्योग को बड़े संकट के दौर से गुजरने वाला समय है।

मुहाना सब्जी मंडी में बायो-सीएनजी प्लांट की स्थापना को दी स्वीकृति

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुहाना फल एवं सब्जी मंडी में जैविक कचरे के प्रबंधन हेतु एक अत्याधुनिक बायो-सीएनजी संयंत्र स्थापित करने की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना से मंडी में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले फल और सब्जी के जैविक अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से उपचार कर उसे कम्पोस्ट और बायो-सीएनजी में परिवर्तित किया जा सकेगा। इस संयंत्र की स्थापना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) मॉडल के तहत की जाएगी। 27 करोड़ रूपये की इस परियोजना की सम्पूर्ण लागत भारत सरकार के उपक्रम वैपकोस लिमिटेड द्वारा वहन की जाएगी।

यह संयंत्र प्रतिदिन 100 टन जैविक कचरे को प्रोसेस कर 5 टन कम्पोस्ट एवं बायो-सीएनजी उत्पन्न करेगा। संयंत्र की निर्माण अवधि 7 माह निर्धारित की गई है और यह 10 वर्षों तक वैपकोस लिमिटेड द्वारा संचालित किया जाएगा, जिसके बाद इसकी संपत्ति संबंधित मंडी समिति को हस्तांतरित कर दी जाएगी। इस परियोजना के लिए भूमि एवं जैविक कचरा मंडी समिति द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना से हरित ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ सालाना कचरा संग्रहण व परिवहन में खर्च हो रही लगभग 48 लाख रूपये की राशि की बचत भी अनुमानित है।

स्वच्छ भारत मिशन, ठोस कचरा प्रबंधन विनियम-2016 और जल शक्ति मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की गई इस पहल से न केवल मंडी परिसर की स्वच्छता और हाइजीन में सुधार होगा। बल्कि खुले में कचरा डालने से उत्पन्न दुर्गंध, कीट-पतंगों और पर्यावरण प्रदूषण पर भी अंकुश लगेगा।

सी.आई.एस.एफ. के अधिकारियों-जवानों ने स्कूली छात्राओं से रक्षा सूत्र बंधवाये

जयपुर। भाई-बहन के अटूट स्नेह और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। शुक्रवार को जयपुर के आमेर में कुंडा के पास स्थित सीआईएसएफ की आठवीं बटालियन में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। बटालियन के कमांडर वरिष्ठ कमांडेंट बीआर ढाका की अगुवाई में सीआईएसएफ के अधिकारियों और जवानों ने स्कूली छात्राओं और ब्रह्मकुमारी बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाकर रक्षा का वचन दिया। स्कूली छात्राओं ने सीआईएसएफ के अधिकारियों और जवानों के तिलक लगाकर राखी बांधी और मिठाई खिलाई।

सीआईएसएफ आठवीं बटालियन के अधिकारियों जवानों ने राखी पर प्रेम और सुरक्षा का संकल्प लेकर संदेश दिया कि हर बहन-बेटी की सुरक्षा का प्रण ले। स्कूली छात्राओं और ब्रह्मकुमारी बहनों ने देश की रक्षा करने वाले जवानों अधिकारियों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की कामना की अधिकारियों- जवानों ने बालिकाओं को उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन कार्यक्रम में वाहिनी के वरिष्ठ कमांडेंट और अधिकारियों जवानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

■ स्कूली छात्राओं ने सीआईएसएफ के अधिकारियों और जवानों के तिलक लगाकर राखी बांधी और मिठाई खिलाई

वाहिनी के कमांडर वरिष्ठ कमांडेंट बीआर ढाका ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल आठवीं आरक्षित वाहिनी जयपुर की ओर से सभी देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह त्यौहार हमारे भारतीय संस्कृति की उन सुंदर परंपराओं में से एक है, जो भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास और एक-दूसरे की सुरक्षा के वचन को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाता है। आठवीं आरक्षित वाहिनी जयपुर में वाहिनी के नजदीकी विद्यालयों की छात्राओं और संस्था ब्रह्मकुमारी बहनों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया।

वरिष्ठ कमांडेंट ने बताया बताया कि रक्षा बंधन का पावन धागा सिर्फ रेशम का नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, विश्वास और अपनापन का अटूट बंधन है। जब बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है, तो वह न केवल उसकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती है, बल्कि यह भरोसा भी करती है कि भाई हमेशा हर परिस्थिति में उसकी रक्षा और सम्मान के लिए खड़ा रहेगा।

उन्होंने बताया कि आज के समय में रक्षा बंधन का संदेश केवल भाई-बहन के रिश्तों तक सीमित नहीं है। यह पर्व हमें समाज में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और समान अधिकार सुनिश्चित करने की प्रेरणा देता है।

आमेर में कुंडा के पास स्थित सीआईएसएफ की आठवीं बटालियन में रक्षाबंधन का पर्व मनाया ।

'क्या मौके पर बनाई जा सकती है सेशन कोर्ट की बहुमंजिला बिल्डिंग'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर में नए कोर्ट कॉम्प्लेक्स से जुडे मामले में राज्य सरकार को कहा है कि वह चिन्हित की गई जगह के पट्टे जारी करे। वहीं वर्तमान में कोर्ट भवन के आसपास खाली पडी जमीन के विकल्प को भी देखें। अदालत ने महाधिवक्ता से पूछा है कि क्या महानगर द्वितीय कोर्ट की तरह महानगर प्रथम की बिल्डिंग को भी बहुमंजिला बनाया जा सकता है। अदालत ने महाधिवक्ता को इसके लिए छह सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा व संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश दीनदयाल खंडेलवाल व अन्य की जनहित याचिका पर दिए।सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने अदालत को नए कोर्ट कॉम्प्लेक्स के लिए दो लोकेशन को चिन्हित करने की जानकारी दी। इस पर खंडपीठ ने कहा कि बनीपार्क स्थित मौजूदा कोर्ट परिसर को ही बहुमंजिला क्यों नहीं बनाया जा सकता।

Turning Pages, Touching Hearts

National Book Lovers Day is a heartfelt tribute to those who find joy, comfort, and adventure within the pages of a good book. It's a day to unplug from screens and dive into stories that spark imagination, broaden perspectives, and nurture lifelong learning. Whether it's fiction or nonfiction, poetry or prose, books hold the power to transport us to distant lands or bring clarity to our own lives. Today, readers everywhere celebrate their literary companions and the timeless magic of reading, one chapter, one page, one word at a time.

#MEGHADOOT

A Journey of Love, Longing, and Beauty

Exploring Kalidasa's Meghadoot!

Meghadoot (The Cloud Messenger) is one of the most celebrated lyrical poems in classical Sanskrit literature, composed by the great poet Kalidasa. The poem tells the poignant story of a Yaksha, a celestial being, who has been exiled by his master and separated from his beloved wife. Filled with deep longing, the Yaksha implores a passing cloud to carry a message of love and yearning to his distant spouse. Through exquisite imagery and emotional depth, Kalidasa explores themes of separation, devotion, and the beauty of nature.

The Opening Verse: Setting the Emotional Tone

The poem begins with a touching invocation to the cloud:

कश्चित् कान्ताविरहगाहितजलधिपुत्र इंदुर्दूतो
वात्सल्यं परमं मां विजानिहि तेषां तु सौम्यलक्षणम् ।।

This verse translates roughly as, "A certain cloud, sent as a messenger by a husband separated from his beloved, the son of the ocean (the cloud), kindly recognize in me the utmost affection and gentle qualities of those lovers." Here, the Yaksha acknowledges the cloud's majestic origin from the ocean and requests it to understand and convey the deep love that binds him and his wife despite their separation. This opening line sets a tender and hopeful mood, framing the cloud as a compassionate and trustworthy carrier of love.

The Joyful Reunion: The Yaksha Embraces the Cloud

Later in the poem, Kalidasa vividly describes the Yaksha's joyful reunion with the cloud. The verse reads:

सहस्रशः शतशश्च कण्ठकृत्य च वरान्निभाः।
हृष्टः साक्षात्कृत प्रीत्या मेघश्च यथा सखेन्द्रयः ।।

This translates to the Yaksha embracing the cloud with immense happiness, as if reunited with a dear friend after a long time apart. His joy is multiplied thousands and hundreds of times over. The warmth and affection with which the cloud is welcomed emphasize its role as a beloved companion and trusted messenger. This emotional reunion underscores the theme of connection and loyalty in the face of adversity.

The Cloud's Gentle Majesty: A Vivid Description

Kalidasa further adorns the poem with a rich and sensory description of the cloud's appearance:

अलिप्तं मृदुभाषिणीं मधुरं मधुवदनां
मधुराशिषं मधुकरं मधुजिह्व मधुसूदनम्।
मधुरं मधुविधूरं मधुनीलं मधुकैटभम्
मधुलोलुप्तकुसुमं मधुरं मधुकान्तारम् ।।

The Yaksha marvels at the cloud, describing it with honey-related imagery to emphasize its sweetness, purity, and nurturing nature. Words like 'soft-speaking,' 'honey-faced,' and 'bee-like' paint a picture of a gentle, life-giving presence that brings rain and sustenance. The cloud's colour is depicted as deep honey-blue with touches of yellow and black, evoking natural beauty and vitality. The repeated use of 'madhu' (honey/sweetness) symbolizes not only the cloud's physical grace but also its essential role in nourishing the earth, much like the cloud's mission to nourish the Yaksha's emotional longing by delivering his message.

Kalidasa's Meghaduta remains a masterpiece of lyrical poetry that beautifully intertwines human emotions with the grandeur of nature. Through the heartfelt verses describing the Yaksha's love, his joyful meeting with the cloud, and the cloud's gentle majesty, the poem captures the universal themes of love, separation, hope, and renewal. The cloud becomes more than just a messenger; it is a symbol of connection, compassion, and life itself.

Untold Raksha Bandhan Stories

According to the Mahabharata, one time when Lord Krishna was flying a kite, he cut his finger. Seeing this, Draupadi immediately tore a piece of cloth from her saree and tied it around his finger. Touched by her action, he promised to protect her. As we all know, he came through with that promise when her husbands lost in a gamble in King Dhritrashtra's court. Through their actions, the Krishna and Draupadi Rakhi story's meaning reveals how true devotion and protection define the festival of Raksha Bandhan.

● Verna Mohon

Raksha Bandhan is more than just a festival-it's a heartfelt celebration of the unbreakable bond between siblings, marked by the simple yet powerful act of tying a rakhi. This tradition, rooted in love, protection, and togetherness, has been cherished for centuries and carries deep significance in Indian culture. But what truly brings the spirit of Raksha Bandhan alive are the timeless Raksha Bandhan stories passed down through generations. These tales not only add magic to the festival but also help us understand its depth, values, and rich history. Dive into our collection of 10 fascinating stories for Rakhi 2025 and rediscover the festival like never before.

Stories Associated With Rakhi

THE VARIOUS LESSER-KNOWN RAKSHA BANDHAN STORIES THAT YOU SHOULD KNOW ARE HERE.

1. Indrani Tying A Rakhi To Her Husband Indra

In Hindu mythology, it's believed that the first rakhi was tied to a husband and not a brother. Indra's wife, Sachi, consulted Lord Krishna during a war between the gods and demons. He gave her a holy cotton bracelet to tie around Lord Indra's wrist to protect him from all evil. The story proves the power of the holy thread and that the festival is not exclusive to a brother-sister bond. This is one of the inspiring Rakhi stories from Indian mythology that highlights the deeper significance and protective power of Raksha Bandhan beyond traditional relationships.

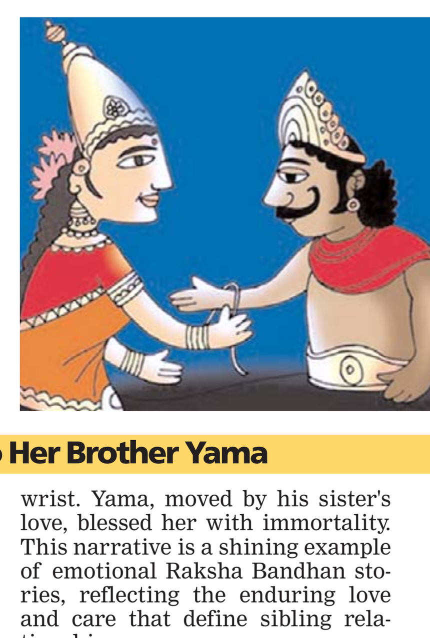

2. Yamuna Tying A Rakhi To Her Brother Yama

Yamuna, Yama's sister, was sad when her brother didn't visit her for around 12 years. On a gentle reminder by Ganga, when Yama decided to visit his sister, she was so happy that she prepared a grand meal for him and tied a rakhi on his wrist. Yama, moved by his sister's love, blessed her with immortality. This narrative is a shining example of emotional Raksha Bandhan stories, reflecting the enduring love and care that define sibling relationships.

#RAKHI

3. Lord Krishna Promising To Protect Draupadi

According to the Mahabharata, one time when Lord Krishna was flying a kite, he cut his finger. Seeing this, Draupadi immediately tore a piece of cloth from her saree and tied it around his finger. Touched by her action, he promised to protect her. As we all know, he came through with that promise when her husbands lost in a gamble in King Dhritrashtra's court. Through their actions, the Krishna and Draupadi Rakhi story's meaning reveals how true devotion and protection define the festival of Raksha Bandhan.

4. Goddess Laxmi Tying The Sacred Thread To Lord Bali

According to Vishnu Purana, Bali, a devotee of Lord Vishnu, asked him for protection. Lord Vishnu accepted his request and stayed with him in disguise as a doorman. Back home, Goddess Laxmi, his wife, missed him and went to Bali in disguise as a woman seeking shelter. When Bali opened his doors to her, she returned the favour by tying a coloured cotton thread on his wrist for his protection. When Bali asked her what she wanted as a gift in return, Laxmi asked to grant leave to her husband, who now revealed his identity. As Laxmi was now his sister, and he had made the promise to grant her wish, he agreed. This is one of the prominent mythological stories behind Raksha Bandhan, reflecting the deep-rooted promise of love and lifelong protection between brothers and sisters.

5. The Birth Of Santoshi Ma

Among the fascinating Indian festival stories for Raksha Bandhan is the tale of Mansa tying a rakhi to her brother Ganesha. Witnessing this, Ganesha's sons, Shubh and Labh, wished to celebrate the festival too and requested a sister. Granting their wish, Lord Ganesha created a daughter from fire. Thus, Santoshi Ma was born, enriching the tradition of Raksha Bandhan.

6. Lord Krishna Advises King Yudhishthira To Tie A Rakhi

Before the war of Kurukshetra, King Yudhishthira was worried about his brothers, the Pandavas. He sought Lord Krishna's advice on how to protect all his brothers from the impending doom. Lord Krishna advised him to perform a ceremony, where on the full moon day of the month Shravana, a priest will tie a rakhi around his right wrist for protection. This ritual, rooted in ancient tradition, is just one among many untold Rakhi legends that highlight the festival's deep cultural significance.

7. Roxana Saved Her Husband's Life By Sending A Rakhi

Among the real Raksha Bandhan stories in history, one stands out from the battle of Hydaspes. Roxana, Alexander's wife, sent a rakhi to Porus, requesting him not to harm Alexander. On the battlefield, seeing the rakhi on his wrist, Porus honoured her plea and refrained from attacking Alexander. Though Porus lost, he earned Alexander's respect, who appointed him governor and granted him more land.

8. Queen Karnavati Sent A Rakhi To Emperor Humayun

When Rani Karnavati of Chittor was ruling her kingdom, it was attacked by Bahadur Shah of Gujarat. The Queen was looking for support from other kingdoms. She sent a rakhi and requested protection from Humayun, who himself was in the middle of a battle. On receiving the letter, Humayun left everything and went to Mewar. Sadly, he arrived too late, and the Rajput family was defeated. According to the custom, Rani Karnavati performed Jauhar to save her dignity. But true to his promise, Humayun later defeated Bahadur Shah Zafar and restored the kingdom to her eldest son, Vikramjeet. This tale remains one of the most emotional Raksha Bandhan stories, highlighting the deep bond and sense of duty that the festival represents.

9. Maharani Jindan Sought Refuge In Nepal

One of the inspiring Raksha Bandhan stories with a moral is about Maharani Jindan, wife of Maharaja Ranjit Singh. When the Sikh Empire fell to the British in 1849, she sent a rakhi to Jung Bahadur, the ruler of Nepal, seeking protection. Honoring the sacred bond, Jung Bahadur gave her refuge and safeguarded her. This story teaches that the spirit of Raksha Bandhan goes beyond blood relations, highlighting the values of trust, compassion, and fulfilling promises.

10. Rabindranath Tagore Started The Rakhi Mahotsav In Bengal

The Raksha Bandhan history is deeply connected with the Partition of Bengal in 1905. During the partition, Rabindranath Tagore started Rakhi Mahotsav to strengthen the bond between Hindus and Muslims of Bengal. He encouraged them to support each other and protest against the Britishers together. Continuing that tradition, the people of West Bengal tie a rakhi to their neighbours and close friends. It is a symbol of love, mutual respect, and brotherhood.

It is difficult to pinpoint exactly when the tradition of Raksha Bandhan started, but we can be sure of one thing, it is about the strong bond between people observing the ceremony. Rakhi can be celebrated

among siblings, partners, or even neighbours. Although nowadays, we primarily celebrate it as the bond between siblings and their promise to protect and support each other.

rajeshsharma1049@gmail.com

#MEDICINE

Teach Kids How To Swallow Pills

For a child, the thought of swallowing a pill can seem like a big challenge, and the pill may look huge to them.

Pill swallowing can be a difficult skill for kids to learn and parents often struggle on how to help them, but Jennifer Butcher has some pointers. "For a child, the thought of swallowing a pill can seem like a big challenge, and the pill may look huge to them," says Butcher, a pediatric psychologist at the University of Michigan.

"However, parents can remind their child that they swallow bites of food that are much bigger than their pills. Their esophagus (food tube) is also wider than their pills and stretchy to let it slide right down." The trick, according to Butcher? "It's getting the pill into the right spot to slide down, like a water slide rider." She says there are three common mistakes parents make when teaching their kids to take pills.

Forcing them to practice at high pressure times, like when the child has to take a pill in order to get well, allowing their emotions into the situation (which in turn affects the child's stress levels).

Starting their child practicing with something too large that makes them feel that they can't do it, leading to them losing confidence. Butcher also says parents of children with development delays or feeding and/or swallowing issues should seek a professional's help. "They need more help, more time, or different strategies to learn how to do this," she says. "Their parents should talk with their providers to see if there is a child life specialist, speech pathologist, occupational therapist, or pediatric psychologist available to help with this."

This applies to all parents, though, struggling on the pill-swallowing front. "The same is true for any family who tries on their own and fails. More support is always available!" Here, Butcher offers seven easy steps for parents and kids embarking down the pill-swallowing road.

1. PRACTICE FOR ONLY 5 MINUTES AT A TIME

Practice should only be a few minutes at a time, with the goal at the end of each session to have your child feeling more confident each time.

"You don't want to make this something that feels like work to them," says Butcher. She recommends starting and practicing at low pressure times, not when you're in a hurry or trying to squeeze it in. Another tip? Try starting to practice while your child is still on liquid medications. Moving to pills may be easier in the long run (more portable, no refrigeration needed), but at this point, your family can still practice together in a stress-free way.

2. PLAN TO GIVE SMALL REWARD, FOR PRACTICING

Butcher recommends families give their child stickers as a reward for their hard work for learning to swallow pills. "Parents should show confidence that their child can do it and learn it. It just takes practice, and remind your child that they can move as slowly as they need."

3. HAVE THEM SIT UP STRAIGHT IN A CHAIR AND TAKE A SIP OF WATER

To start, have them sit down and drink a sip of water. "You want to teach them that their throat and their tongue are like the water slide and the pill is like the rider," says Butcher. "So, what they want to do is wash the ride down the slide."

4. START WITH A SMALL SPRINKLE

"We usually recommend starting with sprinkles," says Butcher.

Place one tiny sprinkle on the middle of their tongue and then take a drink of water to wash it down. "If they're able to do that, you can move onto slightly larger candy. If they aren't able do that, you stick with that size until they're successful," Butcher says.

5. ONCE SUCCESSFUL, TRY A SLIGHTLY BIGGER CANDY

If they've mastered swallowing the tiny sprinkle, you can either move onto a larger sprinkle or a mini M&M, depending what they're ready for. "Have them practice until they're able to swallow that size a few times."

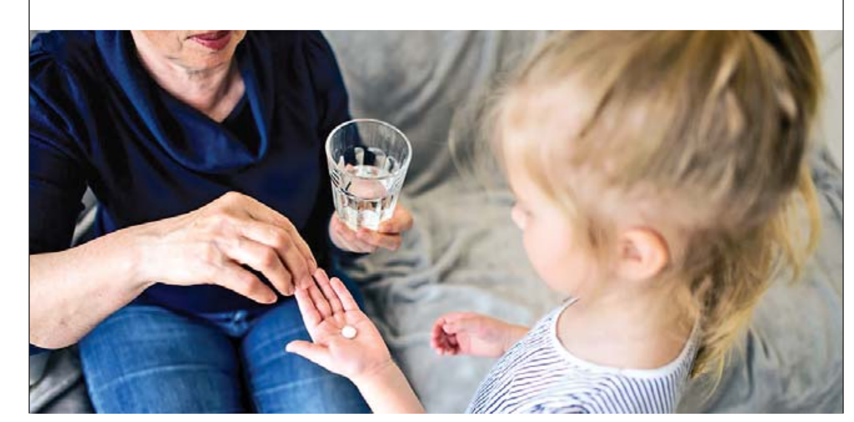

6. ONCE SUCCESSFUL, MOVE KIDS UP TO THE SIZE OF THE PILL THEY NEED TO TAKE

They should gradually move up sizes; no big size leaps, Butcher says. Have them do that a couple more times, says Butcher, as you want them to end feeling good about their skills.

7. IF THEY AREN'T ABLE TO SWALLOW THE NEXT SIZE UP, DON'T FORCE IT

If your child is panicking or not feeling comfortable swallowing the larger candies, remember that this is normal. "Don't force it," Butcher explains. "Instead, have them move back to the last size they were successful at." Starting small and ending on a positive note is critical, she says.

"The idea is that they go back and practice again the next day starting with the size that they were successful with the day before and working up further. So, each time that they practice, they end at a bigger size until they achieve the size of their pill."

THE WALL

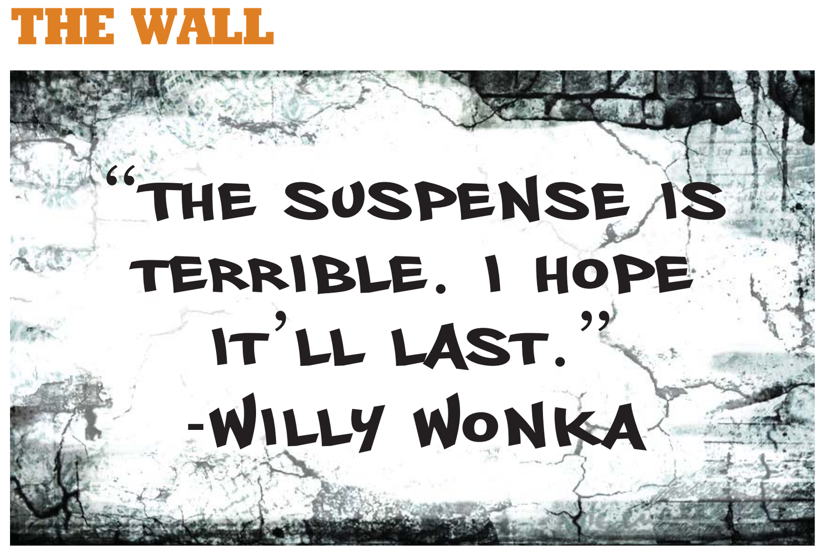

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

मृतक की पत्नी के प्रेमी ने रची थी युवक की हत्या की साजिश, चार गिरफ्तार

दोस्तों को सुपारी देकर युवक की हत्या करवाई, चार जनों को पुलिस ने दबोचा

बूंदी, (निसं)। बूंदी जिले के डाबी थाना क्षेत्र के पराणा गांव के पास चार अगस्त को युवक सोनू सिंह हाड़ा (27) की हुई हत्या के मामले का तीन दिन में ही खुलासा करते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इन आरोपियों में आकाश उर्फ गोल्डी, आशीष उर्फ आशु राठौर, अरमान मोहम्मद व अनिल मीणा शामिल हैं।

■ **पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सोनू सिंह की पत्नी से तीन-चार साल से प्रेम करता था**

पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि इस मामले में पांच अगस्त को भंवरसिंह पुत्र भवानीसिंह राजपूत निवासी गरनारा, थाना नमाना, जिला बूंदी ने रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया गया था कि उनका छोटा भाई सोनू सिंह 7-8 साल से श्रीदेव धर्म कांटा, धोरेला पर काम करता था। उसने डाबी में दीपचंद जैन के मकान में कमरा किराए से ले रखा था। चार अगस्त की रात करीब सवा नौ बजे पर सोनू की पत्नी ने फोन कर बताया कि उसका फोन बंद आ रहा है। इस पर वह गरनारा से डाबी पहुंचा और भाई की तलाश की। तभी उनके पास बुधपुरा निवासी नरेन्द्र पुत्र नंदकिशोर ओड का कॉल आया। इसमें उसने बताया कि उनका भाई सोनू सिंह हाड़ा कराड़ा का पराना में खाली स्टाक पर लहूलुहान हालात में बेहोश पड़ा हुआ है। इस पर वह मौके पर पहुंचे। वहां सोनू बुरी तरह घायल पड़ा हुआ था। उसके शरीर पर जगह- जगह चाकू के घाव थे। सोनू की मोटरसाइकिल व एक मोबाइल मौके पर ही पड़ा हुआ था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि उनके भाई सोनू का 3-4 साल पहले बुधपुरा गांव के अरमान से विवाद हुआ था, इसलिए भंवरसिंह ने अरमान पर अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर भाई की हत्या करने का आरोप लगाया। इस मामले में डाबी थाने में मामला दर्ज कर धर्माराम, थानाधिकारी नमाना द्वारा अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। एसपी ने घटना की गम्भीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया था। एएसपी उमा शर्मा के सुपरविजन व डीएसपी तालेड़ा हेमंत गौतम के निर्देशन में पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्य जुटाकर व गोपनीय जानकारी कर आरोपी अरमान मोहम्मद की तलाश शुरू कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में अरमान ने बताया कि वह सोनू सिंह की पत्नी से तीन-चार साल से प्रेम करता था। सोनू इसका विरोध करता था। इसी बात को इनके बीच रंजिश थी, इसलिए तीन-चार महिने पहले उसके कोटा निवासी दोस्त आकाश उर्फ गोल्डी, आशीष उर्फ आशु राठौर व अनिल मीणा से सम्पर्क कर इन्हें एक लाख रुपए में सोनू सिंह को मारने की सुपारी दी। इसमें से 50 हजार रुपए काम से पहले तथा बाकी 50 हजार रुपए काम होने के बाद देने की बात तय हुई।

इस तरह दिया वारदात को अंजाम :- चार अगस्त को अरमान मोहम्मद ने दोस्त के जन्मदिन की पार्टी के बहाने से कोटा से बुलाया। फिर योजना बना कर तीनों को नियत स्थान पर छुपे रहने को बोला। वहां सोनू सिंह को बुलाया गया। जैसे ही वह वहां पहुंचा पहले आकाश उर्फ गोल्डी व आशीष उर्फ आशु राठौर ने उस पर ताबड़तोड़ चाकूओं से हमला कर दिया। सोनू सिंह ने विरोध किया तो अरमान मोहम्मद ने भी उसके गले पर चाकू से वार किए। वहीं पूर्व योजना के अनुसार अनिल मीणा फरार होने के लिए मोटरसाइकिल लिए तैयार खड़ा था। वारदात के बाद तीनों मोटरसाइकिल पर भाग गए। वहीं अरमान मोहम्मद ने हाइवे के किनारे गोपालपुरा घाटी पर स्थित होटल में उसके दोस्त के जन्मदिन की पार्टी की तथा बाद में फरार हो गया। पुलिस कड़ी मशक्कत कर आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से दबोचा।

पुलिस ने आकाश उर्फ गोल्डी (23) पुत्र ओंकार लाल यादव, बोम्बे योजना, उद्योगपुरी थाना उद्योग नगर, कोटा शहर, आशीष उर्फ आशु राठोर (18) पुत्र शंकर राठोर निवासी बोम्बे योजना, अपना घर, उद्योगपुरी, थाना उद्योग नगर कोटा शहर, अरमान मोहम्मद (25) पुत्र आमिर मोहम्मद निवासी बुधपुरा थाना डाबी जिला बूंदी व अनिल मीणा (18) पुत्र बाबू लाल मीणा निवासी डीसीएम रोड बोम्बे योजना उद्योगपुरी, थाना उद्योग नगर, कोटा शहर को गिरफ्तार किया।

कार्रवाई पुलिस टीम में तालेड़ा थाना अधिकारी अजित बगडोलिया व कांस्टेबल रामचन्द्र, नमाना थाना अधिकारी धर्माराम, एएसआई रोशनलाल, कांस्टेबल मनोज, दलवीर, सुनील व मेहराम, रायथल थानाधिकारी राजाराम, हेड कांस्टेबल रणजीत व कांस्टेबल गिरधारी, डाबी थाने के एएसआई दुर्गालाल गौतम, हेड कांस्टेबल हरीश, कांस्टेबल श्रवणराम व विजय, डीसीआरबी शाखा कार्यालय हाजा के हेड कांस्टेबल टीकम राठौर तथा डीएसटी टीम के एएसआई रणवीर सिंह, कांस्टेबल शैलेन्द्र सिंह, विक्रम, गोपाल लाल व सत्यनारायण शामिल रहे।

अपहरण के आरोपियों की पुलिस ने परेड निकाली

आरसीएम कर्मचारियों के अपहरण के आरोपियों की पुलिस ने परेड निकाली।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की हमीरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित आरसीएम कर्मचारियों के अपहरण के आरोपियों की पुलिस ने परेड निकाली, जिन गलियों में आरोपी अपनी दबंगई दिखाते थे वहीं अब वो माफी मांगते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। ये दोनों बदमाश कन्हैयालाल शर्मा और आशाराम गुर्जर है। इन्होंने आरसीएम कर्मचारियों का किडनैप किया था। पुलिस ने इन्हें दबोचने के साथ ही इनके हौसले पस्त करने के लिए हमीरगढ़ के रीको क्षेत्र में इनकी परेड निकालकर संदेश दिया कि पुलिस आपके साथ है। कोई भी बदमाश या अपराधी कोई वारदात करेगा तो उसका यही अंजाम होगा। थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि आरसीएम कर्मचारियों के अपहरण मामले में इन दोनों को पकड़ा और एक नाबालिग भी निरुद्ध किया गया है।

■ **हमीरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित आरसीएम कर्मचारियों के अपहरण का मामला**

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मारी, एक की मौत

आक्रोशित लोगों ने आगूंचा-बनेड़ा मार्ग अवरुद्ध कर मुआवजे की मांग की

भीलवाड़ा, (निसं)। आगूंचा-हुरड़ा मार्ग के मुशी चौराहे पर गुरुवार देर रात तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में झांतल निवासी अरुण प्रताप उर्फ शेर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। फैक्टरी से काम कर लौट रहे अरुण को एमजी चिकित्सालय भीलवाड़ा में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

■ **पुलिस और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पांच लाख रुपये मुआवजे पर सहमति बनी, जिसके बाद जाम हट सका**

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

घटना से आक्रोशित लोगों ने रात से ही आगूंचा-बनेड़ा मार्ग अवरुद्ध कर मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया, जिससे हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई। पूर्व जिला प्रमुख शक्ति सिंह हाड़ा, कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र रेगर, प्रभु सिंह करणी सेना अध्यक्ष, सुरेंद्र सिंह मोटरास, मुशी सरपंच प्रतिनिधि भागचंद कुमावत, झांतल सरपंच श्याम शर्मा व उपरेड़ा सरपंच ईश्वर सिंह कानावत सहित कई जनप्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर समझाइश की। पुलिस और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पांच लाख रुपये मुआवजे पर सहमति बनी, जिसके बाद जाम हट सका। घटना स्थल पर बनेड़ा, रायला और शाहपुरा थानों की पुलिस तैनात रही।

तबियत बिगड़ने से महिला की मौत

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके में एक महिला की तबियत बिगड़ने से मौत हो गई। मामले में सामने आया कि घर पर खाना खाने के बाद महिला की तबियत बिगड़ गई, जिसे परिजन उपचार के लिये निजि अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होती देख महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिये रैफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टर ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। आरकेपुरम थानाधिकारी महेन्द्र मारू ने बताया कि मृतका संतोष (30) मूल रूप से अयाना थाना क्षेत्र की रहने वाली है जो पिछले कुछ साल से पति व बच्चों के साथ कोटा के आरकेपुरम इलाके में रहकर पति के साथ मकान की चौकीदारी करती थी। थानाधिकारी ने बताया कि परिजनों ने बताया कि खाना खाने के बाद तबियत बिगड़ने पर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टया से तबियत बिगड़ने से मौत का मामला सामने आ रहा है।

अवैध एमडी (मेफेड्रोन) सहित दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए बंगाली पीर बाबा दरगाह भवानीमंडी-डग रोड डग के पास अवैध मादक पदार्थ 150 ग्राम अवैध एमडी (मेफेड्रोन) सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उपनारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति जिले झालावाड़ के डग क्षेत्र से एक पल्सर बाइक से अवैध एमडी (मेफेड्रोन) की तस्करी के लिये जा रहे हैं। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो झालावाड़ डिवीजन के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को रवाना किया गया। गठित टीम के सदस्यों द्वारा संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी गई। टीम ने बंगाली पीर बाबा दरगाह, भवानीमंडी-डग रोड़, डग के पास संदिग्ध वाहन की पहचान की और उसे रोका। टीम को देखकर संदिग्ध व्यक्तियों ने बाइक छोड़कर भागने का प्रयास किया। उपनारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम ने उन्हें पकड़ लिया और तलाशी के दौरान उक्त व्यक्तियों से कुल 150 ग्राम अवैध एमडी (मेफेड्रोन) बरामद हुआ। बुंदेल ने बताया कि टीम ने जिस स्थान पर कार्रवाई को अंजाम दिया वह स्थान बेहद कुख्यात इलाके में था और संदिग्ध व्यक्तियों से नशीले पदार्थ को बरामद करने की कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोग संदिग्ध व्यक्तियों को भगाने के लिए इकट्ठा हो गए। टीम ने मौके पर अवैध एमडी (मेफेड्रोन) को वाहन के साथ जब्त कर लिया गया है और दो व्यक्तियों को नारकोटिक्स ड्रग्स और एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने एमडी (मेफेड्रोन) जब्त की।

बाइक चोरों को लोगों ने पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में नशेड़ियों के चलते बाइक चोरी की घटनायें बढ़ती जा रही है। इनके कारण पांच मिनट भी बाइक को छोड़कर जाना मुश्किल है। ऐसी ही वारदात सुभाष नगर थाना क्षेत्र में हुई, लेकिन इस बार किस्मत नशेड़ियों की अच्छी नहीं होकर बाइक मालिक की निकली। इन बाइक चोरों को पकड़ा साथ ही धुनाई करके इनको सबक भी सिखाया। जानकारी के अनुसार प्रभूलाल धोबी राशन की दुकान पर राशन लेने गया था। इस बीच दो नशेड़ी चोर आए और बाइक लेकर भागने लगे। प्रभूलाल ने देख लिया। प्रभूलाल पकड़ता इससे पहले वे भाग निकले। प्रभूलाल ने अपने बेटे को बताया। वो उनका पीछा करने लगा। वार्ड नंबर आठ स्कूल के आसपास चोरों को देख लिया। चोरों ने बचने के लिए पत्थर फेंकना शुरू कर दिया, लेकिन चोरों की तरकीब काम नहीं आई। प्रभूलाल के बेटे और अन्य लोगों की भीड़ ने चोरों को पकड़ लिया। फिर इनकी धुनाई कर दी। फिर सुभाष नगर थाने में सूचना दी। पुलिस आई दोनों चोरों को पकड़कर ले गए।

मेडिकल स्टोर में भीषण आग लगी

टोंक, (निसं)। जयपुर रोड देवली स्थित बालाजी मेडिकल स्टोर में शुक्रवार सुबह अचानक आग लग गई, जहां आग ने विकराल रूप ले लिया। बाद सूचना के देवली थाना पुलिस और नगर पालिका की दमकल टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जहां दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में स्टोर में रखी दवाइयां, उपकरण और फर्नीचर पूरी तरह जल गये। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। मामले कारणों की जांच हेतु अनुंसधान जारी है। घटना के दौरान मौजूद लोगों ने सूचना देकर मेडिकल स्टोर के मालिक देवकीनन्दन मंगल को बुलाया गया है।

मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया।

कालासर में सोलर कंपनी ने 11 खेतों से खेजड़ी के 372 पेड़ काटे

बीकानेर, (निसं)। यहां कालासर गांव में सोलर कंपनियों के लोगों ने ने एक ही रात में खेजड़ी के 372 पेड़ काट डाले। देर रात 12 बजे से लेकर सुबह चार बजे तक खेजड़ी पर आरी चलती रही। भोर होने पर ग्रामीण अपने खेतों में पहुंचे तो मंजर देख हक्के-बक्के रह गए। कुछ ही देर में खबर आग की तरह फैल गई। बड़ी संख्या में सैकड़ों ग्रामीण पिकअप गाड़ियों में सवार होकर खेतों में निकल पड़े। आस-पास के 11 खेतों में खेजड़ी के पेड़ कटे हुए मिले।

बुजुर्ग ग्रामीण चुन्नीलाल सियाग ने बताया कि यह खेत रामेश्वरलाल, अमानाराम, हुकमाराम, हरीराम, रामंचद्र, राजूराम, मगाराम, हेमराम, तुलछाराम, ओमप्रकाश और लिछमाराम दोहण के हैं। इन ग्रामीणों ने तीन साल पहले ही अपने खेत दलालों को अच्छी कीमत मिलने पर बेच दिए थे। उस वक्त बारानी जमीन के एक बीघा के 1.20 लाख रुपए मिले थे। दलालों ने बाद में सोलर कंपनियों को इससे भी ऊंचे दामों पर बेचे। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में रोज दलाल घूमते थे। घर-घर जाते। खेतों में ढाणियों तक पहुंच जाते। पहले रास्ते के खेत बिके। उसके बाद अंदर के खेत मजबूरी में किसानों को बेचने पड़े, क्योंकि कटान के रास्ते बंद हो गए थे। दलालों का कहना था कि सोलर कंपनी चार दीवारी करेगी। उसके बाद कोई उसमें नहीं जा सकेगा।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में 20 हजार एकड़ से अधिक जमीन एनटीपीसी और टाटा जैसी बड़ी सोलर कंपनियां ले चुकी हैं। सरपंच प्रतिनिधि रामलक्ष्मण गोदारा ने पुलिस और तहसीलदार को सूचना दी। कुछ ही देर में जामसर पुलिस और पटवारी सुमन मौके पर पहुंच गई। कालासर गांव में बुधवार देर रात जिन दस खसरों में खेजड़ी के 372 पेड़ काटे गए हैं वे सोलर की दो कंपनियों के नाम दर्ज हैं। इन दस खसरों में से दो खसरों की लीज राजस्व रिकॉर्ड में केंद्र सरकार की अंडरटेकिंग कंपनी एनटीपीसी के नाम से है। बाकी आठ खसरे टाटा पॉवर सोलर के नाम से दर्ज है। पटवारी सुमन ने बताया कि कटे हुए पेड़ों की सुपुदर्गी ग्रामीणों को दे दी है।

रक्षाबंधन पर रंग-बिरंगी आकर्षक राखियों से सजे बाजार

बून्दी, (निसं)। भाई-बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार इस बार शनिवार को हर्ष और उल्लास से मनाया जाएगा। बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने की तैयारी को लेकर खरीदारी में जुटी हुई है, तो बूंदी शहर में भी राखी बाजार सज गया है, जहां पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने के लिए खरीदारी करने पहुंच रही है। इसी को लेकर बूंदी में राखी बाजार सजाने के साथ ही महिलाएं युवक युवतियां परिवारजन सभी राखी की खरीदारी करने बाजार में पहुंच रहे हैं। भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने को लेकर राखी खरीदने राखी बाजार जो की बूंदी शहर के चौगान गेट पर लगा हुआ है और 12 महीने इस रक्षाबंधन के त्यौहार का इंतजार करने वाली बहनें अपने भाइयों की कलाई के लिए सुंदर और महंगी राखियां भी खरीद रही है।

■ **भाइयों के लिए राखियां खरीदती नजर आई युवतियां व महिलायें**

बूदी के बाजारों में राखी पर्व को लेकर बहनें खरीददारी करती नजर आई।

बूंदी में राखी की अगर बात करें तो इस बार डायमंड वाली राखियां, छोटी राखियां ,बच्चों के लिए डोरेमोन, कार्टून और लाइट वाली राखियां दुकानों पर बिकने के लिए आई हुई है। बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए अपनी पसंद की अच्छी से अच्छी राखी खरीद रही है, ताकि भाई की कलाई पर वह राखी अच्छी भी लगे। बहनें बड़ी खुशी से रक्षाबंधन के इस पर्व को सेलिब्रेट करने की तैयारी को लेकर खरीदारी करने में जुटी हुई है। नारियल, मिठाई या राखी फिर अन्य सभी की खरीदारी करने के लिए बाजार में पहुंच रही है तभी तो बाजार में खरीदारी को लेकर रक्षाबंधन के त्यौहार को देखते हुए भीड़भाड़ का नजारा देखने को मिल रहा हैं।

नहीं रहेगा भद्रा का साया :- रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई की लंबी उम्र और समृद्धि की कामना करते हुए उसकी कलाई पर राखी बांधती है और भाई अपनी बहन को जीवन भर उसकी रक्षा करने का वचन देता है। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं रहने के कारण पूरे दिन भर बहिनें अपने भाइयों को राखी बांध सकेंगी।

राजस्थान रोडवेज ने हर साल की तरह इस साल भी रक्षाबंधन पर महिलाओं और बालिकाओं को बसों में मुफ्त यात्रा की सौगात दी है। रोडवेज प्रबंधक सुनीता जैन ने बताया कि शुक्रवार रात 12 बजे से रविवार रात 12 बजे तक रोडवेज की साधारण और एक्सप्रेस बसों में महिलाएं-बालिकाएं मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। महिलाओं को मुफ्त यात्रा के लिए जीरो राशि के टिकट दिए जाएंगे। यह सुविधा राजस्थान की सीमा के अंतर्गत होगी।

बुजुर्ग महिला पर चाकू से हमला कर लूट

अजमेर, (कासं)। मांगलियावास थाना क्षेत्र में बाइक सवार तीन बदमाशों ने खेत से लौट रही एक बुजुर्ग महिला पर चाकू से हमला कर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश मादलिया तोड़कर मौके से फरार हो गए। पीड़ित बुजुर्ग के बेटे ने थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

■ **बदमाश मादलिया तोड़कर मौके से फरार हो गए**

पीड़िता के बेटे सुखपाल ने बताया कि उनकी मां 80 वर्षीय भंवरी देवी खेत से घर तरफ लौट रही थी, तभी बाइक सवार तीन बदमाश आए और उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने चाकू निकालकर गले पर रखा और मादलिया छीन लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे भंवरी देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बुजुर्ग महिला को तत्काल जेएलएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने भंवरी देवी का उपचार किया गया, पीड़िता की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। मांगलियावास थाना पुलिस ने पीड़ित के बेटे की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

सैलून संचालक पर दिनदहाड़े चाकू और डंडों से हमला

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाषनगर थाना क्षेत्र स्थित यूआईटी चौराहे पर सैलून संचालक पर दिनदहाड़े चाकू और डंडों से हमला किया गया, दुकान में तोड़फोड़ की गई और हजारों रुपये की नकदी भी लूट ली गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम करीब पांच बजे, सुभाषनगर थाना क्षेत्र के यूआईटी चौराहे पर स्थित द सूर्या सैलून के संचालक सुरेश पिता घीसु सेन पर राकेश सेन नामक युवक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर दुकान का गेट तोड़कर अंदर घुसते हुए चाकू से जानलेवा हमला बोल दिया। हमले में उसके बाएं हाथ में गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। साथ आए दोनों युवकों ने डंडों से मारपीट की, पूरी दुकान में तोड़फोड़ की और दुकान से 19,700 रुपए की नगदी भी लूट कर फरार हो गए। आरोपियों ने पीड़ित की मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त कर दी। वारदात के बाद जाते-जाते हमलावरों ने जान से मारने की धमकी दी। घायल सुरेश को ग्राहकों ने एमजी अस्पताल पहुंचाया, जहां हाथ में टांके आए और पीठ व कंधों पर चोटें के गंभीर निशान मिले। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

■ **दुकान में तोड़फोड़ कर हजारों रुपये की नकदी भी लूटी**

युवकों ने सैलून संचालक से मारपीट कर दुकान में तोड़फोड़ कर दी।

सर्पदंश से दो जनों की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडलगढ़ क्षेत्र के रलायता गांव में धोखेबाज सपेरों का आतंक है। वे पहले सांप छोड़ते हैं फिर उन्हें पकड़ने के नाम पर लोगों से अवैध वसूली करते हैं। एक सांप पकड़ने के नाम पर 5-5 हजार रुपए वसूल रहे है। ताजा मामला सामने आया है। यहां एक परिवार में एक व्यक्ति की मौत सांप के काटने से हो गई। फिर उस परिवार ने सपेरों को बुलाया ताकि सांप को पकड़ा जा सके। सपेरे जोगाधर को बुलाया। उसने अपने झोले से दूसरा सांप निकालकर उसे पकड़ना बता दिया और 5500 रुपए ले गया। उसके जाने के एक दो दिन में ही उसी परिवार में एक और युवक की सांप के काटने से मौत हो गई। अब फर्जी सपेरे की तलाश की जा रही है।

सफाई के समाधान की मांग : कोटपूतली में ग्राम तरियाला में सफाई व स्ट्रीट लाईट की समस्या को लेकर निवासियों ने पार्षद उमेश आर्य के नेतृत्व में नगर परिषद एक्सईएन को ज्ञापन सौंपा।

'विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं की महत्ती भूमिका'

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शुक्रवार को युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के मेरा युवा भारत (माय भारत) अलवर के तत्वावधान में युवा संवाद एवं केंद्र प्रवर्तित फ्लैगशिप स्कीमों की जानकारी के संबंध में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर कहाँ कि विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की महती भूमिका है।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सुशासन, विकास एवं अंतिम छोर के व्यक्ति को मुख्य धारा में लाने के लिए सरकारी योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं से आम जन को जोड़ने एवं उनको लाभान्वित कराने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं पारिस्थितिकी संतुलन के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयास रंग ला रहे है जिसके तहत एक पेड मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान अभियान जन-जन का अभियान बन गया है। उन्होंने युवा स्वयंसेवकों से न केवल पौधारोपण करने का बल्कि उनकी देखभाव व संरक्षण करने तथा सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग नहीं करने के प्रति आमजन को जागरूक करने का आव्हान किया। उन्होंने युवाओं से संवाद कर कहा कि देश के सर्वांगीण विकास में युवा देश की रीढ की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार युवाओं को इनोवेशन व नवाचारों के माध्यम से आगे बढाने के नित नए प्रयास कर रही है।

अलवर में 'रक्षा सूत्र बीमा सुरक्षा जागरूकता अभियान' का शुभारंभ

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने 'सबको बीमा अभियान' के अंतर्गत आज जिले में रक्षा सूत्र बीमा सुरक्षा जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया।

■ **अभियान का उद्देश्य सुरक्षा के वचन को आर्थिक सुरक्षा से जोड़ते हुए बीमा के प्रति जनजागरूकता फैलाना है**

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आईआरडीएआई और राजस्थान सरकार के निर्देशों के अनुरूप 'सबको बीमा अभियान 2047' के अंतर्गत आज जिले में रक्षा सूत्र बीमा सुरक्षा जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला कलक्टर को विद्यालयी छात्राओं द्वारा रक्षा सूत्र बाँधकर अभियान का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के संयुक्त निदेशक ने जिला कलक्टर को एक विशेष उपहार स्वरूप राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कदर नंगला के सभी विद्यार्थियों की बीमा पॉलिसी सौंपी। जिला कलक्टर ने कहा कि अभियान का उद्देश्य सुरक्षा के वचन को आर्थिक सुरक्षा से जोड़ते हुए बीमा के प्रति जनजागरूकता फैलाना है। जिस प्रकार भाई अपनी बहन को रक्षाबंधन पर सुरक्षा का वचन देता है, उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए बीमा के माध्यम से जीवन की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। उन्होंने राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के संयुक्त निदेशक को बीमा सुरक्षा के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि बीमा योजनाओं के प्रति विद्यार्थियों, अभिभावको एवं समाज में जन जागरूकता लाने हेतु विभागीय समन्वय से कार्यक्रम आयोजित किए जाएं राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. संजीव कुमार दास ने बताया।

15 अगस्त को शहर में गढ़ की पडस से निकाली जाएगी विशाल तिरंगा यात्रा

बूंदी। भाजपा कार्यालय पर शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी आवाज पर चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान, तिरंगा यात्रा एवं विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को लेकर जिला स्तरीय बैठक का जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा की अध्यक्षता में आयोजन हुआ। बैठक में जिले के सभी मंडल अध्यक्ष, संयोजक और सहसंयोजको के साथ ने भाग लिया एवं आगामी कार्यक्रमों को जिले भर में पूरे उत्साह से करवाने का संकल्प लिया। जिला संयोजक भरत शर्मा ने बताया कि 11व 12 अगस्त को प्रत्येक मंडल के बूथ, शक्ति केंद्र स्तर पर तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा। 13 अगस्त को घर घर तिरंगा वितरण 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका पर गोष्ठी का आयोजन होगा।

जिला संयोजक भरत शर्मा ने बताया कि 15 अगस्त को शहर में दोपहर 12:00 गढ़ की पड़स से विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा गढ़ की पड़त से शुरू होकर तिलक चौक, सदर बाजार चोमूखा बाजार, सब्जी मंडी रोड होते हुए आजाद पार्क पहुंचकर संपन्न होगी। तिरंगा यात्रा में जिले भर के कार्यकर्ता शामिल होंगे। मीडिया प्रभारी अभिषेक जैन ने बताया कि बैठक को पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश अठावाल, शहर अध्यक्ष राजकुमार श्रृंगी, सभापति सरोज अग्रवाल, पूर्व सभापति महावीर मोदी, पूर्व पालिका अध्यक्ष भगवान लाडला ने अपने विचार व्यक्त किये।

रक्षाबंधन पर राखी और मिठाई विक्रेताओं में दिखी रौनक

फुलेरा। भाई बहन के पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन की खरीदारी को लेकर राखी और मिठाई विक्रेताओं की भीड़ ने

■ **रक्षाबंधन पर्व शनिवार 9 अगस्त को मनाया जायेगा**

■ **मिठाई विक्रेता अपने प्रतिष्ठान के आगे टेबल लगाकर विभिन्न प्रकार की मिठाई बेचते हुए दिखें।**

बाजार में रौनक देखने को मिलीं। गौरतलब है कि मास की पूर्णिमा पर भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक माना जाने वाला रक्षाबंधन पर्व शनिवार 9 अगस्त को मनाया जा रहा है।

इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर पवित्र रक्षासूत्र या फिर कहें राखी बांधकर उसकी लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना करती है। फुलेरा के बाजार में दुकानों के अलावा थडी ठेले वाले भी जगह जगह राखी, नारियल, गिट बेचते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे बाजार में रौनक लौटती हुई दिखाई दे रही है साथ ही मिठाई विक्रेता अपने प्रतिष्ठान के आगे टेबल लगाकर विभिन्न प्रकार की मिठाई बेचते हुए दिखें। वहीं कुछ बहनों का कहना है कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस साल राखी और नारियल के भावों में तेजी हो गई है, पिछले वर्ष पानी का नारियल 15-20 रुपए में मिल रहा था, जबकि इस साल वहीं नारियल 35-40 रुपए में बिक रहा है।

फुलेरा के बाजार में राखियों की अनेकों दुकानें सजी गई है।

री-केवाईसी के लिये शिविर का आयोजन

कोटपूतली। भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशानुसार जनधन खातों में री-केवाईसी की अनिवार्यता को देखते हुये यूको बैंक शाखा बनेठी द्वारा ग्राम पंचायत चूरी मुख्यालय पर शुक्रवार को यूको बैंक जोनल ऑफिसर हर्षवर्धन सिंह उदावत व यूको बैंक प्रबंधक विजय कुमार यादव के नेतृत्व में विशेष षिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कायमपुराबास व चूरी के करीब 50 से अधिक खाता धारकों ने भाग लिया एवं अपने खातों की केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु आवश्यक दस्तावेज जमा किये। इससे उन ग्राहकों को सुविधा मिली जो शाखा तक नहीं पहुँच सकते थे।

अवैध स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

टोंक। मेहंदवास थाना पुलिस ने जयपुर-कोटा हाइवे पर बाइक सवार युवक से 100 ग्राम स्मैक जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी

■ **गश्त के दौरान बाइक को रोकर पूछताछ करने पर आरोपी पकड़ में आया**

ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि थाना पुलिस टीम द्वारा गश्त के दौरान बाईक सवार को रोककर पूछताछ के बाद मामला संदिग्ध होने पर उनकी तलाशी की गई, जिस दौरान उनके पास से 100 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई, बरामद स्मैक की अनुमानित बाजार कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई जा रही है, बाद पूछताछ के आरोपी तेज सिंह सांसी को गिरफ्तार कर बाइक जब्त की।

टोंक मेहंदवास थाना पुलिस ने जयपुर-कोटा हाइवे पर बाइक सवार युवक से 100 ग्राम स्मैक जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

सीएम को भेजी राखी

पावटा। ब्लॉक पावटा फूलाराम यादव की अध्यक्षता में पंचायती राज संस्थाओं के 1600 मंत्रालयिक कर्मचारियो की व्यथा के मध्येनजर महिला कार्मिकों ने शुक्रवार को पुकार कार्यक्रम के तहत पुकार दस्तावेज के साथ मुख्यमंत्री व पंचायती राज विभाग मंत्री को डाक पोस्ट से राखियां भिजवाई। जिसमे कैडर पुनर्गठन, स्वतंत्र जॉब चार्ट की मांग पर उनके नेतृत्व के प्रति पंचायती राज विभाग के पक्षतापूर्ण रवैये तथा नेतृत्व की प्रताडना से व्यथित होकर मुख्यमंत्री व पंचायती राज विभाग मंत्री को डाक द्वारा राखी भेजी। इस दौरान प्रवीण कुमार जांगिड, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, कमलेश अकरणीया, खेमचंद कुमावत, रामरूप मीणा, शंकर लाल मीणा, कनिष्ठ सहायक उपस्थित रहे।

मोदी के नेतृत्व में समृद्धशाली, शक्तिशाली भारत है, सभी को इस पर गर्व है : धनकड़

पावटा। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा और भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रमों को लेकर आँतेला एक होटल में भाजपा की जिला जयपुर देहात उत्तर की तैयारी बैठक जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल की अध्यक्षता व पूर्व सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती के मुख्य आतिथ्य एवं विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, शाहपुरा पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, भाजपा प्रत्याशी शाहपुरा उपेन यादव, चोमू पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, जिला प्रभारी सतवीर यादव, भाजपा नेता मुकेश गोयल, जिला उपाध्यक्ष सुरेश गिठाला, जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा, भाजपा नेता जगन चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष विमल गर्ग के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित की गई। इसमें पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा और भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रमों को लेकर रूपरेखा, आयोजन की रणनीति और तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता पूर्व सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने बताया कि यह अभियान देशभर में राष्ट्रप्रेम का वातावरण बनाने की दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आठाह किया कि जब परिवार अपने घर पर तिरंगा फहराए, तो वे बच्चों को भी साथ लें। इससे बच्चों में भी देशभक्ति की भावना का संचार होगा। हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रभक्ति तथा विकसित भारत के अद्वितीय संकल्पों की सिद्धि का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान को सभी कार्यकर्ता मिलकर मनाएंगे। वही विधायक कुलदीप धनकड ने संबोधित करते हुए कहा कि, कि देश में ऐसा राजनीतिक दल है भारतीय जनता पार्टी जो तिरंगा यात्रा के माध्यम से हर समाज को अपनी राष्ट्रीयता से जोडती है और राष्ट्रवाद में हमारी विचारधारा में राष्ट्र प्रथम है और इस संकल्प को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारे राज्य सरकार ने विकास और प्रकृति का मार्ग प्रस्तुत कर रही है।

'हर घर तिरंगा' और 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' को लेकर भाजपा की जिला जयपुर देहात उत्तर की तैयारी बैठक हुई।

आम सूचना

"समिति की समस्त योजनाओं के सभी सदस्यों को पूर्व में दिनांक 06.01.2011, 27.02.2016, 11.02.2021 को प्रकाशित सूचना के माध्यम से सूचित किया जा चुका है तथा इस सूचना के माध्यम से पुन सूचित किया जाता है कि समिति द्वारा आवंटित भूखण्डों के आवटन पत्र पर यदि सदस्य की फोटो चस्पा नहीं है तो समिति के कार्यालय समय में अपने असल आवंटन पत्र मयसाईड प्लान एवं कोई भी दो पहचान पत्र मय दो पासपोर्ट साईज फोटो लाकर आवंटन पत्र की जॉच करवा कर दिनांक 15.09.2025 तक फोटो लगवा लेवे एवं सत्यापित करवा लेने, बाद मियाद यदि किसी सदस्य के आवंटन पत्र को फोटो सत्यापित नहीं होने के आधार पर एवं फोटो नहीं होने के आधार पर अस्विकार किया जावेगा तो उसमें समिति किसी भीप्रकार से उत्तरदायी नहीं होगी। साथ ही समिति द्वारा समिति के समस्त सदस्यों को भुखण्ड आवंटन केसमय भूखण्ड का भौतिक कब्जा मौके पर संभलाया जा चुका है यदि किसी सदस्य द्वारा आवंटित भूखण्ड पर आज दिनांक तक निर्माण कार्य नहीं किया गया हो तो इस सूचना प्रकाशन कीतिथि से 30 दिनों के भीतर निर्माण कार्य का सबूत समिति कार्यालय में प्रस्तुत कर देवे अन्यथा समिति द्वारा राजस्थान कॉ-ऑपरेटिव सोसायटी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार भूखण्ड के कब्जे सम्बन्धीत जिम्मेदारी एवं भूखण्ड के कब्जें बाबत किसी भी वाद विवाद के लिए समिति किसी भी प्रकार से जिम्मदार अथवा उत्तरदायी नहीं होगी।

मंत्री भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लि.
197 सुभाष कॉलोनी शास्त्री नगर जयपुर"
मंत्री

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक-जविप्रा/जोन-2/2025/डी-1183 दिनांक-05.08.2025
विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राकेश अग्रवाल पुत्र श्री मालीराम अग्रवाल एवं श्रीमती ममता अग्रवाल पत्नी श्री राजेन्द्र अग्रवाल द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण की योजना विधाधर नगर के भूखण्ड संख्या 50 सेक्टर नम्बर 6 कुल क्षेत्रफल 345.50 वर्गमीटर का नाम हस्तान्तरण पत्र जारी करने हेतु ऑन लाईन आवेदन संख्या 237456 द्वारा निवेदन किया गया है।
उक्त भूखण्ड की लीज डीड 28.05.2001 को श्री सुधीर गाड़िया स्व. पुत्र श्री शंकरलाल गाड़िया के पक्ष में जारी की गई थी। तत्पश्चात श्री सुधीर गाड़िया द्वारा 1. श्रीमती ममता अग्रवाल पत्नी श्री राजेन्द्र अग्रवाल, 2. श्री प्रदीप अग्रवाल पुत्र श्री मालीराम अग्रवाल, 3. श्रीमती अनिता अग्रवाल पत्नि श्री प्रदीप अग्रवाल एवं 4. श्री राकेश अग्रवाल पुत्र श्री मालीराम अग्रवाल के पक्ष में जरिये रजिस्टर्ड बेचान दिनांक 12.06.2001 का किया गया है। तत्पश्चात श्री प्रदीप अग्रवाल द्वारा अपना हिस्सा श्री राकेश अग्रवाल के पक्ष में 18 जून 2025 को जरिये रजिस्टर्ड गिफ्ट डिड (बख्शीशनाम) निष्पादित किया है इसी अनुसार श्रीमती अनिता अग्रवाल द्वारा अपना हिस्सा श्रीमती ममता अग्रवाल के पक्ष में 18 जून 2025 को जरिये रजिस्टर्ड गिफ्ट डिड (बख्शीशनाम) निष्पादित किया है। इत्यादि दस्तावेज प्रस्तुत किये है।
इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/हितधारी को कोई आपत्ति हो ता विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कमरा नम्बर पीबी-एसएफ-205, द्वितीय तल, पार्किंग स्थल, जयपुर में आपत्ति/सुझाव प्रस्तुत कर दें, अन्यथा बाद-मियाद आवेदन के पक्ष में नाम हस्तान्तरण एवं फ्री होल्ड पट्टा जारी कर दिया जावेगा। बाद मियाद पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
उपायुक्त जोन-2, जविप्रा, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांकः- जविप्रा/उपा./जोन-5/2025/ दिनांकः-यथाहस्ताक्षरित
प्रस्तावित भू-उपयोग उपान्तरण

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अभिमन्यु सिंह पुत्र स्व. श्री दुर्गा सिंह एवं, श्रीमती लेखा कुमारी पत्नी श्री स्व. श्री भवानी सिंह, द्वारा निजी खातेदारी ग्राम रामपुरारूपा के खसरा नं. 475/456 अनुमोदित क्षेत्रफल 2036.41 वर्गमीटर का एकल पट्टे का आवासीय से व्यावसायिक भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। उपलब्ध रिकॉर्ड अनुसार निजी खातेदारी ग्राम रामपुरारूपा के खसरा नं. 475/456 अनुमोदित क्षेत्रफल 2036.41 वर्गमीटर का आवासीय प्रयोजनार्थ फ्री होल्ड एकल पट्टा दिनांक 24.02.2025 को श्री अभिमन्यु सिंह पुत्र स्व. श्री दुर्गा सिंह एवं, श्रीमती लेखा कुमारी पत्नी श्री स्व. श्री भवानी सिंह के पक्ष में जारी किया गया था। नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन नियम - 2010 के अन्तर्गत जारी अधिसूचना दिनांक 24.02.2021 राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम- 2021 के बिन्दु संख्या 2 के उपबिन्दु - के क्रम में आवासीय से मास्टर प्लान-2025/ जोनल प्लान-04 में दर्शित व्यावसायिक प्रयोजनार्थ भू उपयोग परिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है। उक्त भूखण्ड के साईट प्लान अनुसार उत्तर दिशा की ओर- 9 मी. रोड़, पश्चिम दिशा की ओर- 9 मी. रोड़ पूर्व दिशा की ओर- 48 मीटर रोड़ एवं दक्षिण दिशा की ओर- 12 मीटर रोड़ है। अतः किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उपरोक्त भू उपयोग परिवर्तन के संबंध में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इस आम सूचना प्रकाशन से 15 दिवस की अवधि में प्राधिकरण के कमरा नम्बर पीबी-एसएफ-218डी, में दर्ज करावें। उक्त कालावधि में आपत्ति/ सुझाव प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लायी जाएगी। सूचित रहे। यह विज्ञप्ति आज दिनांक 09.08.2025 को जारी की गई।
उपायुक्त जोन-5
जविप्रा, जयपुर।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय किराया अधिकरण क्रम-2
स्थान जयपुर प्रथम
ओम कंवर विरुद्ध प्रेमनारायण
वाद/प्रार्थना पत्र रेस्टोरेशन
प्रार्थना-पत्र संख्या - 129 सन् 2023

नाम प्रेमजी उर्फ प्रेम नारायण पुत्र नवलकिशोर गुप्ता जाति... पता निवासी 3650, दीनानाथ जी का रास्ता, चाँदपोल बाजार, जयपुर
उक्त .....ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि.....
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 20 माह 08 सन् 2025 को 10.00 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 05 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय कीमुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से-रीडर
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-5
मोहर अदालत
किराया अधिकरण क्रम-2, जयपुर महानगर प्रथम

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 15214/2025
विषयः उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र।
प्रार्थीः 1. आशीष सेठी पुत्र स्व. अशोक कुमार सेठी आयु 48 निवासी ग्रेटर कैलाश 2 कॉलोनी, साउथ न्यू दिल्ली-110048
2. अमित सेठी पुत्र स्व. अशोक कुमार सेठी आयु 47 निवासी 20, 10 वीं मंजिल तिलोतम्मा नेवी, नगर आर सी के पास कुलाबा मुम्बई सिटी महाराष्ट्र-400005
मृतक अशोक कुमार व उसकी पत्नि मृतका प्रभा सेठी की सम्पत्ति के विषय में। पेशी दिनांकः 11.09.2025 सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/ प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना- पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम अशोक कुमार पुत्र हीरालाल निवासी ई- 82, सिद्धार्थ नगर मालवीय नगर, जयपुर (राज.) का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे। अतः उक्त प्रार्थना- पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 11 माह 09 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 07 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया। प्रार्थीगण ने मृतक अशोक कुमार सेठी व श्रीमती प्रभा सेठी के नाम वर्णित लॉकर में समस्त सम्पत्ति के उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र चाहा है
आज्ञा से
वरिष्ठ मुंसरिम
मुहर
जिला एवं सैशन न्यायालय
जयपुर महानगर, प्रथम

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना मेरे अभिभाष्य रमेश चन्द गौड पुत्र श्री सूरजमल व श्रीमति अनीता देवी पत्नि रमेश चन्द गौड की पुत्री सलोनी शर्मा, उम्र व्यस्क, अभिभाष्य के कहने में काफी समय से नहीं है ना ही किसी प्रकार की कोई बात मानती थी जिस कारण मेरे अभिभाष्यगण ने अपनी उक्त पुत्री को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है जिसका आज के बाद मेरे अभिभाष्यगण से कोई संबंध व सरोकार नहीं रहा है ना ही भविष्य में रहेगा तथा उससे कोई भी संव्यवहार करेगा तो मेरे अभिभाष्यगण की किसी भी प्रकार से कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
जयपुर (रामराज चौधरी) एडवोकट
दिनांक- मो.नं. 9828392693

खोया पाया

मेरे फ्लट नम्बर 18/एफ.11 (3-एफ) सरस्वती अपार्टमेंट, सैक्टर-18 प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर का अलाटमेंट लेटर + हैंडिंग औवर लेटर कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें। नीलम विशनोई-9413022429

सार्वजनिक सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांकः जविप्रा/जोन-12/2025/डी-4135 दिनांक : 05.08.2025
मेसर्स युटोपिया बिल्डकॉम प्रा.लि. जरिये निदेशक श्री आदित्य चौधरी पुत्र श्री फूलचंद निवासी बी-8, देव नगर टोंक रोड, जयपुर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल हैक्टेयर	वर्तमान स्वामित्व
1.	ग्राम किशोरपुरा चारणवास तहसील जयपुर	मैसर्स युटोपिया बिल्डकॉम प्रा.लि. जरिये निदेशक श्री आदित्य चौधरी पुत्र श्री फूलचंद	204	1.0117 हैक्टेयर	जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
			207	0.9611 हैक्टेयर	
		कुल	2	1.9728	

प्रकरण में जारी 90ए की कार्यवाही की अवधि को एक वर्ष से अधिक होने के क्रम में उक्त सार्वजनिक सूचना जारी की जा रही है। अतः उक्त जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/हितधारी / संस्था को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में जोन-12 कार्यालय में दर्ज करवाये, अन्यथा प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 5.8.2025 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी जोन-12, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम मनीष कुमार माणी से बदलकर मनीष माणी (Manish Mani) पुत्र अशोक माणी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। उपरोक्त दोनों नाम मेरे स्वयं के ही हैं। निवासी 12/470 मालवीय नगर जयपुर।

मैंने मेरा नाम राजेन्द्र कारयानी से बदलकर राजेन्द्र कुमार कारयानी (RAJENDRA KUMAR KARYANI) पुत्र श्री घनश्याम दास लालवानी रख लिया है। भविष्य में मुझे राजेन्द्र कुमार कारयानी (RAJENDRA KUMAR KARYANI) नाम से जाना पहचाना जावें। निवासी जी-1, प्लाट नं. बी-117, अयोध्या नगर, लालपुरा वैशाली नगर जयपुर

I have changed my name from Nesreen & Nasreen Jahan to Nasreen Khan for all purposes R/o 563 Mohalla Dakotaan Near Shani Mandir Outside Char Darwaja Jaipur.

I ic army no. 14499859H rank Ex NK (TS) Surender S/o Prayag singh Resident of village Kirtinagla post samleti teh mahwa district Dausa rajasthan that i want change my spouse name which is wrongly entered my service record from ASHOK KUMARI (DOB 28.08.1967) To ASHOK KANWAR (DOB 01.01.1968) vide affidavit dated 30.07.2025 before district sub majistrate mahuwa Dausa Raj.

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-6177 दिनांक-08.08.2025
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, योजना में आवास/फ्लैट संख्या 267/529 (LIG), का आवंटन श्रीमती मीनू चौहान पत्नी श्री चौथमल चौहान को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 8798 दिनांक 08.12.2005 को जारी किया गया था। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 19.01.2006 को सम्भलवाया गया। श्रीमती मीनू चौहान की मृत्यु दिनांक 06.10.2022 को हो जाने के कारण उनके पति श्री चौथमल चौहान पुत्र श्री भैरू दान चौहान द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री चौथमल चौहान पुत्र श्री भैरू दान चौहान का नाम मण्डल रिकाई में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक - 6044 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक : 05.08.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 50/07 (HIG), (एरिया 236.25 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री के.के. दलेला पुत्र श्री के. पी. दलेला को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1316 दिनांक 28.06.1996 को जारी किया गया। श्री के.के. दलेला द्वारा श्री जयकृष्ण शर्मा पुत्र स्व. श्री हरिकृष्ण शर्मा को दिनांक 11.05.2005 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री जयकृष्ण शर्मा के द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से श्री के.के. दलेला के पक्ष में पंजीयन प्रपत्र उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय, जयपुर के यहाँ दिनांक 30.05.2007 को पंजीकृत करवाये गये। श्री जयकृष्ण शर्मा द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 13.06.2007 के द्वारा श्री जयकृष्ण शर्मा पुत्र स्व. श्री हरिकृष्ण शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्री जयकृष्ण शर्मा के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 1695 दिनांक 03.07.2007 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्री जयकृष्ण शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 30.05.2025 के द्वारा श्रीमती पंकज दुबे पत्नी श्री प्रतीप कुमार दुबे एवं श्री प्रतीप कुमार दुबे पुत्र श्री राधा कृष्ण दुबे को विक्रय कर उप पंजीयक एकादश, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/केती श्रीमती पंकज दुबे पत्नी श्री प्रतीप कुमार दुबे एवं श्री प्रतीप कुमार दुबे पुत्र श्री राधा कृष्ण दुबे द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकाई में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती पंकज दुबे पत्नी श्री प्रतीप कुमार दुबे एवं श्री प्रतीप कुमार दुबे पुत्र श्री राधा कृष्ण दुबे का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबंधक, प्रथम राज. आ.मंडल, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत बहरावण्डा खुर्द पंचायत समिति खण्डार जिला सवाई माधोपुर
क्रमाक-2025-26/SPL-01 दिनांक-06.08.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 03/2025-26
पंचायत समिति खण्डार के अधीन ग्राम पंचायत बहरावण्डा खुर्द में विभिन्न योजनाओं में निर्माण कार्य हेतु इच्छुक बोली दाताओं/फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोकूमेन्ट प्रक्रिया द्वारा दिनांक 17.08.2025 तक सायं 06.00 बजे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
उक्त निविदाओं से सम्बन्धित अन्य विवरण एवं दस्तावेज राजस्थान के लोक उपापन पोर्टल एवं एसपीपीपी पोर्टल पर देखी जा सकती हैं।
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बहरावण्डा खुर्द, पं.स. खण्डार (सवाई माधोपुर)
प्रशासक, ग्राम पंचायत बहरावण्डा खुर्द, पं.स. खण्डार (सवाई माधोपुर)

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
सार्वजनिक सूचना
क्रमांक/न.नि.भ./2025-26/9085-86 दिनांक : 07.08.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कृष्णकान्त गुलपाडिया पुत्र श्री उमेश मोहन निवासी जघीना गेट के पास मौ० गोपालगढ, भरतपुर द्वारा स्टेट ग्रान्ट एक्ट के तहत भूखाण्ड क्षेत्रफल 171.58 वर्गमीटर का पट्टा चाहने हेतु इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन क्रमांक LD/BTPR/2025-26/224245 मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में स्टेट ग्रान्ट एक्ट का पट्टा जारी किये जाने की अग्रिम कार्यवाही की जानी है। उक्त के सम्बन्ध में यदि व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में इस कार्यालय में अपनी लिखित आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने अवधि स्टेट ग्रान्ट एक्ट का पट्टा दिये जाने की अग्रिम कार्यवाही अमल में लायी जावेगी। सूचित हों।
प्रभारी अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

योजना का शुभारंभ 09.08.2025
बी.डी. होम्सप्राइवेट लिमिटेड
प्लॉट 80, सेक्टर 44, गुरूग्राम, हरियाणा 122002
योजना का नाम- बी.डी.आई. अरन्या
मुख्यमंत्री जन आवास योजना-2024
आवेदन की अंतिम तिथि 17.08.2025
आर्थिक दृष्टि से कमजोर (EWS) एवं अन्य आयवर्ग (LIG) भूखण्ड का विकासकर्ता द्वारा लॉटरी से आवंटन की सूचना

क्र.सं.	विवरण	योजना बी.डी.आई. अरन्या
1	रेरापंजीयन क्रमांक	RAJ/P/2024/3151
2	योजना में भूखण्डो की संख्या	26
	ईडब्ल्यूएस	16
	एलआईजी	10
3	योजना में भूखण्डो का क्षेत्रफल	ईडब्ल्यूएस-40 वर्गमीटर (लगभग) एल.आई.जी. 60 वर्गमीटर (लगभग)
4	आवेदन दर (प्रति वर्गमीटर)	राज्य सरकार के दरों के अनुसार
5	आवेदनकर्ताओं की सूची का प्रकाशन	दिनांक 18.08.2025
6	आवेदनकर्ताओं द्वारा कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करने की अवधि	दिनांक 19.08.2025
7	प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण की अवधि	दिनांक 20.08.2025
8	प्राप्त आपत्तियो के निस्तारण पर लिये गये निर्णय का प्रकाशन की अवधि	दिनांक 21.08.2025
9	पत्र आवेदकों की लॉटरी तिथि, समय एवं स्थान	दिनांक 22.08.2025 समय सुबह 9.00 बजे स्थान गोल्डन ट्यूलिप होटल, अलवर बायपास रोड, भिवाडी, राजस्थान

योजना से संम्बधित जानकारी एवं आवेदन फार्म 9 अगस्त 2025 से 17 अगस्त 2025 तक हमारे गुरूग्राम कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। कार्यालय, पता-प्लॉट नंबर 80, तीसरी मंजिल, सेक्टर-44, गुरूग्राम, हरियाणा
विकासकर्ता के हस्ताक्षर

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
एसएफएस मानसरोवर शाखा, एसपी-1, साउथएण्ड स्क्वायर मॉल रीको औद्योगिक क्षेत्र, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान-302020
ई-मेलः sfsman@bankofbaroda.com

मोचन (REDEMPTION) सूचना
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) अधिनियम, 2002 के नियम 6(2) और/या नियम 8(6) के अंतर्गत सूचना
दिनांकः 17.07.2025

मैसर्स स्वीटी एन्टरप्राईजेज (ऋणी एवं फर्म)
लॉट नं. 181, आयकर नगर-II, क याणपुरा, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 302020
श्रीमती राधिका चांडक पत्नी श्री पवन कुमार चांडक (प्रोपराईटर)
फ्लैट नं. बी-2206, स्कॉय टेरेस, वी टी रोड, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर
श्रीमती राधिका चांडक पत्नी श्री पवन कुमार चांडक
गाँव तालिया मतोडा, मटर मतोडा, जोधपुर 342311
श्रीमती राधिका चांडक पत्नी श्री पवन कुमार चांडक
द्वारा श्री कैलाश फोफालिया, मंडप रेस्टोरेन्ट के सामने, एचडीएफसी बैंक के पास, चौपासनी रोड, जोधपुर 342003
श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक (जमानतदार)
फ्लैट नं. बी-2206, स्कॉय टेरेस, वी टी रोड, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर
श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक
गाँव तालिया मतोडा, मटर मतोडा, जोधपुर 342311
विषयः वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम, 2002) के प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 6(2) और/या नियम 8(6) के अंतर्गत सूचना।
संदर्भः 1. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत जारी दिनांकित 06.05.2025 मांग नोटिस।
2. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(4) के तहत जारी दिनांकित 14.07.2025 कब्जा नोटिस।
प्रिय महोदय/महोदया,
जबकि **बैंक ऑफ बड़ौदा एसएफएस मानसरोवर शाखा, एसपी-1, साउथएण्ड स्क्वायर मॉल, रीको औद्योगिक क्षेत्र, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान-302020** के प्राधिकृत अधिकारी ने प्रतिभूत लेनदार बैंक होने के नाते सरफेसी अधिनियम 2002 (इसके बाद 'अधिनियम' के रूप में संदर्भित) की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों के साथ प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 (इसके बाद 'नियम' के रूप में संदर्भित) के नियम 3 के साथ प्रदत्त शक्तियों के तहत दिनांक **06.05.2025** को मांग नोटिस जारी किया, जिसमें आपको ऋणी / बंधककर्ता/ जमानतदार होने के नाते उक्त नोटिस की प्राप्ति से 60 दिनों के भीतर उक्त मांग नोटिस में बताई गई राशि का भुगतान करने के लिए कहा गया।
और चूंकि आप राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं, इसलिए अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियम 4 और/या नियम 8 के साथ पठित, प्रतिभूत संपत्तियों (जिन्हे आगे उक्त संपत्तियों के रूप में संदर्भित किया गया) का कब्जा ले लिया है, जिसका विशेष रूप से नीचे अनुसूची में वर्णन किया गया है।
प्रतिभूत संपत्ति पर कब्जा लेने के बाद भी, आपने उपरोक्त कब्जा नोटिस में उल्लेखित बैंक को देय राशि का भुगतान नहीं किया है आपका ध्यान प्रतिभूत संपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
अतः आप सभी से अनुरोध है कि इस सूचना की प्राप्ति से 30 दिनों के भीतर, कब्जे के नोटिस में उल्लेखित देय राशि, लागू ब्याज, लागत, शुल्क और व्यय सहित, जमा करें और नीचे दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रतिभूत संपत्तियों को मुक्त करें। यदि आप इस सूचना की प्राप्ति से 30 दिनों के भीतर उपर्युक्त देय राशि का भुगतान करने और प्रतिभूत संपत्तियों को मुक्त करने में विफल रहते हैं, तो बैंक ई-नीलामी बिक्री सूचना प्रकाशित करके सार्वजनिक ई-नीलामी के माध्यम से प्रतिभूत संपत्तियों को बेचने के लिए बाध्य होगा। ई-नीलामी की तिथि, समय और संपत्तियों का आरक्षित मूल्य आपको अलग से सूचित किया जाएगा।

प्रतिभूत संपत्तियों/आस्तियों की अनुसूची

क्र. सं	चल/अचल संपत्तियों का विवरण	कब्जा दिनांक	कब्जे का प्रकार (सांकेतिक/ भौतिक)	कब्जा नोटिस के प्रकाशन की तिथि (केवल अचल संपत्ति के लिए)
1	प्लॉट नं. 181, आयकर नगर-II, कल्याणपुरा, सांगानेर, जयपुर 302020 पर स्थित स्टॉक, उपकरण, प्लान्ट एवं मशीनरी सहित सम्पूर्ण चल सम्पत्तियों पर पहला प्रभार।	14.07.2025	सांकेतिक	17.07.2025
2	श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक के नाम साम्यिक बंधक अचल सम्पत्ति जो आवासीय प्लॉट नं. 60, स्कीम नं. 9, भृगु नगर स्कीम, अजमेर रोड, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 269.34 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्वः रोड 30 फीट चौड़ी, पश्चिमः प्लॉट नं. 73, उत्तरः रोड 30 फीट चौड़ी, दक्षिणः प्लॉट नं. 61-ए			

भवदीय
(नीरज प्रधान)
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, एसएफएस मानसरोवर शाखा, जयपुर

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
एसएफएस मानसरोवर शाखा, एसपी-1, साउथएण्ड स्क्वायर मॉल रीको औद्योगिक क्षेत्र, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान-302020
ई-मेलः sfsman@bankofbaroda.com

मोचन (REDEMPTION) सूचना
प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) अधिनियम, 2002 के नियम 6(2) और/या नियम 8(6) के अंतर्गत सूचना
दिनांकः 17.07.2025

मैसर्स हरयाणी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (ऋणी एवं कंपनी)
प्लॉट नं. 183, आयकर नगर-II, कल्याणपुरा, सांगानेर, जयपुर, राजस्थान 302020
श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक (निदेशक एवं जमानतदार)
फ्लैट नं. बी-2206, स्कॉय टेरेस, वी टी रोड, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर
श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक
गाँव तालिया मतोडा, मटर मतोडा, जोधपुर 342311
श्रीमती राधिका चांडक पत्नी श्री पवन कुमार चांडक (निदेशक एवं जमानतदार)
फ्लैट नं. बी-2206, स्कॉय टेरेस, वी टी रोड, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर
श्रीमती राधिका चांडक पत्नी श्री पवन कुमार चांडक
गाँव तालिया मतोडा, मटर मतोडा, जोधपुर 342311
श्रीमती राधिका चांडक पत्नी श्री पवन कुमार चांडक
द्वारा श्री कैलाश फोफालिया, मंडप रेस्टोरेन्ट के सामने, एचडीएफसी बैंक के पास, चौपासनी रोड, जोधपुर 342003
विषयः वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (सरफेसी अधिनियम, 2002) के प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 6(2) और/या नियम 8(6) के अंतर्गत सूचना।
संदर्भः 1. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के तहत जारी दिनांकित 05.05.2025 मांग नोटिस।
2. सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(4) के तहत जारी दिनांकित 14.07.2025 कब्जा नोटिस।
प्रिय महोदय/महोदया,
जबकि **बैंक ऑफ बड़ौदा एसएफएस मानसरोवर शाखा, एसपी-1, साउथएण्ड स्क्वायर मॉल, रीको औद्योगिक क्षेत्र, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान-302020** के प्राधिकृत अधिकारी ने प्रतिभूत लेनदार बैंक होने के नाते सरफेसी अधिनियम 2002 (इसके बाद 'अधिनियम' के रूप में संदर्भित) की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों के साथ प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 (इसके बाद 'नियम' के रूप में संदर्भित) के नियम 3 के साथ प्रदत्त शक्तियों के तहत दिनांक 05.05.2025 को मांग नोटिस जारी किया, जिसमें आपको ऋणी / बंधककर्ता/ जमानतदार होने के नाते उक्त नोटिस की प्राप्ति से 60 दिनों के भीतर उक्त मांग नोटिस में बताई गई राशि का भुगतान करने के लिए कहा गया।
और चूंकि आप राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं, इसलिए अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियम 4 और/या नियम 8 के साथ पठित, प्रतिभूत संपत्तियों (जिन्हे आगे उक्त संपत्तियों के रूप में संदर्भित किया गया) का कब्जा ले लिया है, जिसका विशेष रूप से नीचे अनुसूची में वर्णन किया गया है।
प्रतिभूत संपत्ति पर कब्जा लेने के बाद भी, आपने उपरोक्त कब्जा नोटिस में उल्लेखित बैंक को देय राशि का भुगतान नहीं किया है आपका ध्यान प्रतिभूत संपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
अतः आप सभी से अनुरोध है कि इस सूचना की प्राप्ति से 30 दिनों के भीतर, कब्जे के नोटिस में उल्लेखित देय राशि, लागू ब्याज, लागत, शुल्क और व्यय सहित, जमा करें और नीचे दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रतिभूत संपत्तियों को मुक्त करें। यदि आप इस सूचना की प्राप्ति से 30 दिनों के भीतर उपर्युक्त देय राशि का भुगतान करने और प्रतिभूत संपत्तियों को मुक्त करने में विफल रहते हैं, तो बैंक ई-नीलामी बिक्री सूचना प्रकाशित करके सार्वजनिक ई-नीलामी के माध्यम से प्रतिभूत संपत्तियों को बेचने के लिए बाध्य होगा। ई-नीलामी की तिथि, समय और संपत्तियों का आरक्षित मूल्य आपको अलग से सूचित किया जाएगा।

प्रतिभूत संपत्तियों/आस्तियों की अनुसूची

क्र. सं	चल/अचल संपत्तियों का विवरण	कब्जा दिनांक	कब्जे का प्रकार (सांकेतिक/ भौतिक)	कब्जा नोटिस के प्रकाशन की तिथि (केवल अचल संपत्ति के लिए)
1	प्लॉट नं. 183, आयकर नगर-II, कल्याणपुरा, सांगानेर, जयपुर 302020 पर स्थित स्टॉक, उपकरण, प्लान्ट एवं मशीनरी सहित सम्पूर्ण चल सम्पत्तियों पर पहला प्रभार।	14.07.2025	सांकेतिक	17.07.2025
2	श्री पवन कुमार चांडक पुत्र श्री मोती लाल चांडक के नाम साम्यिक बंधक अचल सम्पत्ति जो आवासीय प्लॉट नं. 60, स्कीम नं. 9, भृगु नगर स्कीम, अजमेर रोड, जयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 269.34 वर्ग गज है। सीमाएं- पूर्वः रोड 30 फीट चौड़ी, पश्चिमः प्लॉट नं. 73, उत्तरः रोड 30 फीट चौड़ी, दक्षिणः प्लॉट नं. 61-ए			

भवदीय
(नीरज प्रधान)
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, एसएफएस मानसरोवर शाखा, जयपुर

संक्षिप्त

रोटरी क्लब ने बांस के ट्री-गार्ड लगाये

बूंदी । विगत् कुछ वर्षों से रोटरी क्लब बून्दी द्वारा शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सानिध्य में दधिमति माताजी मंदिर के सामने वन विभाग की चौकी से लेकर फूलसागर मोड़ तक सड़क के दोनों ओर कई पौधे लगाये गये है जो अब पेड़ का आकार लेने लगे है इन पौधो से साथ लोहे की जाली के ट्री-गार्ड लगवा कर सुरक्षा की गई थी परन्तु इनकों हर वर्ष अज्ञात लोग ले जाते है इसके मद्देनजर इस वर्ष नवाचार करते हुऐ बांस की ईको-फ्रेडंली ट्री-गार्ड बनवाये गये है ताकि पौधों की सुरक्षा भी रहे और चोरी का डर भी खत्म हो। क्लब सचिव जगदीश मंत्री ने बताया कि इसी क्रम में हर वर्ष के भाँति रविवार 10 अगस्त को हनुमतधाम शक्करगढ़ के प्रसिद्ध कथावाचक महामण्डलेश्वर स्वामी जगदीश पुरी जी के मुख्य आतिथ्य में क्लब अध्यक्ष ऋतुराज दाधीच के नेतृत्व में शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्थाओं के साथ वृक्षारोपण कर उनकी सुरक्षा एवं वर्ष भर की जिम्मेदारी का दायित्व प्रदान किया जावेगा। इस कार्यक्रम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर चन्द्रभानु लाठी एवं सुरेश जागेटिया रोटरी क्लब सहित सभी संस्थाओं के सदस्यों को कार्यक्रम में सम्मिलित रहने के लिए संपर्करत है।

स्वच्छता की शपथ ली

बूंदी। "हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता" अभियान के अंतर्गत नगर परिषद बून्दी द्वारा मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र नगर परिषद कुंभा स्टेडियम बून्दी में स्वयं सहायता समूहों द्वारा रंगोली बनाकर स्वच्छता की शपथ ली। समूह की महिलाओं के द्वारा तिरंगा झण्डा बनाया गया एवं अभियान के अन्तर्गत स्वयं सहायता समूहों को नगर परिषद बून्दी में अमृत मित्र योजना अन्तर्गत में स्वीकृत 18 पार्क में पौधा रोपण व दो वर्ष तक रखरखाव कार्यों के कार्यादेश सरोज अग्रवाल सभापति नगर परिषद बून्दी व धर्मेन्द्र कुमार मीणा कार्यवाहक आयुक्त द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के दौरान 2ाालिनी जैन जिला परियोजना अधिकारी व दिनेश कुमार मीणा, सहायक अभियंता मौजूद रहे।

एसपी से शिष्टाचार भेंट

कोटपूतली। तहसील ब्राह्मण सभा (ब्राह्मण समाज) के शिष्टमंडल ने अध्यक्ष नवरत्न शर्मा के नेतृत्व में नवपदस्थापित एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई से उनके कार्यालय पर शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर एसपी का माला व साफा पहनाकर एवं गुलदस्ता भेंटकर स्वागत अभिनंदन किया। अध्यक्ष नवरत्न शर्मा ने आगामी 24 अगस्त को प्रस्तावित तहसील ब्राह्मण सभा के प्रतिभा सम्मान समारोह में शिरकत करने का आग्रह किया। महामंत्री वी के नवल ने बताया कि शिष्टमण्डल में संरक्षक किशोरी लाल शर्मा, पं. सूर्यकांत शर्मा, सुभाष चंद शर्मा, पार्षद मनोज गौड़, नंदलाल शर्मा, शिवकुमार शर्मा, सुन्दरलाल शर्मा, विक्रम शर्मा, आशु शर्मा, भगवती प्रसाद शर्मा, रमेश शर्मा, युवा नेता नरेश शर्मा, चेतन शर्मा, योगेश शास्त्री, मुकेश शर्मा आदि मौजूद रहें।

'तिरंगा यात्रा से देश भक्ति की भावना को प्रवाहित करना है'

- टोंक में भाजपा कार्यालय पर हर घर तिरंगा कार्यशाला प्रभारी संजय जैन के मार्गदर्शन में हुई

टोंक। मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय पर हर घर तिरंगा एवं विभाजन विभीषिका को लेकर भारतीय जनता पार्टी की कार्यशाला अभियान के प्रभारी संजय जैन के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने बताया कि 10 अगस्त से 14 अगस्त के बीच भाजपा के प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी एवं 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका का दंस आमजन को बताया जाएगा। अभियान प्रभारी संजय जैन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश भक्ति की भावना को प्रवाहित करना है एवं देश के बंटवारे के दंस को आमजन को बताना है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पास देश में ऐतिहासिक निर्णय हुए हैं। आज दुनिया के कई देश भारत के पीछे खड़े हैं, सभी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से हर घर तिरंगा अभियान में जुड जाएं और इसे एक जनआंदोलन का रूप दें। इसी प्रकार बैठक में निवाई विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। जैसे ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने राष्ट्रवाद की भावना को और प्रबल किया है, वैसे ही "हर घर तिरंगा" अभियान को भी जन-जन से जोड़ने का कार्य हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सतीश चंदेल, गणेश माहुर, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन,यात्रा जिला संयोजक व जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया,विष्णु शर्मा,संत कुमार जैन,पालिकाध्यक्ष दिलीप ईसरानी,यात्रा जिला सह संयोजक व जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी, राजेश शर्मा, राजेन्द्र राणावत,रमाकांत शर्मा, ममता जाट,प्रधान काबरा, कार्यालय मंत्री ओमप्रकाश पांडे,जिला मंत्री तरुण टिक्किवाल, बिना छामुनिया,नीलिमा आमेरा, कोषाध्यक्ष महेंद्र सिरोठा,प्रवक्ता विजय मालवानी, रत्तीराम पहाड़िया,शिवसिंह मीणा, मीडिया प्रभारी कमलेश यादव, सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्कूल के पास शराब की दुकान को लेकर ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन

टोंक । पीपलू क्षेत्र की ग्राम पंचायत बगड़वा के गुडारामदास ग्राम में सालों से चल रही अवैध शराब की दुकान को हटाने के लिए ग्रामीणो ने नायब तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया तथा बाद में नायब तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि गांव में सालों से आबकारी विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध शराब की दुकान उच्च प्राथमिक स्कूल के पास चल रही है, जहां शराबी दिनभर शराब पीकर हंगामा करते हैं। शराब पीकर कई युवक घर वालों के साथ मार-पीट कर गाली-गलौज करते हैं तथा शराब पीने से गांव के कई युवाओं की समय से पहले मौत हो गई। ऐसे में शुक्रवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणो ने रानोली उपतहसील कार्यालय पहुंचकर नायब तहसीलदार को ज्ञापन देकर इस अवैध शराब की ब्रांच को बंद करने की मांग की गई। ग्रामीणो ने बताया कि पहले भी अवैध ब्रांच की शिकायत जिला कलेक्टर से भी गई थी, उसके बाद कुछ दिन ये अवैध शराब की दुकान बंद हो गई थी, लेकिन फिर कछ ही दिन बाद वापस धडल्ले से अवैध शराब की दुकान खुल गई। इसकी शिकायत आबकारी अधिकारियों से की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सार-समाचार

रक्षा बंधन पर बाजारों में जमकर हुई खरीददारी

सांभरझील, (निसं)। रक्षाबंधन के पर्व के मौके पर सांभर के अनेक बाजारों में सुबह से ही देर शाम तक चहल-पहल बनी रही। मिष्ठान भंडारों, फल वालों की दुकानों पर जमकर खरीदारी हुई। रक्षा सूत्र, नारियल आदि सामठी भी बहनों ने खरीदी। इसी क्रम में एक दिन पहले विश्व हिंदू परिषद, दुर्गावाहनी बहनों के द्वारा रक्षाबंधन सूत्र मनाया गया। बहनों ने पुलिस थाना स्टाफ सहित थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार यादव के भी रक्षा सूत्र बांधकर बांधा। सभी ने बहनों को आशीर्वचन दिया। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष दिनेश शर्मा, सेवा कार्य प्रमुख जोनी चावला, वीनू सैनी, सुनीता अठावाल, सलोनी मालाकार, हर्षिता वंशिका की मौजूदगी रही।

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली। कस्बे के डाबला रोड़ स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में शुक्रवार को रानी लक्ष्मी बाई केन्द्र के अन्तर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. आर. पी. गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। प्राचार्य ने कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत करते हुये बताया कि समाज में महिलाओं के साथ घटित होने वाले अपराधों के लिए इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्राएं मानसिक, शारीरिक व भावात्मक रूप से सशक्त बने। जिससे छात्राओं में आत्मविष्वास एवं सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हो सके। मास्टर ट्रेनर कृष्णा देवी व सीमा देवी ने आत्मरक्षा की आवश्यकता पर सामूहिक चर्चा करते हुए आत्मरक्षा की उपयोगिता एवं व्यवहारिक जीवन में उसकी कियान्वति से अवगत कराया। बेसिक वार्मअप तकनीकी में जोगिंग, जम्पिंग जैक, बॉडी ट्विस्ट, सोल्डर रोल, लैग्स स्विंग्स, हल्की स्ट्रैचिंग, मार्शल आर्ट आदि की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वार्मअप को धीरे-धीरे शुरू करें। साथ ही मासपेशियों एवं जोड़ों को लचिला बनाने के लिए वार्मअप जरूरी है। उन्होनें छात्राओं को राजकोप नीड हेल्प सिटीजन ऐप डाउनलोड करवाकर इस पर अपनी शिकायत दर्ज करने का तरीका भी बताया। डॉ. कमलेश यादव ने अतिथियों का स्वागत कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत किया। कार्यकम अधिकारी डॉ. रीतिका जैन ने रानी लक्ष्मी बाई केन्द्र के बारे में बताते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान संकाय सदस्य एवं छात्रायें मौजूद रहें।

कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

कोटपूतली। राजमार्ग स्थित मोरीजावाला धर्मशाला में बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में शुक्रवार को सैक्टर बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान केंद्रीय स्टेट कोऑर्डिनेटर नर्मदा प्रसाद अहिरवार, भगवान सिंह बाबा, एड. प्रेम बारूपाल, हनुमान सहाय जगवाल, जिलाध्यक्ष दीवान चंद जोया, जिला प्रभारी दीपचंद आर्य आदि मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि बसपा अपने सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के अंबेडकरवादी सिद्धांत व नीति पर चलने वाली पार्टी है। प्रदेशाध्यक्ष प्रेम बारूपाल ने सामाजिक न्याय, दलित उत्थान, बहुजन एकता पर जोर देते हुये संगठन को और मजबूती देने का आह्वान किया। भगवान सिंह बाबा, अजीत कुमार दौचानिया, पंकज दौचानिया, अशोक कुमार दौचानिया ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान बलवंत सिंह रेवाला, ओमप्रकाश बागोतिया, हजारी लाल, बनवारी लाल रजक, शशिकांत शर्मा, धर्मचंद सैनी, कैलाश मोरोड़िया, प्रमोद सिरोहीवाल, सरदार सिंह, मुकंदराम दौचानिया, राजेश वर्मा, धनपत गोठवाल, रोहिताश वाल्मीकि, धर्मपाल आर्य, जगदीश आर्य समेत अन्य मौजूद रहें।

ब्याज में राहत दी

टोंक। जिला सहकारी भूमि विकास बैंक टोंक ने मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना 2025-26 में किसानों को बड़ी राहत दी है, जिसके अन्तर्गत भूमि विकास बैंक के सचिव रवींद्र सिंह यादव ने बताया कि योजना के तहत जिले के 275 ऋणियों ने 2 करोड़ 80 लाख रुपये जमा करवाए है। जिसमें से ऋणियों द्वारा राशि जमा कराने पर बैंक ने 5 करोड़ 70 हजार रुपये की ब्याज राहत प्रदान की है। उन्होंने बताया कि ऋणी किसान मूलधन राशि जमा करवाकर ब्याज में छूट का शत प्रतिशत लाभ उठा सकते है।

नवीन कार्यकारिणी घोषित

कोटपूतली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोटपूतली नगर ईकाई की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा शुक्रवार को बड़े ही उत्साह एवं संगठनात्मक गरिमा के साथ की गई। इस दौरान जिला संगठन मंत्री हेमन्त शर्मा का प्रवास रहा। बैठक का शुभारंभ परिषद गीत एवं द्वीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। जिला प्रमुख अशोक चौहान ने पूरानी कार्यकारिणी का खंडन किया एवं सर्वसम्मति से विमल यादव को नगर अध्यक्ष एवं करण सवाईका को नगर मंत्री का दायित्व सौंपा गया। जिला संयोजक सचिन भरगड़ ने नगर सहमंत्री सचिन मुक्कड़, एसएफडी संयोजक हर्षित सोनी, महाविद्यालय संयोजक राधे नैनावत, नगर एसएफएस संयोजक राजेश गुर्जर, सोशियल मीडिया साहिल कुमार, छात्रावास संयोजक विकास गुर्जर, राष्ट्रीय कला मंच संयोजक अंकित रावत, पलक्षी मिश्रा को नियुक्त किया।

कस्बा पावटा में सड़क पर फेंका कचरा

पावटा। कस्बा पावटा अन्तर्गत जाने वाली नहर पर ठेकेदार द्वारा नहर की सफाई के बाद मलवे को जगह जगह सड़क पर फेंक दिया गया जिससे वाहन चालकों, राहगीरों व ग्रामीणों का सड़क पर चलना दुश्वार हो गया है । मालूम हो नहर विभाग द्वारा फेंके गए कूड़े और गंदगी से तमाम बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। नहर विभाग की यह घोर लापरवाही है सरकार की स्वच्छता अभियान की नहर विभाग के ठेकेदार और जेई मिलकर पलीता लगा रहे हैं। नहर विभाग द्वारा जेसीबी लगाकर नहर की सफाई की जा रही है। नहर से निकलने वाला बदबूदार कचरे को कुनेड रोड पर ही फैला दिया जा रहा है। जिसे अगल-बगल रहने वाले लोगों में काफी रोष देखने को मिल रहा है। लोगों को आने जाने में काफी दिक्कत हो रही है। साथ ही बदबूदार कचरे के बदबू से रहना मुश्किल हो गया है। जिस रास्ते पर नहर का गंदा कचरा फेका गया है, उस रास्ते से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में गाड़ियां गुजरती हैं। साथ ही स्कूल आने- जाने वाले बच्चे भी इसी मार्ग से होकर विद्यालय जाते हैं। अगल-बगल के घरों का गंदा पानी नहर में गिरने से सफाई के वक्त जो कचरा निकलता है काफी बदबूदार होता है, जो बहुत तेज बदबू देता है। जिससे अगल-बगल स्थित घरों में रहना मुश्किल हो जाता है।

हेल्पलाइन 139 डायल कर रेल यूजर्स ले रहें रेलवे की सहायता

- कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का माला व साफा बंधवाकर स्वागत किया

फुलेरा । रेलयात्रियों और आम लोगों के लिए प्रारंभ की गई रेल मदद हेल्पलाइन 139 एकीकृत सेवा उपयोगी साबित हो रही है। कोई भी व्यक्ति इस सेवा का अपने मोबाइल से उपयोग कर रेलवे से जुड़ी मूलभूत सहायता ले रहा है।

मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर पूजा मित्तलने बताया की रेल मदद हेल्पलाइन नंबर 139 यात्रीयों व आम लोगों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा प्रारंभ की गई वह महत्वपूर्ण सेवा है जो प्रयोगकर्ता को किसी भी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के आवागमन की स्थिति बताने के साथ-साथ बर्थ की उपलधता, आरक्षित टिकट की स्थिति,किराया और ट्रेन की लाइव स्थिति जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध करवाती है। इसके अतिरिक्त यात्रा के दौरान भी कोई यात्री 139 सेवा का उपयोग करके न सिर्फ मेडिकल हेल्प, सुरक्षा, सतर्कता, साफ सफाई, कैटरिंग, फ्रेट अथवा पार्सल से जुड़ी जानकारियां भी ले सकता है। इस हेल्पलाइन नंबर की सबसे अच्छी बात है कि कोई भी व्यक्ति इसे डायल कर सकता है और यह केवल स्मार्टफोन तक ही सीमित नही है। इसलिए प्रत्येक मोबाइल यूजर्स को यह नंबर सेव करना चाहिए। जयपुर मंडल पर जुलाई माह में रेल मदद द्वारा 8811 शिकायतें प्राप्त हुई जिनका औसतन 29 मिनट में निस्तारण किया गया। 8811 शिकायतों में से मंडल से संबंधित 3465 शिकायतों का निस्तारण कर अन्य 5346 शिकायतों को निस्तारण हेतु संबंधित मंडल को भेजा गया। साथ ही जयपुर मंडल के डीआरएम रवि जैन नें वॉर रूम का निरीक्षण कर यात्रियों की शिकायतों का समाधान जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए।

फुलेरा में रेलवे पेंशनर्स सम्मानित, नई नीतियों की जानकारी दी

- कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का माला व साफा बंधवाकर स्वागत किया

सम्मान समारोह के दौरान रेलवे पेंशनर सोसायटी के सदस्यगण ।

फुलेरा । रेलवे पेंशनर सोसायटी के तत्वावधान में शुक्रवार को निजी मैरिज गार्डन में सम्मान समारोह शाखा अध्यक्ष रमेशचंद वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैंक आफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक रहें जबकि विशिष्ठ अतिथि रेलवे पेंशनर सोसायटी के सचिव लालचंद कुमावत, कोषाध्यक्ष सीपी त्रिपाठी, दिनेश शर्मा, महेशसहाय शर्मा, सत्यनारायण सैनी रहें। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का माला व साफा बंधवाकर स्वागत किया गया, उसके बाद कोषाध्यक्ष सीपी त्रिपाठी ने नवीन सदस्यों को सोसायटी की रीति नीति से अवगत करवाया साथ ही पेंशनर के हितों की रक्षा के लिए सोसायटी की ओर उठाएं गये कार्यों की जानकारी मुहैया कराई गई।

कार्यक्रम के दौरान सोसायटी के सचिव लालचंद कुमावत का जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर रेलवे पेंशनर सोसायटी के श्यामलाल सैनी, शेष नारायण सैनी, एमके वर्मा, एएस महरोत्रा, रमेशचंद्र कुमावत, गिरधरगोपाल बूमरा, नेमीचंद, औमप्रकाश कारडिया, सुमित्रा नाथावत, राजकुमार सिंह, रमेशचंद शर्मा, राजेश कुमार, दयाल दास, रामप्रसाद कुमावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पोस्टर विमोचित

गंगापुर सिटी, (निसं)। श्रीगणेश महोत्सव सेवा समिति के तत्वावधान में शहर के सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं, शहरवासी गणेशभक्तों के सहयोग से आयोजित किए जाने वाले श्रीगणेश महोत्सव 2025 के रजत जयन्ती समारोह के पोस्टर का विमोचन भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर, सभापति शिवरतन अग्रवाल की विशेष उपस्थिति में जयपुर बाईपास स्थित भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक के निवास पर किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर एवं सभापति शिवरतन अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि धार्मिक आयोजनों से आमजन में संस्कार, आपसी सद्भाव को बढावा मिलता है और श्रीगणेश महोत्सव से गणपति बप्पा का आगमन शहरवासियों के लिए खुशहाली, सम्पन्नता, अमन-चैन का आशीर्वाद देने वाला होगा।

हर हर महादेव के जयकारों के साथ धूमधाम से निकली कावड़ यात्रा

- रामेश्वर महादेव पहुंच कर 51 कावड़ियों ने किया महादेव का जलाभिषेक
- 51 कावड़ियों के साथ सैंकड़ों श्रद्धालु रामेश्वर महादेव तक अपनी पदयात्रा पूरी कर महादेव का जलाभिषेक किया।

बूंदी। हर वर्ष की भांति रेतवाली महादेव से रामेश्वर महादेव तक शिव कीर्तन मंडल व शिव महिला मंडल की 19 वीं कावड यात्रा शुक्रवार को निकाली गई। संरक्षक शोभाराम गुलाबवानी ने बताया कि हर वर्ष रक्षाबंधन से एक दिन पूर्व शिव कीर्तन मंडल व शिव महिला मंडल द्वारा रेतवाली महादेव मंदिर लंकागेट से रामेश्वर महादेव मंदिर तक कावड यात्रा निकाली जाती हैं। उन्होंने बताया कि कांवड यात्रा में 51 कावड़ियों के साथ सैंकड़ों श्रद्धालु रामेश्वर महादेव तक अपनी पदयात्रा पूरी कर महादेव का जलाभिषेक किया। मंडल के अध्यक्ष सत्यनारायण सोमानी ने बताया कि शिव कीर्तन मंडल व शिव महिला मंडल की यह 19 वीं कावड यात्रा है। सुबह रेतवाली महादेव की पूजा अर्चना के साथ शुरू हुई। कावड यात्रियों का भाजपा जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा, अरबन बैंक चेयरमैन सत्येश शर्मा , भाजपा नेता भरत शर्मा, पंडित ज्योति शंकर शर्मा ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। यात्रा में शामिल सभी 51 कावंड यात्रियो ने रामेश्वर महादेव पहुंच कर अपने कलशों में भरे गंगा जल से रामेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया । कावड यात्रा लंकागेट रेतवाली महादेव से शुरू होकर सूर्यमल मिश्रण चौराहा, सब्जी मंडी रोड, कोटा रोड ,एक खंभे की छतरी, अहिंसा सर्किल ,इंदिरा मार्केट ,चौगान गेट ,चौमुखा बाजार, चूड़ी बाजार ,मोची बाजार ,कागजी देवरा, बड़ा रामद्वारा ,जेतसागर रोड, दलेलपुरा होते हुए रामेश्वर महादेव पहुंची ।

एसपी का स्वागत

कोटपूतली। सैनी विकास संगठन (रजि.) के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को अध्यक्ष बबलू बबेरवाल के नेतृत्व में जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई से शिष्टाचार भेंटकर उनका माला पहनाकर, गुलदस्ता व महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्री बाई फुले का प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया। इस मौके पर सैनी समाज के आगामी 02 नवम्बर को प्रस्तावित 06 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन की जानकारी दी गई। साथ ही जिले की कानून व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान प्रधान संरक्षक सेवानिवृत शिक्षा उपनिदेशक देवीसहाय सैनी, संयोजक रामचन्द्र सैनी, संरक्षक रामावतार मिस्त्री, रामस्वरूप सैनी, उपाध्यक्ष सुंदरलाल सैनी, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार सैनी, सन्तोष कुमार सैनी, रामसिंह सैनी, संजय दहिया, दाताराम सैनी समेत अन्य मौजूद रहें।

शिक्षक समस्याओं को लेकर उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पावटा । राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा पावटा द्वारा रतन सिंह शेखावत की अध्यक्षता में पावटा उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा गया। ज्ञापन सौंपते हुए जिला सभाध्यक्ष गजानंद टीलावत ने बताया कि शिक्षकों की समस्याओं को लेकर कई बार सरकार को अवगत करवाने के पश्चात भी ठोस कदम नहीं उठाये गये।

संघ ने मांग की है कि शिक्षा विभाग में समस्त संवर्गों के स्थानांतरण से प्रतिबंध हटाकर स्थानांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। शिक्षकों के सभी स्तर की पदोन्नितयां लंबित हैं, समयबद्ध कार्यक्रम तय कर शीघ्र प्रक्रिया पूर्ण हो। न्यायालय में लंबित तृतीय वेतन श्रंखला के शिक्षकों की पदोन्नित पर विधि एवं शिक्षा विभाग को त्वरित निस्तारण करवाने के निर्देश प्रदान किए जाए। राज्य के सभी विद्यालयों में रिक्त पदों को तत्काल भरा जावे। शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए शिक्षकों को समस्त गैर शैक्षिणक कार्य से मुक्त किया जावे एवं ऐसे कार्य जो शिक्षण व्यवस्था से संबंधित नहीं है में न्यूनता रहने पर शिक्षकों पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जावे। छठे एवं सातवें वेतन आयोग की मनसानुरूप वेतनमान देकर तृतीय श्रेणी एवं प्रबोधकों की वेतन विसंगति को दूर किया जावे। इस अवसर पर उपशाखा अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत, रतनलाल आर्य, डॉ मनोज कुमार शर्मा, नवीन कुमार रूंडला कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुमार शर्मा सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

विचार गोष्ठी में संस्कृत के प्रभाव विषय पर विचार विमर्श

कोटपुतली के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया।

- कोटपूतली । यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय समाज और संस्कृतिं पर संस्कृत का प्रभाव विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कोटपूतली । यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय समाज और संस्कृतिं पर संस्कृत का प्रभाव विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि संस्कृत भाषा संमस्त भारतीय भाषाओं की जननी है। इसलिय भारतीय ज्ञान परम्परा को सुदृढ करने के लिय संस्कृत भाषा को अधिक से अधिक अपनाना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो. प्रभात शर्मा ने भारतीय संस्कृती एवं ज्ञान परम्परा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वेदां से लेकर वर्तमान भारतीय ग्रंथों की रचना में संस्कृत का अमुल्य योगदान होने के कारण संस्कृत को देव भाषा का दर्जा दिया। एनएसएस संयोजक प्रो. सज्जन सिंह यादव ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान एनएसएस जिला समन्वयक अशोक सिंह, कार्यक्रम अधिकारी संदीप कुमार, जितेन्द्र कुमार समेत संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्रायें व एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

'तिरंगा अभियान में आमजन की अधिकाधिक सहभागिता हो'

अलवर । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आज कलक्ट्रेट सभागार में 'हर घर तिरंगा अभियान' के सफल क्रियान्वयन के लिए जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों एवं कार्यक्रमों में आमजन की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा अनुसार हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियां प्रत्येक गांव से वार्ड तक आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हर घर तिरंगा अभियान के तीनों चरणों को प्रभावी तरीके से जन-जन तक पहुंचाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की सफल क्रियान्वित सुनिश्चित करावें। उन्होनें निर्देश दिए कि सभी राजकीय कार्यालयों एवं शैक्षिणक संस्थानों में झंडारोहण एवं सजावट सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत सभी स्कूलों में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित करावें। साथ ही तिरंगा सेल्फी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर तस्वीरे पोर्टल पर अपलोड किया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिला कलक्टर ने जिला परिषद के सीईओ एवं नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया।

रात्रि चौपाल में रास्ते की समस्या, पेयजल आपूर्ति पर चर्चा की

- टोंक कलेक्टर की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत दाखिया में रात्रि चौपाल आयोजित की गई, जिसमें रास्ते की समस्या, पीएम आवास में नाम जेडने, पेयजल आपूर्ति,

टोंक जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत दाखिया में रात्रि चौपाल आयोजित की गई, जिसमें रास्ते की समस्या आदि के सम्बंध में चर्चा की।

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत दाखिया में रात्रि चौपाल आयोजित की गई, जिसमें रास्ते की समस्या, पीएम आवास में नाम जेडने, पेयजल आपूर्ति, मोती सागर बांध की नहरों की सफाई करवाने जैसी समस्याएं हेतु टोंक उपखंड अधिकारी हुक्मीचंद रोहलानिया को विभागों से समस्याओं के निस्तारण की रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने संवेदनशीलता से ग्रामीणों की सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को सुना।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी राज्य सरकार की मंशानुसार आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान करें, और पात्र लोगों को सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ प्रदान करें। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारी के रात्रि चौपाल में नहीं आने को गंभीरता से लिया और नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने विद्यालय की पीईईओ अनिता जांगिड़ एवं आंगनबाड़ी की महिला सुपरवाइजर से ग्राम पंचायत में जर्जर भवनों तथा मरम्मत योग्य भवनों की जानकारी ली। रात्रि चौपाल में कलेक्टर ने सभी समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करवाएं जाने का ग्रामीणों को आश्वासन दिया। जनसुनवाई के दौरान तहसीलदार मानवेंद्र जायसवल, विकास अधिकारी सविता राठौड़, एडीईओ चौथमल चौधरी, सीएमएचओ शैलेंद्र चौधरी जिला कलेक्टर के निजी सहायक मुकेश चौधरी समेत ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मेरा सपना फीफा विश्व कप और ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना है। असिमता 'युवा लड़कियों को अपने फुटबॉल के सपनों को साकार करने के लिए मुश्किल से मिलने वाला मंच है। – मनीषा कल्याण

भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी, ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एएफसी कप को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी आर. अश्विन

क्या आर अश्विन और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच दूरियां बढ़ रही हैं? हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स खेमे में चल रही ताजा गतिविधियों से ऐसा लग रहा है कि अश्विन – जो लाल गेंद के क्रिकेट में भारत के सबसे महान मैच विजेताओं में से एक हैं – चेन्नई सुपर किंग्स फ्रैंचाइजी से अलग हो सकते हैं। इस अपरिहार्य अलगाव का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने अपना मन बना लिया है और फ्रैंचाइजी को इस बारे में बता दिया है।

क्या आप जानते हैं ?... सिराज इस सीरीज के साथ शुरू हुई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

सैमसन ने आईपीएल 2026 से पहले खुद को आरआर से रिलीज करने को कहा

नई दिल्ली, 8 अगस्त। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने फ्रेंचाइजी को कहा है कि उन्हें रिलीज कर दिया जाए। ईएसपीएनक्रिकइंफो को मिली जानकारी के मुताबिक़ सैमसन ने आरआर मैनेजमेंट को आईपीएल 2025 खत्म होते ही खुद को रिलीज करने की गुजारिश की थी। सैमसन पहली बार इस फ्रेंचाइजी के साथ 2013 में जुड़े थे और फिर 2021 में उन्हें टीम का कप्तान भी बनाया गया था।

इस फ्रेंचाइजी की 2025 सीजन की समीक्षा बैठक जून में हुई थी, हालांकि अब तक आरआर ने सैमसन को कोई निश्चित जवाब नहीं दिया है। माना जा रहा है कि आरआर उन्हें टीम में बने रहने के लिए मनाने का विकल्प भी तलाश रही है। रॉयल्स के मुख्य मालिक मनोज बडाले ने इस बारे में पूछे जाने पर कोई टिप्पणी नहीं की। अंतिम निर्णय बडाले रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ मिलकर लेंगे।

29 वर्षीय सैमसन ने चोट की वजह से 2025 सीजन में 14 में से सिर्फ नौ मैच ही खेले थे, उनकी ग़ैरमौजूदगी में रियान पराग ने टीम की कमान संभाली थी। आरआर ने सीजन नौवें स्थान पर रहकर समाप्त किया था, उनके नाम 14 मैचों में महज चार जीत थी। अगर आरआर सैमसन को रिलीज करने का फ़ैसला करती है, तो उनके पास उपलब्ध विकल्पों में उन्हें किसी अन्य फ्रेंचाइजी के साथ ट्रेड करना या नीलामी में भेजना शामिल है। आईपीएल अनुबंध के अनुसार, ऐसे मामले में अंतिम अधिकार फ्रेंचाइजी के पास होता है। जहां तक ट्रेड की बात है, तो यह खिलाड़ियों की अदला-बदली या पूरी तरह से नकद सौदा हो सकता है। 2022 में सैमसन ने आरआर को 2008 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचाया था। हालांकि 2022 के सफल सीजन में बड़ी भूमिका निभाने वाले – जॉस बटलर और युजवेंद्र चहल, जिन्होंने उस सीजन में ऑरेंज और पर्पल कैप जीती थी, उन्हें आरआर ने 2025 मेगा नीलामी से पहले रिलीज कर दिया था।

बताया जा रहा है कि सैमसन इस समय बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में राष्ट्रीय चयनकर्ताओं द्वारा चुने गए खिलाड़ियों के लिए डिजाइन किए गए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हैं। सैमसन को 9 सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए चुना जा सकता है। इससे पहले, सैमसन केरल क्रिकेट लीग में कुछ मैच खेलेंगे, जहां उन्हें हाल ही में सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में चुना गया था।

सैमसन उन चार खिलाड़ियों में से एक थे जिन्हें आरआर ने पिछले अक्तूबर की मेगा नीलामी से पहले 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। रिटेन किए गए अन्य खिलाड़ियों में यशस्वी जायसवाल (18 करोड़), पराग और ध्रुव जुरेल (प्रत्येक 14 करोड़) और संदीप शर्मा (अनकैप्ड, 6 करोड़) शामिल थे। नवंबर में आईपीएल की रिटेंशन की समय सीमा समाप्त होने से पहले रॉयल्स के पास सैमसन के साथ अंतिम निर्णय लेने के लिए फ़िलहाल दो महीने का समय है।

टी-20, टेस्ट के बाद अब वनडे से भी संन्यास ले रहे हैं कोहली ?

नई दिल्ली, 8 अगस्त। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इन दिनों क्रिकेट से दूर लंदन में अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। हाल ही में कोहली की एक तस्वीर सोशल

मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। इस तस्वीर को देखकर उनके फैंस काफी हैरान हैं। सभी फैंस के मन में अब यही सवाल उठने लगा है कि टी20, टेस्ट की तरह अब कोहली वनडे क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे क्या? दरअसल, वायरल हो रही तस्वीर में कोहली की दाढ़ी सफेद रंग की दिख रही है जिस पर लोगों ने काफी कमेंट किए हैं। विराट कोहली की उम्र इस समय 36 साल की है और फैंस के मन में यही सवाल उठ रहा है कि क्या अब वो वनडे क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट सीरीज से पहले अनुभवी बल्लेबाज ने टेस्ट फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। यही नहीं उन्होंने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के खत्म होने के बाद टी20 को भी अलविदा कह दिया था। अब फिलहाल वह सिर्फ वनडे क्रिकेट का हिस्सा हैं। जुलाई 10 को युवराज सिंह ने एक इवेंट होस्ट किया था जिसमें विराट कोहली भी दिखे थे। उन्होंने इस इवेंट में अपनी दाढ़ी को लेकर बड़ा बयान दिया था। कोहली ने कहा था कि, मैंने अभी दो ही दिन पहले अपनी दाढ़ी कलर की है। अब समय आ गया है कि हर चार दिन में मैं अपनी दाढ़ी कलर करता हूं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। सभी का मानना था कि वो अपने इस मजाकिया बयान के पीछे की सच्चाई छुपा रहे हैं। फिलहाल, कोहली टीम इंडिया की ओर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते हुए दिख सकते हैं। उन्होंने टीम इंडिया की ओर से आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हिस्सा लिया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम को तीन मैच की वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है जिसकी शुरुआत 19 अक्तूबर से हो रही है।

चार भारतीयों ने रचा इतिहास, एशियन सर्फिंग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

चेन्नई, 8 अगस्त। चार भारतीय सर्फरों ने आज प्रतिष्ठित महाबलीपुरम में चल रही एएसएफ एशियन सर्फिंग चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया। पांचवें दिन एशिया की शीर्ष सर्फिंग प्रतिभाओं ने तमिलनाडु के धूप से सराबोर तटों पर लहरों का सामना करते हुए जोरदार एक्शन और नाटकीय प्रदर्शन किया। ओपन पुरुष राउंड 3 (मुख्य राउंड), ओपन महिला क्वार्टर फाइनल, अंडर-18 बॉयज राउंड 3 (मुख्य राउंड) और अंडर-18 गर्ल्स राउंड 2 (रेपचेज) जैसे प्रमुख हीट के साथ, यह दिन उच्च दांव, साहसिक चालों और शानदार प्रदर्शन से भरा रहा। चार भारतीय सर्फरों ने प्रमुख वर्गों में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करके इतिहास रच दिया, जो इस आयोजन के इतिहास में टीम इंडिया का सबसे सफल प्रदर्शन था। ओपन में पुरुषों के राउंड 3 (मुख्य राउंड) में भारतीय ट्राइफेक्टा क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है क्योंकि टीम ने आज पुरुष वर्ग में अपने सबसे प्रभावशाली प्रदर्शनों में से एक दिया, जिसमें तीनों सर्फर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड चोटिल

त्रिनिदाद, 8 अगस्त। वेस्टइंडीज को उस समय झटका लगा जब खबर आई कि तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड चोटिल हो गए हैं और पाकिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। बुधवार को एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान कैच लेने की कोशिश में फोर्ड के बाएँ कंधे की हड्डी उखड़ गई और अब इस तेज गेंदबाज की जगह वेस्टइंडीज टीम में नए ऑलराउंडर जोहान लेने को शामिल किया गया है। लेने को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ वेस्टइंडीज ए के लिए कुछ अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में शामिल किया गया है। 21 वर्षीय लेने कैरेबियाई टीम के लिए एक और तेज गेंदबाज विकल्प साबित होंगे। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी का मानना है कि पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला उनकी टीम को 2027 में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की उनकी कोशिशों के लिए एक अच्छी शुरुआत देगी। सैमी ने कहा, 2027 विश्व कप के लिए स्वत: क्वालीफाई करने के हमारे प्रयासों के बीच पाकिस्तान एक अलग तरह की परीक्षा और चुनौती पेश करता है। क्वालीफाई करना हमारा तात्कालिक लक्ष्य है, लेकिन दीर्घकालिक सफलता के लिए विजयी मानसिकता और टीम एकजुटता बनाए रखना ज़रूरी है।

तिलक वर्मा ने हैम्पशायर की जीत में निभाई अहम भूमिका

साउथम्पटन, 8 अगस्त। भारत के टी 20 स्पेशलिस्ट तिलक वर्मा ने गुरुवार को साउथंप्टन में खेले गए वनडे कप के ग्रुप-ए मुकाबले में अपनी टीम हैम्पशायर के लिए एसेक्स के खिलाफ 54 रन की पारी खेली। तिलक ने जो वीदरली के साथ 98 रन की अहम साझेदारी भी निभाई, वीदरली ने इस मैच में नाबाद शतक जड़ा। एसेक्स के खिलाफ इस जीत के बाद अंक तालिका में हैम्पशायर टॉप पर पहुंच गई है, जबकि दो मैचों में दो हार के साथ एसेक्स फिलहाल आठवें स्थान पर है। इससे पहले हैम्पशायर के कप्तान निक गबिन्स ने टॉस जीतकर एसेक्स को बल्लेबाजी का न्योता दिया था। एसेक्स ने चार्ली एलिसन, टॉम वेस्ले और रॉबिन दास के अर्धशतकों की बदौलत स्कोर बोर्ड पर 285 रन बना दिए थे। एलिसन ने 80, वेस्ले ने 61 जबकि दास ने 50 रन बनाए थे। हैम्पशायर की ओर से काइल एबॉट, एडी जैक, डॉमिनिक केली और एंड्रयू नील को दो-दो सफलता हाथ लगी थी।

प्रियांश ने मचाया तूफान, 9 छक्के, 7 चौके के साथ बना दिए 111 रन

नई दिल्ली, 8 अगस्त। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 के 12वें मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ आउटर दिल्ली वॉरियर्स के ओपनर बल्लेबाज प्रियांश आर्या का तूफान मैदान पर देखने को मिला। प्रियांश ने अपनी तूफानी बैटिंग के दम पर विरोधी गेंदबाजों की हवा टाइट कर दी और इस सीजन में ये प्रियांश का अपनी टीम के लिए पहला शतक रहा।इस मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के कप्तान अनुज रावत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद पहले बैटिंग करने आई आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 231 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया और विरोधी टीम को जीत के लिए 232 रन का बड़ा लक्ष्य दिया। 23 साल के

पाकिस्तानी बल्लेबाज हैदर अली पर इंग्लैंड में दर्ज हुआ आपराधिक मामला

मैनचेस्टर, 8 अगस्त। पाकिस्तानी बल्लेबाज हैदर अली पर ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस (जीएमपी) ने आपराधिक जांच शुरू कर दी है और जांच के नतीजे आने तक पीसीबी ने उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। हालांकि अपराध की प्रकृति के बारे में कोई विवरण जारी नहीं किया गया है। ईएसपीएनक्रिकइंफो को मिली जानकारी के मुताबिक हैदर को फिलहाल हिरासत में नहीं लिया गया है लेकिन जीएमपी उनसे पूछताछ कर रही है।

पीसीबी ने एक बयान जारी कर कहा है कि उन्हें जांच के बारे में जानकारी दी गई है, और यह घटना पाकिस्तान शाहीन के हालिया यूनाइटेड किंगडम दौरे के दौरान हुई थी, जो सोमवार को समाप्त हुआ था। पीसीबी ने पुष्टि की है कि वह हैदर को इस पूरी प्रक्रिया के दौरान उसके अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी सहायता प्रदान कर रहा है।

पीसीबी के बयान में कहा गया है,

पीसीबी को ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस द्वारा क्रिकेटर हैदर अली से जुड़ी एक आपराधिक जांच के बारे में अवगत कराया गया है। यह जांच पाकिस्तान शाहीन के हालिया इंग्लैंड दौरे के दौरान हुई एक घटना से संबंधित है।

पीसीबी, यूनाइटेड किंगडम की कानूनी प्रक्रियाओं का पूरा सम्मान करता है और जांच को अपनी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चलने देने के महत्व को समझता है। पीसीबी ने हैदर अली को तत्काल प्रभाव से, चल रही जांच के परिणाम आने तक, अस्थायी निलंबन के तहत रखने का निर्णय लिया है। कानूनी कार्रवाई पूरी होने और सभी तथ्य विधिवत स्थापित होने के बाद, पीसीबी अपनी आचार संहिता के तहत, अगर आवश्यक हुआ तो उचित कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। हैदर ने पाकिस्तान के लिए दो वनडे और 35 टी 20 खेला है, और वह फिलहाल इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान शाहीन के अनुभवी खिलाड़ी में से एक थे। उन्होंने इस दौरे पर सभी 50 ओवर वाले मैच खेले थे, साथ ही दो तीन दिवसीय मैच में भी वह प्लेइंग- में शामिल थे।

गिल ने अपनी बल्लेबाजी से आलोचकों को बखूबी जवाब दिया : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली, 8 अगस्त। पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की तारीफ करते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से आलोचकों को करारा जवाब दिया है। फॉलो द ब्लूज पर बात करते हुए, जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ पार्थिव पटेल ने 2025 के इंग्लैंड दौरे के दौरान शुभमन गिल द्वारा आलोचकों को दिए गए जवाब पर विचार किया। उन्होंने कहा, चार शतक, 75.40 की औसत और 750 से ज्यादा रन – सभी अलग-अलग परिस्थितियों में बनाए गए। पहले, जब वह बल्लेबाजी करने उतरे, तो सवाल थे: क्या वह सेना देशों में अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? क्या वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे? लेकिन देखिए उन्होंने क्या जवाब दिए। हेडिंग्ले में पहली पारी में 147 रन। दूसरी पारी में लोगों ने कहा कि उन्होंने उस बड़े स्कोर के बाद अपना विकेट गंवा दिया। फिर एजबेस्टन में पहली पारी में 269 रन बनाए। फिर से, चर्चा थी कि यह कम साबित हो सकता है, लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में 161 रन बनाए। तीसरे टेस्ट में, वह दोनों पारियों में जल्दी आउट हो गए, और उनके फॉर्म को लेकर फिर से सवाल उठने लगे, जबकि उन्होंने पिछले मैच में 430 रन बना लिए थे। और फिर मैनचेस्टर में वह शतक आया, एक ऐसे मैच में जिसे भारत को ड्रॉ कराना था। जब भी यह एक चुनौती रही है, जब भी सवाल पूछे गए हैं, गिल ने अपनी बल्लेबाजी से उनका बखूबी जवाब दिया है।

दलीप ट्रॉफी का आगाज 28 अगस्त से बेंगलुरु में

दलीप ट्रॉफी की 5 टीमें घोषित

नई दिल्ली, 8 अगस्त। भारतीय घरेलू क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी का आगाज 28 अगस्त से बेंगलुरु में हो रहा है। टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। फाइनल मैच 11 से 14 सितंबर तक खेला जाएगा। सभी मैच सेंटर ऑफ एक्सेलेंस, बेंगलुरु में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में साउथ जोन, सेंट्रल जोन, वेस्ट जोन, ईस्ट जोन, नॉर्थ जोन और नॉर्थईस्ट जोन के रूप में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं। फिलहाल नॉर्थ ईस्ट जोन टीम की घोषणा फिलहाल नहीं की गई है।

28 अगस्त से 31 अगस्त तक नॉर्थ जोन और ईस्ट जोन, सेंट्रल जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच मैच खेला जाएगा। इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करने वाली टीमें 4 से 8 सितंबर के बीच वेस्ट जोन और साउथ जोन से भिड़ेंगी। फाइनल 11 से 14 सितंबर तक खेला जाएगा। हिस्सा ले रही 6 में से पांच टीमों की घोषणा कर दी गई है।

भारत के लंबे घरेलू टेस्ट सीजन से पहले तैयारी के तौर पर खेला जाने वाला दलीप ट्रॉफी पिछले साल चार टीमों के बजाय अपने पुराने क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी करेगा। यानी इस बार टूर्नामेंट पुराने इंटर जोनल फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। दलीप ट्रॉफी के पिछले सीजन कोई नॉकआउट मैच नहीं खेले गए थे। लेकिन मौजूदा सीजन टूर्नामेंट की शुरुआत नॉर्थ जोन और ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबलों से होगी, जबकि 2023 की आखिरी जोनल सीजन के फाइनलिस्ट साउथ जोन और वेस्ट जोन ने सीधे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

साउथ जोन टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), मोहम्मद अजहरुद्दीन, तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीशन, टी विजय, आर साई किशोर, तनय त्यागराजन, विजयकुमार वैशाख, एमडी निदीश, रिकी भुई, बेसिल एनपी, गुरजपनीत सिंह और स्नेहल कौठनकर।

सेंट्रल जोन टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान, विकेटकीपर), रजत पाटीदार (उपकप्तान – फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन), आर्यन जुयाल, दानेश मालेवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, वाई शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद

वेस्ट जोन टीम

शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई, श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, धर्मेंद्र जड़ेजा, तुषार देशपांडे, अर्जन नागवासवाला

ईस्ट जोन टीम

इशान किशन (सी) (डब्ल्यूके), अभिमन्यु ईश्वरन (वीसी), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (डब्ल्यूके), रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज जयसवाल, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मोहम्मद शमी

नॉर्थ जोन टीम

शुबमन गिल (कप्तान, पंजाब), शुभम खजूरिया (जम्मू-कश्मीर), अंकित कुमार (उप-कप्तान, हरियाणा), आयुष बडोनी (दिल्ली), यश ढुल (दिल्ली), अंकित कलसी (हिमाचल प्रदेश), निशांत संधू (हरियाणा), साहिल लोत्रा (जम्मू-कश्मीर), मयंक डागर (हिमाचल प्रदेश), युद्धवीर सिंह चरक (जम्मू-कश्मीर), अर्शदीप सिंह (पंजाब), हर्षित राणा (दिल्ली), अंशुल कंबोज (हरियाणा), औकिब नबी (जम्मू-कश्मीर), कन्हैया वधावन (जम्मू-कश्मीर, विकेटकीपर)

फुल शेड्यूल

क्वार्टरफाइनल 1 : 28-31 अगस्त, 2025: उत्तर क्षेत्र बनाम पूर्व क्षेत्र
क्वार्टरफाइनल 2 : 28-31 अगस्त, 2025: मध्य क्षेत्र बनाम उत्तर-पूर्व क्षेत्र
सेमीफाइनल 1 : 4-7 सितंबर, 2025: दक्षिण क्षेत्र बनाम विजेता क्वार्टर फ़ाइनल 1
सेमीफाइनल 2 : 4-7 सितंबर, 2025: उत्तर क्षेत्र बनाम विजेता क्वार्टरफाइनल 2
फाइनल : 11-15 सितंबर, 2025: विजेता क्वार्टर फ़ाइनल 1 बनाम विजेता क्वार्टरफाइनल 2

पुरुष एकल में अमेरिका के बेन शेल्टन बने चैम्पियन

विक्टोरिया एमबोको ने महिलाओं में जीता खिताब

नई दिल्ली, 8 अगस्त। अमेरिका के बेन शेल्टन ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के रूप में अपने करियर का तीसरा और सबसे बड़ा खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोवा को 6-7, 6-4, 7-6 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त 22 वर्षीय शेल्टन 2003 में एंडी रोडिक के बाद मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता जीतने वाले अमेरिका के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं शेल्टन ने 2023 में टोक्यो में हार्ड कोर्ट पर और पिछले साल ह्यूस्टन में क्ले कोर्ट पर भी जीत हासिल की थी। इस जीत से शेल्टन विश्व रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच जाएंगे। पुरुष युगल के फाइनल में जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल ने जो सैलिसबरी और नील स्कुप्स्की को 6-3, 6-7, 13-11 से हराया।

दूसरी तरफ कनाडा की विक्टोरिया एमबोको ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए फाइनल में नाओमी ओसाका को तीन सेट तक चले मुकाबले में पराजित किया। इसके साथ ही विक्टोरिया ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका को 2-5, 6-4, 6-1 से हराकर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीता। इस जीत से वह वर्ल्ड रैंकिंग में 85वें से 25वें स्थान पर पहुंच जाएंगी।

कॉल्विन शील्ड खेले बिना ही खिलाड़ी अमित सिंह का अगले चरण में हो गया चयन

दौसा, 8 अगस्त। जिला क्रिकेट संघ दौसा में धांधली का बड़ा मामला सामने आया है। एक तरह जहां सैकड़ों खिलाड़ी आगे बढ़ने की चाहत में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की ओर से आयोजित टूर्नामेंट में कडी मेहनत कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिला और राज्य संघ के पदाधिकारियों की मिलीभगत से ऐसे खिलाड़ी का अगले चरण में चयन कर दिया गया, जिसने जून में आरसीए की ओर से आयोजित की गई। सीनियर कॉल्विन शील्ड राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा ही नहीं लिया। आरसीए के इस कदम ने आगे बढ़ने के लिए अन्य खिलाड़ियों द्वारा की जा रही मेहनत पर पानी फेर दिया।

दरअसल, आरसीए ने जून में आयोजित की कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले दर्जनों खिलाड़ियों का यो-यो टेस्ट (शारीरिक दक्षता परीक्षा) के लिए चयन किया गया है। इस टेस्ट में पास होने वाले खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी के लिए बनाई जाने वाली राज्य की टीम के प्रशिक्षण

Dear Sir,

The following players of your DCA have been selected for Senior YO-YO test to be held at RCA Academy, Jaipur for the date mentioned against their name :-

S.No.	Name	District	Date
1	Amit Singh	Dausa	06.08.2025

Please inform the above players to report at RCA Academy at 10.00 am.

YOYO 2025-26

Please also inform the players to scan the above QR Code for Join the Group.

Regards,

Cricket Operations,
Rajasthan Cricket Association

शिवर में शामिल किया जाएगा।

यो-यो टेस्ट के लिए बुलाए गए खिलाड़ियों में दौसा से अमित सिंह नाम के खिलाड़ी का भी चयन किया गया है। यहां चौंकाने वाली बात यह है कि यह खिलाड़ी कॉल्विन शील्ड बेहतर प्रदर्शन करना तो दूर प्रतियोगिता के लिए दौसा जिले की टीम में भी चयनित नहीं हुआ था। ऐसे में बिना टूर्नामेंट खेले ही आरसीए का अगले चरण के लिए उसका चयन करना खुली धांधली की ओर इशारा कर रहा है।

आरसीए ने जिला क्रिकेट संघ को भेजा के चयन को लेकर आरसीए ने 4 अगस्त को जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय को ईमेल भेजकर उसे 6 अगस्त को यो-यो टेस्ट के लिए भेजने के भी निर्देश दिए थे। उसके बाद अमित ने 6 अगस्त को जयपुर पहुंचकर यह टेस्ट भी दे दिया। बिना टूर्नामेंट खेले ही खिलाड़ी को यो-यो टेस्ट के लिए चयनित किया जाना जिला क्रिकेट संघ और आरसीए के पदाधिकारियों की मिलीभगत के साथ चयन समिति की चयन प्रक्रिया पर भी सवाल उठा रहा है।

एडहॉक कमेटी कर रही निष्पक्ष खेल गतिविधियों के संचालन का दावा : इधर, आरसीए में क्रिकेट संचालन के लिए गठित एडहॉक कमेटी कार्यभार संभालने के बाद से ही प्रदेश की क्रिकेट को सुचारू रूप से चलाने और खेल गतिविधियों के निष्पक्ष संचालन का दावा कर रही है, लेकिन दौसा जिले की टीम में चयनित नह होने वाले खिलाड़ी के चयन ने एडहॉक कमेटी के दावों की पोल खोलकर रख दी है। इसी तरह आरसीए और जिला क्रिकेट संघ दौसा की इस मिलिभगत ने हजारों मेहनती खिलाड़ियों के साथ विश्वासघात किया है।

अमित सिंह दौसा जिले का नहीं है ऊपर से इसको शामिल किया गया है हमारी जानकारी में नहीं है । अमित सिंह तूगां गांव का है जो जयपुर जिले में आता है। हमने आरसीए में इसकी आपत्ति दर्ज करा दी है।

– बृज किशोर उपाध्याय
सचिव, दौसा क्रिकेट संघ

एचसीएल इंडिया टूर स्क्वैश का समापन, मिस्र के शोहदी और नूर खफागी ने जीते खिताब

जयपुर, 8 अगस्त। मिस्र के यासिन शोहदी और नूर खफागी ने अपनी शीर्ष वरीयता को सही साबित करते हुए शुक्रवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर संपन्न एचसीएल इंडिया टूर स्क्वैश टूर्नामेंट में क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीत लिया। भारत की तन्वी खन्ना को फाइनल में हार के साथ उपविजेता के रूप में संतोष करना पड़ा। पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में टॉप सीड यासिन शोहदी ने अपने ही देश के मोहम्मद गोहर को सीधे सेंटों में 3-0 से शिकस्त दी। शोहदी ने मैच में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और मुकाबला 11-5, 11-7, 11-3 से जीत खिताब अपने नाम किया।

महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला रोमांचक रहा। वर्ल्ड रैंकिंग में 114वें नम्बर की भारतीय खिलाड़ी तन्वी खन्ना ने रैंकिंग में अपने से कहीं ऊपर मिस्त्र की नूर खफागी को चार सेटों तक कड़ा संघर्ष कराया। टूर्नामेंट की टॉप सीड नूर ने 11-3, 5-11, 11-5, 12-10 से जीत के साथ खिताब अपने नाम कर लिया। जकार्ता और हांगझाऊ एशियाई खेलों की पदक विजेता तन्वी खन्ना ने पहला सेट हारने के बाद दूसरे सेट में शानदार वापसी की। उन्होंने तीसरा सेट गंवाया और चौथे सेट में 10-8 से बढ़त भी बना ली। लेकिन अनुभवी नूर ने तन्वी की कुछ गलतियों का फायदा उठाते हुए लगातार चार अंक बटोरे और खिताब पर कब्जा कर लिया।

इस टूर्नामेंट में मिस्त्र, जापान, श्रीलंका, मलेशिया, हांग कांग, कैनेडा, चीन, कुवैत, साउथ कोरिया, और भारत सहित 10 देशों के 50 प्रोफेशनल स्क्वैश खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। पिछले पूरे सप्ताह इन खिलाड़ियों ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए जयपुर में स्क्वैश का बेहद रोमांचक अनुभव पेश किया।

इस पीएसए रजिस्टर्ड ईवेंट में महिला और पुरुष श्रेणी में से प्रत्येक को 9,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि दी गई। भारतीय खिलाड़ियों को अपने घरेलू मैदान पर प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन रैंकिंग पॉईंट अर्जित करने का दुर्लभ व बहुमूल्य अवसर भी मिला, जो भारतीय स्क्वैश की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। एचसीएल ग्रुप के एवीपी एवं हेड ऑफ ब्रांड, रजत चंडोलिया ने कहा, भारत में स्क्वैश को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहा है। जयपुर में लोगों के बीच जो उत्साह और खेल की क्वालिटी देखने को मिली, उससे हमारे देश में इस खेल की बढ़ती गति प्रदर्शित होती है। हम सभी खिलाड़ियों, खासकर आज के चैंपियनों को बधाई देते हैं।"

स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की वाईस प्रेसिडेंट, सुरभि मिश्रा ने कहा, "जयपुर टूर्नामेंट ने भारतीय स्क्वैश के बढ़ते स्तर और उभरते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभा प्रदर्शित की है। एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर जैसे अभियान काफी महत्वपूर्ण हैं, जो खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय पहचान और घरेलू मैदान में खेलकर महत्वपूर्ण रैंकिंग पॉईंट अर्जित करने का अवसर प्रदान करते हैं।" समापन समारोह में राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, एचसीएल ग्रुप के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट और ब्रांड हैड रजत चन्दोलिया, राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया और स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

मेघायल भारत का पहला स्लैलम कोर्स स्थापित करेगा

शिलांग, 8 अगस्त। जल क्रीड़ा और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हुए, मेघालय जल्द ही री-भोई जिले में उमथम नदी पर भारत का पहला स्लैलम कोर्स स्थापित करेगा, मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने यह जानकारी दी है। गुरुवार को, कैबिनेट ने देश के एकमात्र समर्पित स्लैलम कोर्स को विकसित करने के लिए मेघालय इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (एमआईडीएफसी) से उमथम नदी के किनारे 14.6 एकड़ भूमि के प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। स्लैलम एक रोमांचक जल क्रीड़ा है जिसमें कयाकर समय के विरुद्ध दौड़ लगाते हैं, एक चुनौतीपूर्ण वाइटवाटर कोर्स में प्रवेश करते हैं जिसमें कई द्वार होते हैं जिनसे उन्हें गुजरना होता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जामडोली के सामाजिक न्याय संकुल परिसर में आयोजित 'विशेष योग्यजन बहन सम्मान दिवस समारोह' में विशेष योग्यजन बहनों से राखी बंधवाई।

विशेष योग्यजन बहनों ने मुख्यमंत्री के राखी बांधी

समावेशी तथा संवेदनशील समाज के निर्माण में विशेष योग्यजन की भागीदारी अहम : भजनलाल

■ जामडोली में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजन महिलाओं से संवाद किया। बच्चियों की सरलता ने सभी को भावुक कर दिया।

जयपुर, 8 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विशेष योग्यजन समाज का अभिन्न अंग है। एक समावेशी तथा संवेदनशील समाज के निर्माण के लिए विशेष योग्यजन की समान भागीदारी अति आवश्यक है। इसके लिए राज्य सरकार दिव्यांगजनों को केन्द्र में रखकर निरंतर कार्य कर रही है तथा उन्हें सशक्त बनाने के लिए कृत्संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की परिकल्पना "अंत्योदय" को साकार करने में जुटी हुई है।

शर्मा ने प्रदेशवासियों से एकात्म मानववाद तथा नागरिक कर्तव्यों को निभाते हुए प्रत्येक जरूरतमंद की मदद करने की अपील की। शर्मा शुक्रवार को जामडोली के सामाजिक न्याय संकुल परिसर में आयोजित 'विशेष योग्यजन बहन सम्मान दिवस समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं दी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंत्योदय के लक्ष्य को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जामडोली में 200 करोड़ रुपये की लागत से स्वयंसिद्धा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का चरणबद्ध रूप से निर्माण किया जाएगा।

कार्यक्रम में न किसी भी तरह की औपचारिकता थी और न ही मंचीय दूरी। पूरे वातावरण में केवल आत्मीयता और अपनापन का अहसास हो रहा था। जब कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को विशेष योग्यजन बहनों ने रक्षा सूत्र बांधा तो उनके स्नेह से सभी भावुक हो गए। कार्यक्रम में लक्ष्मी ने मुख्यमंत्री के समक्ष 'आ चल कि तुझे मैं ले के चलूं एक ऐसे गगन के तले........' गीत गाया। इस दौरान दिव्यांगजनों ने बैंड वादन तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने दिव्यांग बच्चियों को अपने समीप बिठाकर संवाद भी किया। तनु ने कुरकुरे, मिठाई, समोसा खाने की इच्छा व्यक्त की, वहीं पूजा ने घूमने की इच्छा जाहिर की। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों की मासूम ख्वाहिशों को पूरा करने का भरोसा दिया। कार्यक्रम के अंत में शर्मा ने दिव्यांगजनों को खीर प्रसादी भी वितरित की।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विशेष योग्यजनों को डिजिटल हियरिंग और लर्निंग किट सौंपी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने परिसर में सिंदूर का पौधा लगाया। उन्होंने सभी बालिकाओं से संवाद किया तथा उन्हें पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश दिया। उन्होंने विशेष योग्यजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल भेंट की। शर्मा ने राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह के बालक-बालिकाओं द्वारा हस्तनिर्मित सामग्रियों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों को सराहा।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अपर्णा अरोडा, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता आशीष मोदी, 'अपना घर' संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज एवं बड़ी संख्या में दिव्यांग बहनें मौजूद थीं।

बेंगलुरु के कमरे के मालिक ने राहुल के आरोप का किया खंडन

■ कमरे के मालिक जयराम रेड्डी ने कहा उस कमरे में प्रवासी मजदूर रहते हैं जो वोटर आईडी बनवाते तो हैं पर वोट नहीं देते।

बेंगलुरु, 08 अगस्त। कर्नाटक में बेंगलुरु के महादेवपुरा इलाके में 120 वर्ग फुट के जिस एक कमरे के पते पर 80 मतदाताओं के पंजीकृत होने संबंधी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों का कमरे के मालिक जयराम रेड्डी ने खंडन किया है।

रेड्डी ने पत्रकारों से स्पष्ट किया कि छोटे से कमरे के किरायेदार ज़्यादातर प्रवासी मज़दूर हैं, जो अस्थायी रूप से रहते हैं, आमतौर पर छह महीने से एक साल तक। ये किरायेदार निवास के प्रमाण के रूप में किराये के समझौतों का उपयोग करके मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करते हैं, लेकिन वास्तव में इस पते से वोट नहीं देते हैं।

राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर कि उनके भाजपा से संबंध हैं, रेड्डी ने दावा किया कि वे कांग्रेस के सदस्य हैं। उन्होंने कहा, मैं निश्चित रूप से कांग्रेस का सदस्य हूँ। यह बात सभी जानते हैं।

राजस्थान में लॉरेंस गैंग के 13 ठिकानों पर एनआईए ने छापे मारे

श्रीगंगानगर, दौसा व हनुमानगढ़ में आतंकी फंडिग, अवैध-हथियार व हवाला मामलों में कार्यवाही की गई

■ एनआईए की जांच में सामने आया है कि पंजाब व हरियाणा के कई गैंगस्टर राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में पनाह ले रहे हैं।

श्रीगंगानगर, 8 अगस्त (कासं)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने राजस्थान के 3 जिलों में लॉरेंस गैंग के खिलाफ छापेमारी की है। श्रीगंगानगर, दौसा और हनुमानगढ़ के 13 से ज्यादा ठिकानों पर टीमें शुक्रवार (8 अगस्त) सुबह पहुंची, जिन मामलों में यह कार्रवाई हुई है, उनमें आतंकी फंडिंग, अवैध हथियारों की सप्लाई और विदेशों से जुड़े हवाला नेटवर्क शामिल है।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि श्रीगंगानगर के 11 इलाकों में एनआईए की छापेमारी हुई। जिसमें अशोक नगर, पुरानी आबादी और पुलिस थाना रावला क्षेत्र शामिल है। एक टीम ने रावला मंडी थाना क्षेत्र के गांव 9 पीएसडी में जेल में बंद एक आरोपी साहिल के घर भी सर्च किया और परिवार से पूछताछ की। पहली कार्रवाई कोतवाली इलाके में 20 मई 2025 को देवेंद्र भांभू, सुभाष और सतनाम को गिरफ्तार करने के मामले में की गई। उनके पास से 330 ग्राम हेरोइन, 4 विदेशी ग्लॉक पिस्टल (ऑस्ट्रिया निर्मित) 9 एमएम और एक विदेशी जिगना पिस्टल (तुर्की निर्मित) 30 बोर के साथ 29 कारतूस बरामद किए गए थे।

दूसरी कार्रवाई जवाहर नगर में 20 मई 2025 को सत्यनारायण मेघवाल और साहिल गोदारा को गिरफ्तार किया था। इनके पास से दो पिस्टल 9 एमएम, तीन कारतूस और 1.802 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई थी। दोनों मामलों में आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई थी। एनआईए, आईबी और अन्य एजेंसियों के साथ संयुक्त पूछताछ (जेआईसी) के दौरान एक और आरोपी राजन छजगरिया को गिरफ्तार किया था। इन दोनों मामलों की जांच एनआईए कर रही थी।

दौसा के महुवा थाना क्षेत्र के सांथा गांव में भी गैंग से जुड़े शिवम की तलाश में टीम ने छापा मारा। एनआईए के डिप्टी एसपी एचए पटेल के नेतृत्व में टीम उसके घर पहुंची, लेकिन आरोप शिवम नहीं मिला। उसके पिता हरिफल मीणा से भी टीम ने पूछताछ की। शिवम की हवाला से जुड़े मामले में एनआईए को तलाश है। एनआईए ने 20 दिन पहले भी मेहंदीपुर बालाजी की कई धर्मशालाओं में तलाशी की थी। एजेंसी ने कुख्यात गैंग से जुड़े एक बदमाश को पिछले दिनों जबरन वसूली, धमकी और हथियार तस्करी के मामले में डिटेन किया था। उससे बताया था कि उसने मथुरा-वृंदावन और मेहंदीपुर बालाजी समेत कई धार्मिक स्थलों पर फरारी काटी थी।

एनआईए की शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि पंजाब और हरियाणा से जुड़े कई गैंगस्टर अब राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में पनाह ले रहे हैं। एनआईए की ओर से अभी तक इस रेड को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

चेतक और चीता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुरोध (आरएफआई) जारी किया है। इसका मकसद तकनीकी जरूरतों को तय करना, खरीद का तरीका तय करना और संभावित सप्लायरों की पहचान करना है। इसमें भारतीय कंपनियां भी शामिल हो सकती हैं जो मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के साथ मिलकर काम कर रही हैं। ये हेलीकॉप्टर दिन और रात दोनों समय काम करेंगे।

भारतीय वायुसेना ने पहले ही कई यूटिलिटी हेलीकॉप्टर खरीदने की योजना बनाई थी। संसद में पेश रक्षा संबंधी स्थायी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, 2025-26 के लिए कुछ खास योजनाएं हैं। इनमें लो-लेवल रडार, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए), लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर (एलयूएच), मल्टीरोल हेलीकॉप्टर और लीज पर लिए गए मिड-एयर रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट शामिल हैं। यह कदम भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। इससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। साथ ही, भारतीय सेना और वायुसेना की ताकत भी बढ़ेगी।

राहुल की प्रस्तावित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व मतदाता सूची विवाद को "सुनियोजित चुनावी धोखाधड़ी" के एक ऐसे व्यापक नैरेटिव के हिस्से के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है, जिसका उद्देश्य लोकतंत्र को कमजोर करना है। राहुल गांधी ने संसद और मीडिया के माध्यम से जो हालिया खुलासे किए हैं, वे इस अभियान के केन्द्र में रहेंगे। राहुल गांधी का आरोप है कि ये अनियमितताएं सत्ता पक्ष को चुनावी लाभ दिलाने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हैं।

बिहार दौरे का समापन एक बड़ी जनसभा के साथ होगा, जिसमें राहुल गांधी मोदी सरकार पर तीखा हमला बोल सकते हैं और स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय चिंताओं से जोड़ सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह दौरा कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लिए संसद में उठाये गये मुद्दों को बाहर सड़कों पर ले जाकर जन-आंदोलन की शुरुआत का मंच बन सकता है।

राजनीतिक तापमान के बढ़ने के साथ ही, 17 अगस्त से सबकी निगाहें बिहार पर टिकी होंगी, जब विपक्ष यह परखने की कोशिश करेगा कि क्या वह चुनावी धांधली के आरोपों को भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ एक दीर्घकालिक, राष्ट्रव्यापी आंदोलन में बदल सकता है।

शुक्रवार को भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके पहले 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरु हुई तो सदस्यों ने हंगामा किया, जिसके कारण अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित दी थी। दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही, सदस्य हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच ही पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने विधायी दस्तावेज पटल पर रखवाये और शून्य काल शुरु कराने की कोशिश की, लेकिन हंगामा नहीं रुका तो उन्होंने सदन की कार्यवाही तीन बजे तक स्थगित कर दी थी।

'बंगाल में नहीं होने दूंगी मतदाता पुनरीक्षण कवायद'

कोलकाता, 08 अगस्त। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राज्यभर की सियासत में गर्माहट हैं। इसी बीच विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केन्द्र सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भाजपा सरकार की साजिश है और इसमें चुनाव आयोग भी शामिल है।

बता दें कि बाढ़ प्रभावित पश्चिम मेदिनीपुर जिले के घाटाल दौरे पर ममता बनर्जी ने कहा कि यह योजना केन्द्र सरकार ने बनाई है और चुनाव आयोग उसकी मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। सभी लोग अपने माता-पिता के जन्म प्रमाणपत्र संभालकर नहीं रख सकते। एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साथ कहा कि वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू नहीं होने देंगी, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगर बंगाल में यह प्रक्रिया लागू हुई, तो हर धर्म के लोगों को परेशानी झेलनी पड़ेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगे केन्द्र सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर एनआरसी जैसी प्रक्रिया लागू करने की कोशिश हो रही है।

गोगामेड़ी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लगने की पूरी संभावना है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए एनआईए की ओर से अधिवक्ता स्नेहदीप ने कहा कि हत्याकांड से पहले हत्यारा कई दिनों तक याचिकाकर्ता के घर रुका था। याचिकाकर्ता ने ही उसे हथियार उपलब्ध कराए थे। ऐसे में घटना को लेकर उसकी सक्रिय भागीदारी रही थी। इसके अलावा, एनआईए की विशेष अदालत याचिकाकर्ता के खिलाफ विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत प्रसंज्ञान ले चुकी है। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। गौरतलब है कि 5 दिसंबर, 2023 को आरोपी रोहित राठौड़ और नितिन फौजी ने राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में हत्या कर दी थी।

'तात्कालिक लाभ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डॉलर अरब से अधिक था, जिसमें दवाएं, आईटी सेवाएं, मशीनरी और वस्त्र जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। वैश्विक मांग में गिरावट और लागत में वृद्धि से जूझ रहे भारतीय निर्यातकों को अब और चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर, अमेरिकी कंपनियां जो भारतीय आयात या भारत-आधारित आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर हैं, उन्हें भी नुकसान हो सकता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब वैश्विक व्यापार पहले से ही संरक्षणवाद, अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा और महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में अमेरिका और भारत के बीच लंबे समय तक बना गतिरोध वैश्विक बाजारों पर भी प्रभाव डाल सकता है और दोनों देशों द्वारा चीनी आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता कम करने के प्रयासों को भी झटका दे सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की घोषणा सिर्फ एक अस्थायी कूटनीतिक चाल नहीं है - यह उस गहरे संघर्ष को दर्शाती है, जिसमें अमेरिका की आक्रामक व्यापार नीति और भारत की विकासशील जरूरतें टकरा रही हैं। यह गतिरोध स्थायी टूट का कारण बनेगा या सामरिक पुनर्समीक्षा का अवसर देगा - यह आने वाले हफ्तों में दोनों पक्षों के कदमों पर निर्भर करेगा। फिलहाल, जो व्यापार समझौता कभी संपन्न होने के करीब था, वह अब पहले से कहीं अधिक दूर नज़र आ रहा है।

कांग्रेस के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यात्रा "वोट चोरी" के खिलाफ जनांदोलन का आधार बनेगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि राहुल गांधी के इस अभियान को सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। "संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, वोट चोरी रोको" ये नारे अब कांग्रेस के डिजिटल कैम्पेन के मुख्य बिंदु बन गए हैं।

राजद्रोह कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार की

याचिका के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से जवाब मांगा है

■ जनहित याचिका में कहा गया है कि भारतीय न्याय संहिता का यह कानून ब्रिटिश कालीन कानून के जैसा है।

नई दिल्ली, 08 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट भारतीय न्याय संहिता के तहत राजद्रोह कानून की सांवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली जनहित याचिका की जांच करने के लिए सहमत हो गया। जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा है। इसे औपनिवेशिक काल (ब्रिटिश समय) के कानून का उत्तराधिकारी माना जा रहा है।

बीएनएस की धारा 152 (देशद्रोह) की वैधता के खिलाफ सेवानिवृत्त मेजर जनरल एस जी वोम्बटकेरे ने जनहित याचिका दायर की थी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने वोम्बटकेरे की जनहित याचिका पर संज्ञान लिया है। इसके बाद केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया गया। इस मुद्दे पर कोर्ट ने इस याचिका को उस लंबित याचिका के साथ जोड़ने का भी आदेश दिया, जिसमें बीएनएस द्वारा प्रतिस्थापित पूर्व आईपीसी की धारा 124ए (देशद्रोह) को चुनौती दी गई है। बीएनएस की धारा 152 भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्य से संबंधित है।

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर मौखिक या लिखित शब्दों, संकेतों, दृश्य चित्रण द्वारा, या अन्य तरीकों से अलगाव, सशस्त्र विद्रोह या विध्वंसक गतिविधियों को उत्तेजित करता है या उत्तेजित करने का प्रयास करता है, तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, अगर कोई भारत की संप्रभुता या एकता और अखंडता को खतरे में डालता है; या ऐसे किसी कृत्य में लिप्त होता है या ऐसा करता है, तो उस शख्स को आजीवन कारावास या सात वर्ष तक के कारावास से दंडित किया जाएगा। साथ ही उसे जुर्माना भी देना होगा।

दायर की गई याचिका में इस प्रावधान को राजद्रोह कानून का नया रूप बताया गया है। जिसे पहले सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2022 में विधायी समीक्षा के लिए स्थगित कर दिया था। जुलाई 2022 में पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन वी रमना की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने आईपीसी के तहत राजद्रोह के प्रावधान पर रोक लगा दी थी। याचिका में कहा गया कि यह विवादित प्रावधान तथा औपनिवेशिक राजद्रोह कानून, जिसे पहले आईपीसी, 1860 की धारा 124ए के रूप में जाना जाता था, रद्द किए जाने योग्य है, क्योंकि यह अनुच्छेद 19(2) के तहत स्पष्टता, आवश्यकता और आनुपातिकता के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।

'भारत व अमेरिका के टैरिफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यापक सहयोग को लेकर फिर से प्रतिबद्धता जताई है। भारत और रूस के बीच तेल और रक्षा उपकरणों को लेकर दीर्घकालिक व्यापार संबंध हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह भी खुलासा किया कि राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन युद्ध की ताजा स्थिति के बारे में प्रधानमंत्री को अवगत कराया, जिससे यह संकेत मिला कि दोनों देशों के संबंध कितने पारदर्शी और घनिष्ठ हैं। इसके साथ ही, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भी मॉस्को का दौरा किया, जहां उन्होंने सीधे रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात की। जब यूरोप के कई नेता पुतिन से सीधी बातचीत नहीं कर पा रहे हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की योजना बन रही है, उस समय डोभाल की यह विशेष बैठक विशेष महत्व रखती है।

दूसरी ओर, भारत ने उन सभी अटकलों को खारिज किया है कि उसने अमेरिका से अपने हथियार और रक्षा प्रणाली की खरीद योजनाएं धीमी या स्थगित कर दी हैं। एक अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी की रिपोर्ट का खंडन करते हुए, भारत सरकार ने कहा है कि ये योजनाएं निर्धारित समयबद्धता के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। इसके अतिरिक्त, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अमेरिका यात्रा निर्धारित है, जहां वे वॉशिंगटन में अपने समकक्ष से मुलाकात करेंगे। संकेत मिल रहे हैं कि यह बैठक अनुसूची के अनुसार होगी।

हालांकि, जिस प्रकार डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ तीखे बयान दिए हैं, उससे यह आशंका बनी हुई है कि अमेरिका कुछ प्रस्तावित बैठकों को एकतरफा तौर पर स्थगित कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो यह दोनों देशों के संबंधों के लिए नुकसानदेह होगा- और रूस के हित में होगा, जो वर्तमान में अमेरिका और पश्चिमी गठबंधन के लिए एक बड़ा रणनीतिक संतुलन बनकर उभरा है।

दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका ने अभी तक चीन के खिलाफ किसी प्रकार के गंभीर प्रतिबंध या अतिरिक्त टैरिफ नहीं लगाए हैं, जबकि ट्रंप सार्वजनिक रूप से सेकेंडरी सैंक्शंस की बात करते रहे हैं। चीन अब भी भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, अमेरिका की नीतियों की अवहेलना करते हुए। इसका एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि चीन की कुछ रणनीतिक पकड़ अमेरिका पर बनी हुई है। अमेरिका को जिन दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, उनका चीन सबसे बड़ा स्रोत है। जब ट्रंप ने चीन के निर्यात पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी थी, तो चीन ने अमेरिका को इन खनिजों और मैग्नेट्स की आपूर्ति रोकने का आदेश दिया था। साथ ही, यह स्वीकार करना पड़ेगा कि चीन की सैन्य शक्ति भी अमेरिका के लिए एक बड़ा प्रतिरोधक कारक है। आज चीन के पास अमेरिका से बड़ा नौसैनिक बेड़ा है और उसकी सामरिक क्षमता अमेरिका को सीधे टकराव से रोकती है। चीन की आर्थिक और सैन्य शक्ति, दोनों ही आज एक सबक हैं कि किस प्रकार दीर्घकालिक आर्थिक प्रगति राष्ट्र की सामरिक स्थिति को मजबूत कर सकती है। चीन की आज की ताकत सीधे तौर पर उसकी पिछली साढ़े तीन दशकों की आर्थिक सफलता से जुड़ी है।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायाधीश पर छोड़ते हैं। हम पूरी तरह से स्वीकार करते हैं कि किसी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ही 'मास्टर ऑफ द रोस्टर' होते हैं। हमारे निर्देश किसी भी प्रकार से उनके प्रशासनिक अधिकार में हस्तक्षेप नहीं करते।"

'तेजस्वी यादव का एक वोटर आईडी कार्ड फर्ज़ी'

नयी दिल्ली, 08 अगस्त। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने जांच में पाया है कि बिहार विधान सभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने दो अगस्त की अपनी प्रेस वार्ता में अपना जो मतदाता फोटो आईकार्ड (ईपिक) दिखाया था वह फर्जी है और उसे आयोग द्वारा नहीं जारी किया है।

यादव का नाम एक दूसरे कार्ड नंबर के साथ बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन के मतदान केंद्र संख्या 204 की सूची में क्रम संख्या 416 पर दर्ज है और उसका फोटो आईकार्ड नंबर दूसरा है।(अधिकारियों ने यादव को फर्जी कार्ड जमा कराने के लिए लिखा है और कहा है फर्जी सरकारी दस्तावेज बनाना एवं उपयोग करना कानूनी अपराध है। बिहार की दीघा विधान सभा सीट (181) के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पादधिकारी , पटना सदर ने यादव को पत्र लिख कर अनुरोध किया है कि वह अपना आरएबी2916120 नंबर का 'फर्जी' ईपिक 16 अगस्त शाम पांच बजे तक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी कार्यालय में जमा करा दें।

एसआई भर्ती पेपर लीक में एक और प्रोबेशनर उपनिरीक्षक गिरफ्तार

इस प्रकरण में अब तक एसओजी 54, एसआई सहित 118 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है

■ बहरोड निवासी सत्येन्द्र सिंह यादव को पुलिस एक्टिव लाईन जयपुर ग्रामीण में गिरफ्तार किया गया।

जयपुर, 8 अगस्त। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने उपनिरीक्षक भर्ती (एसआई) परीक्षा 2021 पेपर लीक से सम्बन्धित दर्ज प्रकरण में कार्रवाई करते हुए एक और प्रोबेशनर उप निरीक्षक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित प्रोबेशनर उप निरीक्षक परीक्षा पूर्व पेपर लीक गिरोह के मार्फत लीक सॉल्वड पेपर पढ़कर अविधिक रूप से चयनित हुआ था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक से सम्बन्धित दर्ज प्रकरण में कार्रवाई करते हुए पुलिस एक्टिव लाईन जयपुर ग्रामीण में पुलिस उप निरीक्षक (प्रोबेशनर) सत्येन्द्र सिंह यादव निवासी बहरोड़ सदर जिला बहरोड़ कोटपूतली, हाल सिरसी बिंदायका को गिरफ्तार किया है। एसओजी फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एडीजी (एटीएस और एसओजी) वी.के.सिंह ने बताया कि एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में एसओजी की ओर से साल-2024 में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। इस मामले में आरोपित सत्येन्द्र सिंह यादव एसआई भर्ती पेपर की दोनों पारियों की लिखित परीक्षा 15 सितम्बर 2021 को परीक्षा से पहले पेपर लीक गिरोह के जरिए लीक सॉल्वड पेपर पढ़कर चयनित हुआ तथा वर्तमान में पुलिस लाइन जयपुर ग्रामीण में पुलिस एसआई (प्रोबेशनर) है।

आरपीएससी अजमेर से आरोपित सत्येन्द्र सिंह यादव का एसआई भर्ती परीक्षा-2021 की लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों का विवरण प्राप्त किया गया, जिसमें आरोपित सत्येन्द्र सिंह ने हिन्दी विषय में 178.83 और सामान्य ज्ञान विषय में 160.33 अंक (कुल 339.16 अंक) प्राप्त किए और मैरिट क्रमांक 12 पर एसआई के पद पर चयनित हुआ। एसओजी की ओर से दर्ज प्रकरण में जांच पड़ताल के दौरान राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ट्रेनी की उक्त भर्ती परीक्षा की लिखित परीक्षा में आए प्रश्न पत्रों के अनुसार दोबारा परीक्षा ली गई थी। किन्तु सत्येन्द्र सिंह यादव के एसआई की लिखित परीक्षा में प्राप्तांकों एवं विभाग की ओर से उन्हीं प्रश्न पत्रों से दोबारा ली गई परीक्षा में भारी अंतर पाया गया।

आरोपित सत्येन्द्र सिंह की ओर से 10वीं क्लास में 55 प्रतिशत, 12वीं क्लास में 59 प्रतिशत और स्नातक में 57 प्रतिशत अंक प्राप्त किए गए हैं। एसआई भर्ती परीक्षा-2016, पटवारी भर्ती-2016 और आरएएस प्री-2018 में आरोपित सत्येन्द्र ने परीक्षा दी, लेकिन वह पास नहीं हो सका। एसओजी की ओर से अब तक 54 एसआई सहित, कुल 118 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908